{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 11 मई 2026
वैशाख कृष्ण 10 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 226
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

भाजपा केंद्रीय मंत्री के बेटे पर पाक्सो के तहत मामला दर्ज

हैदराबाद। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार के बेटे बंदी भगीरथ के खिलाफ नाबालिग लड़की से यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज होने के बाद तेलंगाना की राजनीति गरमा गई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पास्को एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। 17 वर्षीय पीड़िता ने आरोप लगाया है कि भगीरथ ने उसे फार्महाउस में जबरन शराब पिलाई और बाद में उसका यौन उत्पीड़न किया। विरोध करने पर धमकी और मारपीट करने का भी आरोप लगाया गया है। कांग्रेस ने इस मामले को लेकर भाजपा पर हमला बोला है। पार्टी ने आरोप लगाया कि सत्ता के प्रभाव में भाजपा नेताओं के परिवार कानून से ऊपर होने का व्यवहार कर रहे हैं। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि भगीरथ पहले भी कई विवादों में शामिल रहे हैं। मामले के सामने आने के बाद राज्य की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप तेज हो गए हैं।

शेख हसीना ने बंगाल के सीएम सुवेंदु को दी बधाई, कहा-मित्रता और संबंध होंगे मजबूत

जम्मू। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने शनिवार को पश्चिम बंगाल के सीएम के रूप में शपथ लेने वाले सुवेंदु अधिकारी को बधाई दी। बांग्लादेश अवामी लीग ने भी एक पत्र साझा कर अधिकारी को बधाई दी। पत्र में अवामी लीग पार्टी ने अपने संदेश में, उन्होंने पश्चिम बंगाल के नव निर्वाचित मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के अच्छे स्वास्थ्य और सफलता की कामना की। शेख हसीना ने आशा व्यक्त की कि उनके सक्षम नेतृत्व में पश्चिम बंगाल का विकास और भी तीव्र होगा और बांग्लादेश और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे मित्रता और सहयोग के संबंध और मजबूत होंगे।

एलपीजी सिलेंडर ब्लास्ट में मां और दो बेटियों की मौत

जयपुर। राजस्थान के ब्यावर जिले में रविवार को एलपीजी सिलेंडर में गैस लीकेज से हुए धमाके में एक महिला और उसकी दो बेटियों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा रायपुर मारवाड़ उपखंड क्षेत्र के कानचा उड़वता गांव में हुआ। जानकारी के अनुसार, महिला सुबह चाय बनाने के लिए रसोई में गई थी। जैसे ही उसने गैस चालू की, लीकेज के कारण अचानक आग भड़क उठी और जोरदार धमाका हो गया। आग इतनी तेजी से फैली कि महिला और दोनों बच्चियां बाहर नहीं निकल सकीं। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक रसोई पूरी तरह जल चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में सिलेंडर से गैस रिसाव को हादसे की वजह माना जा रहा है। प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

कुछ ना कहना

तमिलनाडु में नए युग की शुरुआत, विजय ने ली मुख्यमंत्री पद की शपथ

चेन्नई। एजेंसी।

तमिलनाडु की राजनीति में रविवार को एक ऐतिहासिक बदलाव देखा गया, जब तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख सी. जोसेफ विजय ने राज्य के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। विजय के मुख्यमंत्री बनते ही राज्य की राजनीति में बीते छह दशकों से चले आ रहे डीएमके और एआईएडीएमके के दबदबे का अंत हो गया है। जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आयोजित इस भव्य समारोह में विजय के साथ उनके मंत्रिमंडल के नौ अन्य सदस्यों ने भी शपथ ली। इनमें एन. आनंद, आधव अर्जुन, केजी अरुण राज, केए. सेंगोट्टैयन, पी. वेंकटरामनन, आर. निर्मलकुमार, राजमोहन, डॉ. टी.के. प्रभु और सेल्वी एस. कीर्तना शामिल हैं। कार्यक्रम में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित देश के कई दिग्गज राजनेता और फिल्मी हस्तियां मौजूद रहीं। स्टेडियम की पहली पंक्ति में विजय के माता-पिता, प्रसिद्ध फिल्म निर्माता एस.ए. चंद्रशेखर और शोभा चंद्रशेखर के साथ-साथ अभिनेत्री त्रिशा कृष्णन और उनकी माता के लिए विशेष स्थान आरक्षित था। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच हजारों समर्थकों की मौजूदगी में यह समारोह संपन्न हुआ। 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में टीवीके सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी, लेकिन बहुमत के आंकड़े से थोड़ा पीछे रह गई। हालांकि, कांग्रेस, सीपीआई और सीपीआई (एम) के समर्थन के साथ टीवीके गठबंधन को कुल 120 विधायकों

छह दशक पुराना द्रविड़ वर्चस्व ध्वस्त

का साथ मिला। विजय ने शनिवार रात राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात कर सहयोगी दलों के समर्थन पत्र सौंपे थे। राज्यपाल ने उन्हें 13 मई तक सदन में विश्वास मत हासिल करने का निर्देश दिया है। यह शपथ ग्रहण समारोह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि एक वैचारिक बदलाव का प्रतीक है। 1967 के बाद यह पहला मौका है जब तमिलनाडु में किसी गैर-द्रविड़ दल ने सत्ता की बागडोर संभाली है। इस जीत के साथ ही विजय ने फिल्मी पर्दे से निकलकर राजनीति के

सीएम बनते ही विजय ने किया वादा पूरा 200 यूनिट मुफ्त बिजली का दिया आदेश

तमिलनाडु सीएम पद की शपथ लेते ही थलापति विजय ने अपनी पहले वादे को पूरा करते हुए 200 यूनिट मुफ्त बिजली देने की फाइल पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इसके अलावा उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष बल के गठन संबंधी फाइल पर भी हस्ताक्षर कर दिए हैं। सीएम पद की शपथ लेने के बाद विजय ने कहा कि वह किसी भी शाही वंश से नहीं हैं, इसके बाद भी जनता ने उन्हें स्वीकार किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने रविवार को तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख सी जोसेफ विजय को तमिलनाडु के सीएम बनने पर बधाई दी और कहा कि केंद्र सरकार लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए राज्य सरकार के साथ मिलकर काम करती रहेगी। टीवीके प्रमुख विजय ने रविवार को सीएम के रूप में शपथ ली। राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने चेन्नई में आयोजित एक भव्य समारोह में उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण के दौरान विजय देने लगे भाषण तो राज्यपाल ने रोका

तमिल फिल्मों के सुपरस्टार और टीवीके प्रमुख चंद्रशेखर जोसेफ विजय ने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। हालांकि यह शपथ ग्रहण समारोह उस समय चर्चा का विषय बन गया जब विजय निर्धारित प्रक्रिया से हटकर मंच से भाषण देने लगे और राज्यपाल को बीच में हस्तक्षेप करना पड़ा।

विजय का तमिलनाडु का सीएम बनना "सपने के सच होने जैसा"-मां शोभा

तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय के तमिलनाडु के सीएम के रूप में शपथ ग्रहण को लेकर उनके परिवार ने खुशी और गर्व व्यक्त किया। विजय के पिता और वरिष्ठ फिल्म निर्माता एस ए चंद्रशेखर के घर से रवाना होते समय परिवार के सदस्यों ने इस अवसर को "सपने के सच होने जैसा" बताया। उन्होंने कहा कि यह अवसर इसलिए भी खास है, क्योंकि यह 'मदर्स डे' के दिन हो रहा है। विजय की मां शोभा चंद्रशेखर ने अपने बेटे की नई भूमिका पर अपार विश्वास जताया है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि विजय इस जिम्मेदारी को बहुत अच्छी तरह निभाएंगे। मुझे उन पर पूरा भरोसा है। उन्होंने 'मदर्स डे' के अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं भी दीं और इस राजनीतिक उपलब्धि को एक विशेष उपहार बताया। चंद्रशेखर ने कहा कि पिछले तीन दिनों से समर्थक बेसब्री से इस पल का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज लोगों के लिए बहुत खुशी का दिन है और टीवीके नेता का राज्य की जनता से गहरा जुड़ाव है। सेंट ब्रिट्टो एकेडमी से विजय की पूर्व शिक्षिका विमला ने भी अपनी भावना व्यक्त की। उन्होंने विजय की सफलता का श्रेय उनके "समर्पण और दृढ़ता" के साथ-साथ लोगों के प्रति उनके सच्चे प्रेम को दिया है।

सीएम बनने पर पीएम मोदी ने विजय को दी बधाई, मदद का भी भरोसा दिया

चेन्नई। तमिलनाडु में विजय के ऐतिहासिक शपथ ग्रहण समारोह के बाद पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें तमिलनाडु का सीएम बनने पर बधाई दी और साथ ही केंद्र सरकार की तरफ से पूरी मदद करने का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- सी जोसेफ विजय को तमिलनाडु के सीएम पद की शपथ लेने पर बहुत बधाई। उनके आगामी कार्यकाल के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं। केंद्र सरकार तमिलनाडु सरकार और वहां के लोगों की भलाई के लिए लगातार काम करती रहेगी।

रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु की नई सरकार को बधाई देने के साथ ही एक दूसरे कार्यक्रम में पीएम मोदी कांग्रेस को एक परजीवी पार्टी बताते हुए अन्य विपक्षी पार्टियों को चेताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दशकों तक डीएमके के साथ खड़ी रही, लेकिन हवा बदलते ही उसने पाला भी बदल लिया। कर्नाटक में एक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि तमिलनाडु की मौजूद स्थिति को देखिए। वहां पर पिछले 25 से 30 सालों तक कांग्रेस और डीएमके के बीच घनिष्ठ संबंध रहे। डीएमके के साथ गठबंधन ने कई बार कांग्रेस को संकटों से उबारा। वास्तव में, 2014 से पहले दस सालों तक कांग्रेस का जो शासन चला, वह काफी हद तक डीएमके के समर्थन के कारण ही चला, लेकिन जैसे ही राजनीतिक हवा ने रुख बदला, कांग्रेस ने डीएमके को धोखा दे दिया। अब कांग्रेस को राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बने रहने के लिए एक और पार्टी की जरूरत है, जिसके सहारे वह आगे बढ़ सके।

इससे पहले अभिनेता से राजनेता बने थलापति विजय ने रविवार सुबह चेन्नई के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में हुए एक भव्य कार्यक्रम में पद और गोपनीयता की शपथ ली। उनके साथ ही नौ नए मंत्रियों ने भी शपथ ली। इस दौरान हजारों की संख्या में समर्थक मौजूद थे। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी वहां पहुंचे। शपथ के साथ ही विजय तमिलनाडु के नौवें सीएम बन गए हैं। अपने पहले ही भाषण में विजय ने साफ कर दिया कि सत्ता का एक ही केंद्र होगा, और वह स्वयं विजय ही होंगे।

पीएम मोदी बोले- पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करें, एक साल तक सोना न खरीदें

भारत में तेल के कुएं नहीं; आज वर्क फ्रॉम होम की जरूरत

बेंगलुरु/हैदराबाद। पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि आज के समय में पेट्रोल, गैस और डीजल का इस्तेमाल कम करना होगा। पड़ोस में चल रहे युद्ध के असर से दुनियाभर में पेट्रोल-डीजल के दाम कई गुना बढ़ गए हैं। पीएम ने हैदराबाद में भाजपा की रैली में कहा- भारत पर इस वैश्विक संकट का असर ज्यादा है, हमारे पास तेल के बड़े कुएं नहीं हैं। आज हमें वर्क फ्रॉम होम जैसे उपायों की जरूरत है। जिन शहरों में मेट्रो है, वहां लोग मेट्रो का इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि पहले जब युद्ध होता था लोग सोना दान में दे देते थे। आज दान की जरूरत नहीं है लेकिन हमें आज ये संकल्प लेना होगा कि अगले 1 साल तक कोई भी कार्यक्रम हो, सोना न खरीदें। इससे विदेशी मुद्रा भी बचेगी।

"कोरोना काल में हमने वर्क फ्रॉम होम जैसी व्यवस्थाएं अपनाईं और कई ऐसी प्रणालियां विकसित कीं। देश हित में आवश्यक है कि हम इन प्रक्रियाओं को फिर से शुरू करें।

नरेंद्र मोदी
प्रधानमंत्री

भारत के लिए 'गेम चेंजर' बनेगी परमाणु ऊर्जा - मॉर्गन स्टेनली

नई दिल्ली। वैश्विक निवेश फर्म मॉर्गन स्टेनली ने अपनी नई रिपोर्ट में भारत की परमाणु ऊर्जा नीति को भविष्य के लिए बेहद अहम बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, न्यूक्लियर एनर्जी भारत को स्थिर और कम कार्बन उत्सर्जन वाली ऊर्जा उपलब्ध कराने में बड़ी भूमिका निभा सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है

कि फिलहाल भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता 8.2 गीगावाट है, जो कुल स्थापित ऊर्जा क्षमता का करीब 2 प्रतिशत है। सरकार ने वित्त वर्ष 2032 तक इसे 22 गीगावाट और 2047 तक 100 गीगावाट तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। सरकार ने छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) विकसित करने के लिए 200 अरब रुपए के विशेष मिशन की घोषणा की है। मॉर्गन स्टेनली का मानना है कि इससे निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ सकती है और ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा बदलाव आ सकता है। रिपोर्ट में कनाडा और अमेरिका के साथ परमाणु सहयोग को भी महत्वपूर्ण बताया गया है। कनाडा भारत को यूरेनियम की आपूर्ति कर रहा है, जबकि अमेरिका तकनीकी सहयोग और रिएक्टर विकास में अहम भूमिका निभा सकता है।

योगी मंत्रिमंडल का विस्तार, 6 नए मंत्रियों ने ली शपथ

दो मंत्रियों को मिला प्रमोशन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता रहीं कृष्णा पासवान भी बनीं मंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार में रविवार को दूसरी बार मंत्रिमंडल विस्तार किया गया। राजभवन में आयोजित समारोह में छह नए मंत्रियों ने शपथ ली, जबकि दो राज्य मंत्रियों को पदोन्नत कर राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया गया। समारोह में सबसे पहले भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने शपथ ली। इसके बाद समाजवादी पार्टी से बगावत कर भाजपा के करीब आए विधायक मनोज पांडेय ने मंत्री पद की शपथ ली। दोनों नेताओं को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। इसके बाद अजीत पाल और सोमेंद्र तोमर ने शपथ ली। दोनों पहले राज्य मंत्री थे और अब उन्हें राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का दर्जा दिया गया है। वहीं कृष्णा पासवान, कैलाश राजपूत, सुरेंद्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा को राज्यमंत्री बनाया गया है। कृष्णा पासवान की नियुक्ति खास चर्चा में रही।

ये चौथी बार विधायक बनी हैं और राजनीति में आने से पहले आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के रूप में काम कर चुकी हैं। शपथ ग्रहण के बाद कई नए मंत्रियों ने राज्यपाल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। नए मंत्रिमंडल में सामाजिक समीकरणों का भी ध्यान रखा गया है। इसमें एक ब्राह्मण, तीन ओबीसी और दो दलित वर्ग के नेताओं को जगह मिली है।

कुल मंत्रियों की संख्या 60 हुई

अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित प्रदेश सरकार में कुल मंत्रियों की संख्या 60 हो गई है। इससे पहले मार्च 2024 में लोकसभा चुनाव से पहले मंत्रिमंडल का पहला विस्तार किया गया था।

आशा मौर्या की नाराजगी

इस मंत्रिमंडल विस्तार के बाद भी कुछ लोग असंतुष्ट दिखे, जिनमें आशा मौर्या का नाम भी शामिल है। दरअसल मंत्री पद नहीं मिलने से भाजपा विधायक आशा मौर्या नाराज नजर आईं। उन्होंने पार्टी पर मौर्य समाज की अनदेखी और दलबदलू नेताओं को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

आईएसआई से जुड़े मध्यप्रदेश के तीन युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े होने के आरोप में मध्यप्रदेश के तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत हाईवे के एक ढाबे और हरियाणा स्थित सैन्य कैंप को निशाना बनाने की साजिश रच रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान टीकमगढ़ निवासी अनमोल राय, ग्वालियर के डबरा निवासी राजवीर और विवेक बंजारा के रूप में हुई है। तीनों को उनके गांवों से गिरफ्तार कर दिल्ली ले जाया गया। स्पेशल सेल के अनुसार आरोपियों के मोबाइल फोन से कई संदिग्ध ई-मेल, ऑडियो और वीडियो कॉल रिकॉर्ड मिले हैं। जांच में सामने आया कि उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण स्थानों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स को भेजे थे। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर और वहां तैनात सुरक्षाबलों की रेकी करने का काम सौंपा गया था। इसके अलावा दिल्ली-सोनीपत हाईवे के एक मशहूर ढाबे पर ग्रेनेड हमला करने और हरियाणा के हिसार स्थित सैन्य कैंप की जानकारी जुटाने की भी योजना थी। यह खुलासा दिल्ली पुलिस के 'गैंग बस्ट ऑपरेशन 2.0' के दौरान हुआ, जिसमें विभिन्न राज्यों से कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस अब मॉड्यूल की फंडिंग और सीमा पार संपर्कों की जांच कर रही है।

हार के बाद भाजपा को हराने साझा मंच बनाने निकलीं ममता, एकजुट होने की कर रहीं अपील

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों के परिणामों के बाद राज्य की राजनीति में मचे उथल-पुथल के बीच तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। राज्य की सत्ता भाजपा के हाथों में जाने के बाद अब ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों को एकजुट करने की कवायद शुरू कर दी है। शनिवार को रवींद्रनाथ टैगोर की जयंती के अवसर पर कालीघाट स्थित अपने आवास पर आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी भाजपा विरोधी ताकतों को एक साझा मंच पर आने का आह्वान किया।

ममता बनर्जी ने अपनी अपील में न केवल क्षेत्रीय दलों, बल्कि वामपंथी और अति-वामपंथी विचारधारा वाले दलों को भी साथ आने को कहा। उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में भाजपा के खिलाफ ल ?ाई ल ?ने के लिए वह किसी भी दल से संवाद करने को तैयार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब यह सोचने का समय नहीं है कि दुश्मन का दुश्मन दोस्त है, बल्कि यह समझने की जरूरत है कि मुख्य वैचारिक और राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भाजपा है और उससे मुकाबला करने के लिए एकजुटता अनिवार्य है। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि चुनाव परिणामों के बाद से ही राज्य के विभिन्न हिस्सों में टीएमसी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में गुंडागर्दी ब ? गई है और असामाजिक तत्व सत्ताधारी दल की आ ? में हिंसा फैला रहे हैं। अपने कार्यकाल की याद दिलाते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 2011 में जब वह पहली बार सत्ता में आई थीं, तब उन्होंने इस तरह की प्रतिशोध की राजनीति को अनुमति नहीं दी थी।

अब शीर्ष नेतृत्व ही लेगा फैसला-गौरव गोगोई

आसाम चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस में मंथन का दौर जारी

गुवाहाटी। असम कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने हाल ही में हुए असम विधानसभा चुनाव के परिणामों की पूरी जिम्मेदारी ली है। उन्होंने रविवार को पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों के साथ हुई समीक्षा बैठक की। गोगोई ने पत्रकारों से कहा कि असम विधानसभा चुनाव के हालिया नतीजे बेहद निराशाजनक रहे हैं। मैंने पहले भी कहा है कि मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्होंने पार्टी के हाईकमान को सूचित कर दिया है और आंतरिक समीक्षा प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गौरव गोगोई ने आगे कहा कि मैंने हाईकमान को भी सूचित कर दिया है और संगठनात्मक पुनर्गठन के साथ-साथ अगले कदमों की रूपरेखा तैयार करने का फैसला हाईकमान को ही करना है। साथ ही हमने आंतरिक समीक्षा प्रक्रिया शुरू कर दी हैम्मुझे लगता है कि अगले महीने हम उन वास्तविक कारणों

का पता लगाने की कोशिश करेंगे जो 2026 के इस विशेष परिणाम की व्याख्या कर सकते हैं। असम विधानसभा चुनाव में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए ने निर्णायक जीत हासिल करते हुए विपक्ष की 75 सीटों के मुकाबले 102 सीटें जीतीं। बीजेपी को 82 सीटें मिलीं, जबकि उसके सहयोगी असम गण परिषद (एजीपी) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीओपीएफ) को 10-10 सीटें जीती हैं।

कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन मित्राजूत को 19 सीटें, रायजोर दल को 2 सीटें और अखिल भारतीय संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (एयूडीएफ) को 2 सीटें मिलीं हैं। असम जातीय परिषद (एजेपी) को एक भी सीट नहीं मिली। वहीं असम बीजेपी सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को गुवाहाटी के खानापारा मैदान में आयोजित किया जाएगा, जिसमें पीएम मोदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

रेत के अवैध उत्खन्न पर हट्टा पुलिस की कार्यवाही

अवैध उत्खनन में लगे 05 ट्रेक्टर ट्राली जप्त, 04 आरोपियो को अभिरक्षा में लेकर,शुरू की गई पूछताछ

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में रेत के अवैध उत्खनन और उसकी अवैध बिक्री का कार्य धड़ल्ले से किया जा रहा है, इसके खिलाफ पुलिस भी समय-समय पर कार्यवाही कर रही है, बावजूद इसके भी रेत के अवैध उत्खनन और उसकी अवैध बिक्री पर पूर्णतः प्रतिबंध नहीं लग पाया है, रेत के अवैध उत्खनन, उसकी बिक्री से जुड़ा ताजा मामला रविवार 10 मई की सुबह का है। जहां थाना हट्टा के ग्राम मंगोली खुर्द वैनगंगा नदी घाट में छापामार कार्यवाही कर हट्टा पुलिस ने रेत से भरे 5 ट्रैक्टर ट्राली को जप्त किया है वही इस अवैध काम में शामिल 4 आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

प्राईवेट वाहन से घाट पहुचकर मारा छापा

पुलिस द्वारा बताया गया की हट्टा के ग्राम मंगोली खुर्द वैनगंगा नदी घाट से अवैध रेत उत्खन्न की लगातार सूचना प्राप्त हो रही थी। अवैध रेत उत्खन्न पर रोक लगाने के संबंध में पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा एवं एस.डी.ओ.पी. लांजी ओमप्रकाश द्वारा थाना प्रभारी हट्टा को निर्देश दिए गए थे। प्राप्त सूचना पर थाना हट्टा पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुये प्राईवेट वाहन से जाकर ग्राम मंगोली खुर्द वैनगंगा नदी घाट से अवैध रेत उत्खन्न करने वाले 05 ट्रेक्टर ट्राली को जप्त कर 04 आरोपीगणों को अभिरक्षा में लिया गया।इस तरह की कार्यवाही लगातार जारी रखी जाएगी ।

प्रकरण दर्ज कर शुरू की जांच

थाना हट्टा के ग्राम मंगोली खुर्द वैनगंगा नदी घाट से अवैध रेत उत्खन्न की लगातार सूचना प्राप्त हो रही थी। उक्त सूचना पर कार्यवाही करते हुये थाना हट्टा प्रभारी उनि अविनाश सिंह राठौड़ द्वारा थाना हट्टा की टीम तैयार कर प्राईवेट वाहनों व मोटर साईकल से जाकर ग्राम मंगोली खुर्द वैनगंगा नदी घाट पर रेत का अवैध उत्खन्न कर रहे 05 ट्रेक्टर ट्राली को जप्त कर 04 आरोपीगणो को अभिरक्षा में लिया गया है। थाना हट्टा में अवैध रेत का उत्खन्न करने वालों के विरूद्ध अप.क्र. 49/26 धारा 303(2), 317(5) बीएनएस, 4(1), 4(1ए), 21 खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

इनका रहा सराहनीय योगदान

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी हट्टा उप निरीक्षक अविनाश राठौड, सउनि दिनेश जायसवाल, प्रआर 06 सतीष पारधी, प्र.आर. 1084 विनोद कुमरे, प्र. आर. 941 द्वारिकानारायण दुबे ,आर. 58 विष्णु प्रताप, आर. 1444 किशन यादव, आर. 421 खिलेश्वर पटले, आर 1117 डोमेश्वर राऊत, आर. चा. अभिषेक मालवीय विशेष सहयोगी दस्ता के मुरलीधर दानी, कंकर बसेने, अमित गौतम, योगेश डोंगरे, यश पटले विनय पगाडे, सरोज मरठे, अभिमन्यु पांचे का सराहनीय योगदान रहा।

गर्रा रेलवे ब्रिज और फतेहपुर में मधुमक्खियों का हमला, पांच लोग घायल

अचानक टूट पड़े मधुमक्खियों के झुंड- जिला अस्पताल में चल रहा है उपचार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में दो अलग-अलग स्थानों पर मधुमक्खियों के अचानक हुए हमले से पांच लोग घायल हो गए। सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार सभी

की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार पहली घटना परसवाड़ा तहसील के ग्राम फतेहपुर में हुई। यहां ९ मई की शाम सूरज पिता नरबाद कुमरे 62 वर्ष पर अचानक मधुमक्खियों के झुंड ने हमला कर दिया। मधुमक्खियों के डंक से घायल हुए इस व्यक्ति को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया गया ।जहां उनका उपचार किया जा रहा हैं। वहीं दूसरी घटना 10 मई की सुबह करीब 9 बजे गर्रा रेलवे ब्रिज के पास सामने आई। बताया गया कि अनिल पिता नाथूलाल अजित 54 हीरापुर निवासी तथा सिविल लाइन बालाघाट निवासी बाबूलाल हरिनखेड़े 70 वर्ष योगेश हरिनखेड़े 41 वर्ष और मधु पति योगेश हरिनखेड़े 38 वर्ष गर्रा की ओर से बालाघाट आ रहे थे। इसी दौरान रेलवे ब्रिज के पास अचानक मधुमक्खियों का झुंड उन पर टूट पड़ा।अचानक हुए हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला और जिला अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में सभी का उपचार जारी है।

हट्टा पुलिस को मिली सफलता

शादी के दूसरे दिन ही नवविवाहिता से बलात्कार करके एक माह से फरार आरोपी को किये गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपी राज ठाकरे भेजा गया जिला जेल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा पुलिस ने नवविवाहिता से शादी के दूसरे दिन बलात्कार करके एक माह से फरार आरोपी को लालबर्रा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिये। गिरफ्तार आरोपी प्रफुल्ल उर्फ राज ठाकरे पिता शोभाराम ठाकरे 24 वर्ष ग्राम भांडी थाना वारासिवनी निवासी है। जो नागपुर में पुलिस टीम को देखकर लालबर्रा क्षेत्र में रहने वाले अपने

रिश्तेदार के घर आकर छुपा हुआ था। गिरफ्तार इस आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

क्या है पूरा मामला

हट्टा क्षेत्र में रहने वाली 25 वर्षीय युवती की राज ठाकरे ग्राम भांडी निवासी से पिछले 2 साल से जान-पहचान थी। दोनों दोस्त थे । राज ठाकरे युवती की शादी में भी शामिल हुआ था। पिछले माह 9 अप्रैल को इस युवती का विवाह हुआ था। शादी के दूसरे दिन विदाई के बाद युवती ससुराल गई। 10 अप्रैल को ससुराल में रिसेप्शन कार्यक्रम निपटने के बाद वह परिजनों के साथ मायके लौट आई थी। मायके आने के अगले दिन 11 अप्रैल की रात करीब 8 बजे युवती शौच के लिए घर के पीछे खेत की तरफ गई थी। वापस लौटते समय पहले से घात लगाए बैठे राज ठाकरे ने उसे पकड़ लिया और उसे बोला कि मैं तुझसे प्यार करता था, तूने दूसरे से शादी क्यों की यह बोलकर राज ठाकरे ने युवती का मुंह दबाकर जबरन बलात्कार किया और जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया था। घर पहुंचकर युवती ने परिजनों को आप बीती बताई। इसके बाद 13 अप्रैल युवती ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। आरोपी राज ठाकरे 25 वर्ष ग्राम भांडी थाना वारासिवनी निवासी के खिलाफ हट्टा थाना में अपराध क्रमांक 32/26, धारा 64(1) 296(बी), 351(3) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर किया गया था । इस मामले की जांच हट्टा पुलिस द्वारा की जा रही है। अपराध दर्ज होते ही आरोपी राज ठाकरे फरार हो गया था। जिसे गिरफ्तार करने पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही थी।

नागपुर में छिपे होने की मिली थी, जानकारी रिश्तेदार के घर पकड़ाया

लगातार की जा रही तलाश के दौरान हाल ही में आरोपी राज ठाकरे के नागपुर में छिपे होने की सूचना पर पुलिस टीम नागपुर पहुंची। इसी दौरान आरोपी राज ठाकरे नागपुर से भागकर ग्राम देवगांव लालबर्रा स्थित अपने रिश्तेदार के घर पहुंच गया था। मुखबिर की सूचना पर 9 मई को हट्टा पुलिस ने दबिश देकर आरोपी प्रफुल्ल उर्फ राज ठाकरे को उसके रिश्तेदार के घर ग्राम देवगांव लालबर्रा से गिरफ्तार कर लिये।जिसे 10 मई को बालाघाट की विद्वान अदालत में पेश कर दिए जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जिला जेल भिजवा दिया गया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी हट्टा उप निरीक्षक अविनाश राठौड़, सहायक उप निरीक्षक दिनेश जायसवाल, प्रधान आरक्षक सतीश पारधी, प्रधान आरक्षक विनोद कुमरे, प्रधान आरक्षक द्वारिकानारायण दुबे, आरक्षक विष्णु प्रताप, आरक्षक किशन यादव, आरक्षक खिलेश्वर पटले, आरक्षक. राकेश पंचेश्वर, आरक्षक डोमेश्वर राऊत एवं आरक्षक अभिषेक मालवीय की सराहनीय भूमिका रही।

3 माह से अटके मानदेय का तत्काल एक मुश्त दिया जाए भुगतान

सीटू 2 के बैनर तले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ ने सांसद को सौपा ज्ञापन, मांग पूरी ना होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी न होने से आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और उनके संगठन सरकार से खासा नाराज हैं, तो वही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं सहायिकाओं को पिछले तीन माह से मानदेय का भुगतान भी नहीं किया गया है जिस पर अपनी नाराजगी जताते हुए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने आंदोलन का रास्ता अपनाने की रणनीति बनाई है। जिसके तहत रविवार को सीटू संगठन के बैनर तले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सांसद भारती पारधी से मुलाकात कर उन्हें एक ज्ञापन सौपा है।जिसमें उन्होंने तीन माह से अटके मानदेय का तत्काल एक मुश्त भुगतान किए जाने सहित वर्षों से लंबित उनकी अन्य मांगों को जल्द से जल्द पूरा कराए जाने की गुहार लगाई है। जिन्होंने मांग पूरी न होने पर आंगनबाडियों का कार्य बंद कर, सड़क पर उतरकर आंदोलन किए जाने की चेतावनी दी है।

मानदेय वृद्धि का भी नही मिला लाभ

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने बताया कि वर्ष 2018 में मानदेय वृद्धि 10000 किए जाने के बाद, केंद्र सरकार से डेढ़ हजार रु की मानदेय वृद्धि की गई थी,लेकिन 2019 में राज्य सरकार द्वारा राज्य की मानदेय से डेढ़ हजार रुपए काम कर दिए और केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाए गए डेढ़ हजार रुपए उस मानदेय में जोड़ दिया गया। जिसके कारण बढ़ा हुआ डेढ़ हजार रुपए मिलने पर जो मानदेय 11500 होना चाहिए था वह 10000 का 10000 ही रह गया।

मांग पूरी ना होने पर करेंगे आंदोलन- अंजली

सीटू संगठन के बैनर तले आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा सौंपे गए इस ज्ञापन के दौरान जिला अध्यक्ष अंजलि बिसेन ने बताया कि मानदेय वृद्धि का भी लाभ नही मिलने पर इसके विरोध में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका यूनियन मध्य प्रदेश सीटू द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की गई जिसका फैसला 21 अप्रैल 2026 को माननीय उच्च न्यायालय द्वारा दिया गया जिसमें काटा गया 1500 एरियस सहित भुगतान किए जाने और 6प्रति. ब्याज के साथ दिए जाने का आदेश पारित किया गया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में ग्रेच्युटी के भुगतान किए जाने की अपील आंगनबाड़ी यूनियन गुजरात सीटू द्वारा की गई थी, जिसका फैसला अप्रैल 2022 में आया जिसमें आंगनबाड़ी कर्मियों को ग्रेच्युटी दिए जाने का फैसला दिया गया था इस फैसिलिटी के आधार पर हाई कोर्ट में भी अभी दायर की जिसमें हाई कोर्ट द्वारा सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लागू करते हुए आंगनबाड़ी कर्मियों को ग्रेच्युटी दिए जाने का आदेश पारित किया जिसमें 6 माह के अंदर डिजिटल लागू किए जाने के लिए सरकार को आदेशित किया गया लेकिन उस आदेश का पालन भी सरकार द्वारा नही किया जा रहा है। इसके अलावा तीन माह से मानदेय का भुगतान भी नहीं किया गया है।इन सभी मांगों को लेकर आज ज्ञापन सौंप कर मांग पूरी करवाने की गुहार लगाई गई है यदि मांग पूरी नहीं होती तो फिर संपूर्ण प्रदेश में काम बंद कर आंदोलन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के खिलाफ सड़क पर उतरेगी किसान कांग्रेस

उज्जैन में किसान नेता की गिरफ्तारी पर भड़का आक्रोश, बालाघाट में होगा पुतला दहन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश सरकार के खिलाफ किसान कांग्रेस अब खुलकर संघर्ष के मैदान में उतरती दिखाई दे रही है। उज्जैन में किसान कांग्रेस जिला अध्यक्ष की गिरफ्तारी के विरोध में बालाघाट जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष भूरू पटेल के नेतृत्व में मुख्यमंत्री का पुतला दहन कर जोरदार आंदोलन किया जाएगा।भूरू पटेल ने प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार किसानों की आवाज दबाने के लिए तानाशाही रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि किसानों के हक और सम्मान की लड़ाई लड़ने वाले नेताओं को गिरफ्तार कर लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। शांतिपूर्ण आंदोलन करने वाले किसान नेताओं पर कार्रवाई यह साबित करती है कि सरकार किसानों के सवालों से डर चुकी है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसान नेताओं पर दमनात्मक कार्रवाई बंद नहीं हुई तो किसान कांग्रेस पूरे प्रदेश में उग्र आंदोलन करेगी। गांव-गांव और सड़क-सड़क किसानों को जोड़कर सरकार के खिलाफ बड़ा जनआंदोलन खड़ा किया जाएगा। मुख्यमंत्री का पुतला दहन उसी आंदोलन की शुरुआत है।कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी सरकार को घेरते हुए कहा कि प्रदेश का किसान खाद, बीज, बिजली संकट और फसलों के उचित मूल्य जैसी समस्याओं से परेशान है, लेकिन सरकार समस्याओं के समाधान के बजाय विरोध की आवाज को कुचलने में लगी हुई है। कार्यकर्ताओं ने इसे लोकतंत्र और किसानों के अधिकारों पर सीधा हमला बताया।बालाघाट में प्रस्तावित आंदोलन को लेकर किसान कांग्रेस कार्यकर्ताओं और युवाओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। संगठन ने बड़ी संख्या में किसानों से आंदोलन में शामिल होकर सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करने की अपील की है।

एनसीसी शिविर में कैडेट्स को दिया गया फायरिंग एवं यातायात नियमों का प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एनसीसी के दस दिवसीय 95वें संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-95) के सातवें दिन कैडेट्स के लिए विभिन्न प्रशिक्षण एवं खेलकूद गतिविधियों का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत प्रतिदिन की तरह प्रातःकाल पीटी एवं योगाभ्यास से हुई, जिसमें कैडेट्स को मानसिक शांति एवं शारीरिक स्वास्थ्य के महत्व की जानकारी दी गई। इसके पश्चात कैडेट्स को एनसीसी की प्रमुख गतिविधि ड्रिल का अभ्यास कराया गया तथा नियमित एनसीसी कक्षाओं का संचालन किया गया। जिन कैडेट्स को अगले दिन फायरिंग अभ्यास के लिए जाना है, उन्हें शस्त्र संचालन एवं फायरिंग का प्रारंभिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। सांयकालीन विशेष व्याख्यान सत्र में पुलिस थाना बालाघाट के सब इंस्पेक्टर कैलाश उइके ने कैडेट्स को यातायात नियमों एवं सड़क सुरक्षा संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात को सुचारू बनाए रखने तथा नियमों का पालन करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए सड़कों पर भीड़ नियंत्रण के संबंध में भी सुझाव दिए। इसके बाद खेलकूद गतिविधियों के अंतर्गत कैप्टन राजेन्द्र सिंह कुशराम एवं लेफ्टिनेंट गजानन कटरे की उपस्थिति में अल्फा एवं ब्रेवो कंपनी के बीच वॉलीबॉल एवं रस्साकशी प्रतियोगिता आयोजित की गई। खेल गतिविधियों के संचालन में अन्य एनसीसी अधिकारी एवं पीआई भी उपस्थित रहे।

शादी समारोह में पुरानी रंजिश को लेकर युवक से मारपीट दो आरोपियों पर अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना खैरलांजी क्षेत्र के ग्राम सिवनघाट में शादी समारोह में शामिल होने आए युवक के साथ पुरानी रंजिश के चलते मारपीट का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवक को जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, 30 वर्षीय खुमेन्द्र पटले खेती-किसानी करते हैं। उनकी ग्राम कोसते निवासी शिवम पटले उर्फ बिट्टू से पुरानी रंजिश चल रही थी। 8 मई की रात करीब 12:30 बजे खुमेन्द्र अपने गांव के प्रमोद पारधी के घर शादी कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहीं कार्यक्रम के दौरान अंकित पटले मिला और खुमेन्द्र को बाहर चलने के लिए कहा। बाहर आने पर शिवम पटले भी वहां मौजूद था। उसने पुरानी रंजिश को लेकर खुमेन्द्र को अश्लील गालियां देनी शुरू कर दीं। मना करने पर शिवम ने हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दीजिससे खुमेन्द्र घायल हो गया। मारपीट के बाद अंकित पटले और शिवम पटले ने खुमेन्द्र को जान से मार डालने की धमकी दे दी। घायल खुमेन्द्र का इलाज खैरलांजी के सरकारी अस्पताल में कराया गया। खैरलांजी पुलिस ने खुमेन्द्र पटले की शिकायत पर आरोपी अंकित पटले सिवनघाट निवासी और शिवम उर्फ बिट्टू पटले कोसते निवासी के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आम सूचना

मै मूलचंद पिता गोकुलसाव पालेवार जाति कलार निवासी ग्राम बेनी तह: खैरलॉजी जिला बालाघाट म.प्र.आम जनता को सूचित करता हूँ कि मेरे द्वारा मेरे दूसरे पुत्र कृष्ण पालेवार उम्र २८ वर्ष को मैने अपने परिवार से अलग कर चुका हूँ । इस कारण कृष्ण पालेवार का मेरे से व मेरे पुत्र नितेश,योगेश और चितरंजन से सभी संबंध समाप्त हो चुके है ,तथा कृष्ण पालेवार के किसी लेनदेन या कृत्य के लिए मैं या मेरे शेष पुत्र या परिवार जिम्मेदार नही होंगे।

विनीतः: मूलचंद पालेवार बेनी

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पक्षकार श्री निशेश सिंह राजपूत पिता स्व.श्री चन्द्रप्रकाश राजपूत निवासी प्रज्ञा बिहार कालोनी वार्ड नं.१३ सिहोरा जिला जबलपुर म.प. के दादा स्व. श्री उत्तमसिंह गौतम की मौजा बालाघाट नगर तहसील एवं जिला बालाघाट में सर्किट हाउस रोड़ पर भूखण्ड एवं उस पर बना दुकान एवं मकान जिसका खसरा नं. २९३/११/२ रकबा ०.०१७ हे.एवं खसरा नं. २९३/२८/१/१ रकबा ०.०१० हे.जिस पर मेरे पक्षकार का बराबर का हक एवं अधिकार है चूंकि मेरे पक्षकार के पिता स्व.श्री चन्द्रप्रकाश पिता स्व.श्री उत्तमसिंह है तथा मेरे पक्षकार के दादा की मृत्यु हो चुकी है। मेरे पक्षकार को ज्ञात हुआ कि दिनांक २२ मार्च २०२६ को मेरे पक्षकार की बगैर अनुमति के दुकान को तोड दिया गया है। इस कारण से मेरा पक्षकार अपना हक व अधिकार प्राप्त करने हेतु जानकारी प्राप्त किये तब जानकारी प्राप्त हुई कि उस भूमि पर रमनसिंह पिता स्व.श्री लक्ष्मीनारायण ने अपना नाम दर्ज करा लिया है। हक मांगें जाने पर देने से इंकार है जबकि उस भूमि पर मेरे पक्षकार का बराबर का अधिकार है इस हेतु मेरा पक्षकार शीघ्र ही हक प्राप्ति हेतु सक्षम न्यायालय में दावा प्रस्तुत करेगा। इस प्रकार यह भूमि विवादित है यह ज्ञात हुआ है कि अपना नाम दर्ज होने का गलत लाभ लेकर विवादित भूखण्ड को विक्रय कर अफरा तफरी करने के फिराक में है। इस कारण से सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि विवादित भूमि खसरा नं.२९३/११/२ रकबा ०.०१७ हे. एवं ख.नं.२९३/२८/१/१ रकबा ०.०१० हे. भूमि के संबंध में किसी भी प्रकार की सौदेबाजी ना करें अन्यथा क्रेता को आर्थिक नुकसानी उठानी पडेगी तथा सभी के विरुद्ध न्यायालयीन कार्यवाही की जावेगी जिसके लिए वे स्वयं जिम्मेदार रहेगें।

प्रेषक-रमेश कुमार ब्रम्हें अधिवक्ता
वारासिवनी जिला बालाघाट म.प्र.
9424664977

आवश्यकता है

होटल कान्हा में काम करने वाले लड़के की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता

9993282223
9425139875

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।

महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

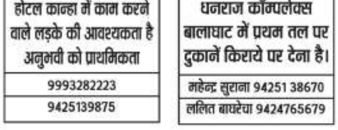

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

ढोल-शहनाई बजाने गया युवक लापता किरनापुर पुलिस ने शुरू की तलाश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रट्टापायली से ढोल-शहनाई बजाने का काम करने वाला एक युवक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। युवक शैलेंद्र पिता हरीराम शिकारी 38 वर्ष 5 मई को काम पर जाने की बात कहकर घर से निकला था। लेकिन अब तक वापस नहीं लौटा। परिजनों की शिकायत पर किरनापुर पुलिस ने गुम इंसान कायम कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लापता युवक शैलेंद्र शिकारी मूल रूप से ग्राम कोचेवाही थाना रावणवाड़ी जिला गोंदिया का निवासी है। उसकी शादी रट्टापायली निवासी रीता शिकारी से हुई थी। शादी के बाद से दोनों पति-पत्नी रट्टापायली में रह रहे हैं। उनके दो बच्चे भी हैं। शैलेंद्र ढोल-शहनाई बजाने का काम करता है। बताया गया कि 5 मई की शाम करीब 4 बजे शैलेंद्र ग्राम दासगांव जिला गोंदिया में ढोल-शहनाई बजाने जाने की बात कहकर घर से निकला था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। काफी समय तक घर नहीं पहुंचने पर उसकी पत्नी रीता ने रिश्तेदारों और ससुराल पक्ष में उसकी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। वहीं उसका मोबाइल फोन भी बंद आ रहा है। लापता शैलेंद्र का हुलिया लंबा अंडाकार चेहरा, सांवला रंग, करीब 5 फीट 6 इंच लंबाई बताया गया है। घर से निकलते समय वह सफेद रंग की शर्ट और काले रंग की फुल पैंट पहने हुए था। पति के लापता होने पर रीता शिकारी अपने जीजा मुकेश हिवारे के साथ किरनापुर थाना पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने गुम इंसान क्रमांक 38/2026 कायम कर मामले की जांच एवं युवक की तलाश शुरू कर दी है। साथ ही जिलेवासियों से शैलेंद्र शिकारी के संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचित करने की अपील की है।

जिले में साइबर ठगों का नया तरीका परिचित बनकर लोगों को लगा रहे फोन

वारासिवनी में सामने आया मामला, समय रहते सतर्कता से टली हजारों की ठगी

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिले में इन दिनों साइबर फ्रॉड के मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। साइबर ठग अब नई-नई तकनीक और अलग-अलग तरीकों से लोगों को अपना शिकार बनाने का प्रयास कर रहे हैं। पहले जहां ठग ओटीपी, इनाम और लुभावने ऑफरों के जरिए लोगों को फंसाते थे, वहीं अब वे सीधे परिचित बनकर कॉल कर लोगों से पैसों का लेन-देन करने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसा ही एक मामला वारासिवनी क्षेत्र में सामने आया है, जहां एक वारासिवनी के स्थानीय निवासी को उनके बालाघाट के परिचित के नाम से कॉल आया। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को परिचित बताते हुए कहा कि वह किसी जरूरी काम से अचानक इंदौर पहुंचे हैं और उनका फोन-पे और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम काम नहीं कर रहा है। इसके बाद उसने खाते में हजारों रुपए डालने की बात कही। हालांकि बातचीत के दौरान संबंधित व्यक्ति को कुछ संदेह हुआ, जिसके बाद उन्होंने तुरंत अपने वास्तविक परिचित को फोन लगाकर पूरे मामले की पुष्टि की। जांच में सामने आया कि कॉल करने वाला व्यक्ति साइबर ठग था, जो परिचित बनकर ठगी करने की कोशिश कर रहा था। समय रहते सतर्कता बरतने के कारण संबंधित व्यक्ति बड़ी आर्थिक ठगी का शिकार होने से बच गया।

जिले में एक ओर जहां पुलिस और संबंधित विभाग लगातार साइबर अपराधों को लेकर लोगों को जागरूक करने में लगे हुए हैं, वहीं दूसरी ओर साइबर ठग भी अब ठगी के नए-नए तरीके अपनाकर भोले-भाले लोगों को अपना शिकार बनाने में जुटे हुए हैं। पहले जहां साइबर ठग लुभावने विज्ञापन, फर्जी लिंक और ओटीपी हासिल कर लोगों के बैंक खातों तक पहुंचने की कोशिश करते थे, वहीं अब ठगी के तरीके और भी ज्यादा खतरनाक और तकनीकी हो गए हैं। हाल के दिनों में साइबर ठग सरकारी योजनाओं, गैस किश्त, यातायात चालान और अन्य चर्चित मुद्दों से जुड़ी फर्जी एपीके फाइलें बनाकर लोगों के मोबाइल पर सीधे मैसेज भेज रहे हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति इन फाइलों को डाउनलोड करता है, उसका मोबाइल हैक हो जाता है और ठग उसके निजी डाटा, बैंकिंग जानकारी और सोशल मीडिया खातों तक पहुंच बना लेते हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर फेसबुक और इंस्टाग्राम के फर्जी अकाउंट बनाकर भी लोगों को ठगने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। कई बार युवतियों की तस्वीरों का इस्तेमाल कर फर्जी प्रोफाइल तैयार किए जाते हैं और लोगों को जाल में फंसाया जाता है। अब साइबर ठगों ने लोगों का भरोसा जीतने के लिए एक नया तरीका अपनाना शुरू कर दिया है। ठग सीधे फोन कर खुद को परिचित बताकर पहले लोगों के खातों में छोटी रकम भेजते हैं ताकि सामने वाला व्यक्ति उन पर विश्वास कर ले। इसके बाद बड़ी रकम ट्रांसफर करने या किसी तकनीकी समस्या का हवाला देकर बैंकिंग जानकारी हासिल करने की कोशिश की जाती है। कई मामलों में थोड़ी राशि भेजने के बाद लोगों के पूरे बैंक खाते तक खाली कर दिए जाते हैं। ऐसा ही एक मामला हाल ही में वारासिवनी क्षेत्र में सामने आया, जहां एक स्थानीय निवासी साइबर ठगी का शिकार होने से बाल-बाल बच गया। जानकारी के अनुसार वारासिवनी के एक व्यक्ति को उनके बालाघाट के परिचित के नाम से फोन आया। फोन करने वाले ने कहा कि वह बालाघाट में नहीं बल्कि अचानक किसी जरूरी काम से इंदौर पहुंच गया है और वहां उसका यूपीआई एवं फोनपे काम नहीं कर रहा है। उसने बताया कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा बड़ी राशि उनके खाते में डाली जाएगी, जिसे बाद में ट्रांसफर करना होगा। विश्वास जीतने के लिए ठग ने पहले स्थानीय निवासी के खाते में 10 रुपए ट्रांसफर भी कर दिए और कहा कि अब उसके खाते में 51 हजार रुपए डाले जाएंगे। शुरुआत में व्यक्ति को ज्यादा संदेह नहीं हुआ, क्योंकि खाते में राशि वास्तव में आ चुकी थी और फोन करने वाला खुद को परिचित बता रहा था। लेकिन बातचीत के दौरान स्थानीय वारासिवनी निवासी को कुछ संदेह हुआ और उसने समझदारी दिखाते हुए सीधे अपने परिचित को कॉल कर पूरी जानकारी ली। तब पता चला कि उनका परिचित कहीं बाहर नहीं गया है और वह बालाघाट में ही मौजूद है। इसके बाद स्थानीय निवासी ने तुरंत नंबर ब्लॉक कर दिया, जिससे एक बड़ी साइबर ठगी होने से बच गई। जानकारों का कहना है कि साइबर ठग अब लोगों के विश्वास और भावनाओं का फायदा उठाकर अपराध कर रहे हैं। कई बार लोगों के खातों में गलत तरीके से पैसा ट्रांसफर किया जाता है और बाद में वही रकम किसी साइबर अपराध या जालसाजी से जुड़ी निकलती है। ऐसे मामलों में कई बार खाताधारकों के बैंक खाते होल्ड हो जाते हैं और उन्हें कानूनी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। साइबर विशेषज्ञों और पुलिस का कहना है कि किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा भेजी गई एपीके फाइल डाउनलोड न करें, किसी भी लिंक पर बिना जांच क्लिक न करें और यदि कोई परिचित बनकर पैसे या बैंकिंग संबंधी जानकारी मांगे तो पहले उसकी पुष्टि जरूर करें। साथ ही यदि किसी खाते में अचानक संदिग्ध रकम आती है तो तुरंत बैंक और पुलिस को इसकी जानकारी दें। लगातार बदलते साइबर अपराध के तरीकों को देखते हुए अब जिले की जनता को पहले से ज्यादा सतर्क और जागरूक रहने की आवश्यकता है, क्योंकि छोटी सी लापरवाही भी बड़ी आर्थिक और कानूनी परेशानी का कारण बन सकती है।

वर्ष चौबे ने रचा इतिहास, एमपीपीएससी चिकित्सा अधिकारी परीक्षा में प्रदेश में हासिल की 8वीं रैंक

स्वास्थ्य विभाग में सेवाएं देते हुए पाई बड़ी सफलता, जिलेभर में खुशी और गर्व का माहौल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वर्ष चौबे ने मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपीपीएससी) द्वारा आयोजित चिकित्सा अधिकारी भर्ती परीक्षा 2024 में शानदार सफलता हासिल कर बालाघाट जिले का नाम रोशन किया है। 8 मई 2026 को घोषित अंतिम परिणाम में उन्होंने पूरे प्रदेश में 8वीं रैंक प्राप्त की है। उनकी इस उपलब्धि के बाद परिवार, मित्रों, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों और जिलेभर में खुशी का माहौल है।

वर्ष चौबे लंबे समय से स्वास्थ्य विभाग में सक्रिय रूप से अपनी सेवाएं दे रहे हैं। उन्होंने जिला चिकित्सालय बालाघाट में कार्य करते हुए मरीजों की सेवा की और अपनी कार्यशैली, अनुशासन एवं व्यवहार से अलग पहचान बनाई। स्वास्थ्य सेवाओं के दौरान उन्होंने कई चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी जिम्मेदारियों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। बताया जा रहा है कि कुछ माह पूर्व ही उनकी पदस्थापना किरनापुर क्षेत्र में की गई थी, जहां वे स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े दायित्व निभा रहे हैं। एमपीपीएससी चिकित्सा अधिकारी भर्ती परीक्षा प्रदेश की प्रतिष्ठित परीक्षाओं में मानी जाती है, जिसमें चयन के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा रहती है। ऐसे में पूरे प्रदेश में 8वीं रैंक प्राप्त करना वर्ष चौबे की मेहनत, लगन और निरंतर प्रयासों का परिणाम माना जा रहा है। उनकी सफलता के बाद परिजनों में भी उत्साह का माहौल है और इसे वर्षों के संघर्ष और मेहनत का फल बताया जा रहा है। पद्मेश न्यूज से चर्चा करते हुए वर्ष चौबे ने बताया कि उन्होंने हमेशा स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाने का प्रयास किया है। उनके अनुसार मरीजों की सेवा केवल नौकरी नहीं बल्कि जिम्मेदारी और कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य करते हुए उन्हें लोगों की समस्याओं को समझने और जरूरतमंदों की मदद करने का अवसर मिला, जिसने उन्हें और बेहतर कार्य करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य केवल परीक्षा में सफलता प्राप्त करना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं के माध्यम से समाज और जिले के लोगों के लिए बेहतर कार्य करना है। आने वाले समय में भी वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ स्वास्थ्य क्षेत्र में कार्य करना चाहते हैं, ताकि जरूरतमंद मरीजों को बेहतर उपचार और सुविधाएं मिल सकें। वर्ष चौबे की सफलता पर स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। लोगों का कहना है कि उनकी मेहनत और सेवा भावना पहले से ही दिखाई देती थी और अब उनकी उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि लगातार मेहनत करने वालों को सफलता अवश्य मिलती है। उनकी इस उपलब्धि से जिले के युवाओं, विशेषकर स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को भी प्रेरणा मिल रही है। लोग इसे इस बात का उदाहरण मान रहे हैं कि स्पष्ट लक्ष्य और निरंतर मेहनत के दम पर सीमित संसाधनों में भी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है। वर्तमान में वर्ष चौबे की यह उपलब्धि पूरे बालाघाट जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है और लोग इसे जिले के लिए गौरव का क्षण बता रहे हैं।

सड़क हादसे ने बुझाया घर का इकलौता चिराग

साहिल की इलाज के दौरान मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक साहिल पिता गोरीशंकर ठाकरे 25 वर्ष ग्राम मेहदोली थाना रामपायली निवासी है। जिला अस्पताल पुलिस ने इस युवक का शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। मामले में धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर प्रकरण संबंधित थाना वारासिवनी भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार साहिल ठाकरे अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी दो बहनों की शादी हो चुकी है। मां का पहले ही निधन हो चुका है। जबकि पिता लकवा ग्रस्त बताए गए हैं। परिवार की जिम्मेदारी साहिल के कंधों पर थी। बताया गया कि 1 मई की सुबह करीब 6:30 बजे साहिल अपनी मोटरसाइकिल से बहन और जीजा को लेने वारासिवनी रेलवे स्टेशन जा रहा था। इसी दौरान ग्राम सिकंदरा के पास उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने पिलर से टकरा गई। हादसे में साहिल के सिर और मस्तक में गंभीर चोटें आई तथा मोटरसाइकिल भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और घायल साहिल को वारासिवनी अस्पताल में भर्ती कराया। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया। यहां हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर भेज दिया। परिजन साहिल को गोंदिया स्थित जानकी अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां 5 मई को उसके सिर का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के बाद भी उसकी हालत गंभीर बनी रही। आर्थिक तंगी के चलते परिजन 8 मई को साहिल को वापस जिला अस्पताल बालाघाट लेकर आए। जहां उपचार के दौरान 9 मई की शाम करीब 5 बजे उसकी मौत हो गई। 10 मई को जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। युवक की असमय मौत से परिवार और गांव में शोक का माहौल है।

उच्च न्यायालय के आदेश का नहीं हो रहा पालन, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में आक्रोश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं ने राज्य सरकार पर माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा जारी आदेशों की अनदेखी करने का आरोप लगाया है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि वर्ष 2018 में विधानसभा चुनाव के दौरान सरकार द्वारा मानदेय बढ़ाने की घोषणा की गई थी। इसके बाद अक्टूबर 2018 में मानदेय वृद्धि लागू भी की गई, लेकिन बाद में राज्य सरकार द्वारा नए आदेश जारी कर पूर्व निर्धारित राशि के अनुसार ही भुगतान किए जाने लगे। आरोप है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को निर्धारित बढ़े हुए मानदेय के स्थान पर कम राशि का भुगतान किया जा रहा है। इस मामले को लेकर विभिन्न संगठनों द्वारा न्यायालय की शरण ली गई थी। बताया गया कि माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर ने वर्ष 2018 से 2023 तक के बकाया भुगतान को लेकर आदेश जारी किए थे, लेकिन अब तक उसका पूर्ण पालन नहीं हुआ है। कार्यकर्ताओं का कहना है कि कई महीनों से बकाया भुगतान लंबित है, जिससे आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उनका आरोप है कि सरकार मेहनतकश कर्मचारियों के साथ अन्याय कर रही है और उन्हें केवल आश्वासन देकर गुमराह किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि समाज में जाति, धर्म और गुटबाजी के नाम पर लोगों को बांटकर कर्मचारियों की एकता कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि उच्च न्यायालय के आदेश का सम्मान करते हुए तत्काल बकाया राशि का भुगतान किया जाए तथा मानदेय वृद्धि संबंधी आदेशों को पूरी तरह लागू किया जाए ताकि उन्हें आर्थिक व आर्थिक व मानसिक परेशानियों से मुक्ति मिल सके।

मूलभूत समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरेगी आप, बनाई आंदोलन की रणनीति

आप पार्टी की बैठक में संगठन विस्तार और स्थानीय मुद्दों को लेकर हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। आम आदमी पार्टी की संगठन विस्तार को लेकर रविवार को शहर के बस स्टैण्ड स्थित सार्वजनिक धर्मशाला में जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। इसमें विधानसभा विंग, ब्लॉक स्तरीय समिति व पंचायत स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। बैठक में स्थानीय मुद्दों को लेकर भी चर्चा की गई। इसमें प्रमुख रूप से स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली पानी की समस्या को लेकर आप पार्टी द्वारा आम जनता के साथ सडक पर उतरकर आंदोलन किए जाने की रणनीति बनाई गई। आयोजित बैठक के दौरान स्टेट कोऑर्डिनेटर रजनीश नायडू, प्रदेश उपाध्यक्ष बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ शरद जैन, प्रदेश उपाध्यक्ष मजदूर विंग हीरालाल पांचे, जिला सचिव अनिल ब्रम्हे, जिला उपाध्यक्ष सादिक कुरैशी, सुरेश सिंह कारे, शैलेंद्र श्रीवास्तव, गोरेलाल राहंगडाले, दिलीप बराडे, योगराज ठाकरे, दीपक राहंगडाले, दयाराम दमाहे, जिलासचिव देवानंद विश्वकर्मा, विकास गेडाम, स.सचिव ऊदेलाल चौधरी, प्रवीण चौहान, रोशनी तुरकर/संदीप तुरकर, मजदूर विंग दिनेश बघेले, शिक्षाविंग ओमप्रकाश जायसवाल, मजदूर विंग मनोज चौहान, सचिव शिक्षाविंग ज्ञानेश राणा, आरटीआई विंग मोहन राऊत, मीडिया प्रभारी महेंद्र गनवीर, लेबरविंग रमेश लिल्हारे, शैलेन्द्र गड़पाले चंदन लिल्हारे विकास लिल्हारे, विजय नागदेवे, नगेंद्र पवार, श्याम हुड्डमारे, राजकुमार मसकरे, दिनेश चौधरी, मोहित मात्रे और चंदनलाल लिल्हारे सहित अन्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

मूलभूत समस्याओं को लेकर सड़क पर उतरकर करेंगे आंदोलन- शिव

पार्टी जिलाध्यक्ष शिव जायसवाल व ग्रामीण अध्यक्ष मस्तराम डहारे ने कहा कि जिले में आप पार्टी के संगठन का जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विस्तार किया जाएगा। पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ जाकर सभी विंगों का गठन किया जाएगा। इसमें विधानसभा, ब्लॉक स्तर व पंचायत समिति का गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिले में स्वास्थ्य व्यवस्था डगमगा गई है। अस्पतालों में डॉक्टरों का अभाव है। स्वास्थ्य केन्द्रों में डिलेवरी के समय डॉक्टर उपलब्ध नहीं हो पाते है। डिलेवरी व ऑपरेशन निःशुल्क होना चाहिए लेकिन प्रसव के लिए पैसे का लेन-देन किया जाता है। जिले में शासकीय स्कूलें बंद हो रही है। जिससे गरीब मजदूरों के बच्चे निजी स्कूलों में पढ़ाने को मजबूर है। सरकार बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने में अक्षम साबित हो रही है। इसके अलावा ग्रामीण आदिवासी अंचलों में लोगों को स्वच्छ पेयजल नहीं मिल रहा है। आज भी ग्रामीण नालों का गंदा पानी पीने को मजबूर है। वहीं बिजली भी पर्याप्त नहीं मिल पा रही है। इससे किसान सिंचाई को लेकर परेशान है। सरकार इन गंभीर समस्याओं की ओर ध्यान नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि इन मूलभूत सुविधाओं का लाभ व स्थानीय समस्याओं का शासन-प्रशासन द्वारा शीघ्र निराकरण नहीं किया जाता है तो आम आदमी पार्टी आमजनता के साथ सडक पर उतरकर आंदोलन करेगी।

उधारी के 500 रुपये न देने पर कुल्हाड़ी की मूठ से हमला-पति को बचाने आई पत्नी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र के ग्राम बाहकल के बैगा टोला में उधारी के 500 रुपये वापस न करने पर एक व्यक्ति को हाथ-मुक्कों और कुल्हाड़ी की मूठ से हमला कर घायल कर दिया गया। घायल प्रदीप मेरावी कुंवर सिंह मेरावी 32 वर्ष का बिरसा अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी कृष्णा धुर्वे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बाहकल बैगा टोला निवासी प्रदीप मेरावी मजदूरी करता है। उसने गांव के ही कृष्णा धुर्वे से 500 रुपये उधार लिए थे। 8 मई की रात करीब 9:30 बजे प्रदीप अपनी पत्नी समली के साथ गांव की भोले की दुकान से सामान लेकर घर लौट रहा था। जैसे ही दोनों स्कूल के सामने पहुंचे वहां कृष्णा धुर्वे मिल गया और उधारी के 500 रुपये मांगने लगा। प्रदीप ने कहा दो-चार दिन में पैसे वापस कर दूंगा। इसी बात पर कृष्णा गाली-गलौज करने लगा। प्रदीप के मना करने पर कृष्णा धुर्वे ने हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी और हाथ में रखी कुल्हाड़ी की मूठ से सिर पर वार कर दिया। हमले में प्रदीप के सिर में चोट आई। बीच-बचाव करने आई पत्नी समली ने पति को छुड़ाया। जाते-जाते कृष्णा धुर्वे ने 500 रुपये वापस नहीं करने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। घायल प्रदीप पत्नी के साथ मलाजखंड थाने पहुंचा। पुलिस ने उसे तत्काल बिरसा अस्पताल में भर्ती कराया। प्रदीप की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी कृष्णा धुर्वे के खिलाफ गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नुकीली गिट्टियां और झाड़ियों का कब्जा, हिंसक जानवरों के डर के साये में आवागमन करने को मजबूर ग्रामीण

टेकाड़ी ला. से सर्राटी जलाशय और विश्राम गृह पहुंच मार्ग बना मुसीबत का रास्ता, राहगीर और ग्रामीण परेशान

सड़क का निर्माण एवं झाड़ियों की जल्द सफाई करवाने की राहगीर एवं ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से की मांग

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 6 किमी. की दूरी पर स्थित टेकाड़ी ला. से सर्राटी जलाशय एवं विश्राम गृह (रेस्ट हाउस) को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग वर्तमान में अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। विकास के दावों के बीच यह सड़क पूरी तरह से उखड़ चुकी है, जिससे न केवल किसानों का कृषि कार्य प्रभावित हो रहा है, बल्कि जलाशय एवं सोनेवानी अभ्यारण केन्द्र घूमने जाने वाले पर्यटकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही सड़क के दोनों साइड की झाड़ियों के कारण भी आवागमन में परेशानी होती है एवं उनके अंदर हिंसक वन्य प्राणियों के छुपे रहने का भी डर बना रहता है। साथ ही सड़क खराब होने एवं झाडियों के कारण हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन इस समस्या की ओर जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीण एवं पर्यटकों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

उभरी नुकीली गिट्टियां और गहरे गड्डे

आपकों बता दे कि टेकाड़ी ला. से सर्राटी जलाशय और विश्राम गृह (रेस्ट हाउस) पहुंच मार्ग का विगत वर्ष पूर्व निर्माण किया गया है उसके बाद से किसी भी प्रकार कर मरम्मत कार्य नही करवाया गया है और वर्तमान में सड़क की ऊपरी सतह पूरी तरह गायब हो चुकी है । जिसके कारण अब मार्ग पर सिर्फ नुकीली गिट्टियां और बड़े-बड़े गड्ढे ही शेष बचे हैं। इस तरह से सड़क पूरी तरह से खराब हो चुकी है। जिसके कारण इस मार्ग से गुजरने वाले दुपहिया, चौपहिया वाहन चालकों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जबकि यह मार्ग सर्राटी जलाशय एवं सोनेवानी अभ्यारण केन्द्र की ओर जाती है और बड़ी संख्या में पर्यटक भी इसी मार्ग से आवागमन करते है। वहीं सड़क की दुर्दशा यहीं खत्म नहीं होती। मार्ग के दोनों ओर उगी घनी और ऊंची झाड़ियों ने रास्ते को संकरा कर दिया है। झाड़ियों के कारण सामने से आने वाले वाहन दिखाई नहीं देते, जिससे टकराने का भय बना रहता है। साथ ही ये झाड़ियां हिंसक जानवरों के छिपने के लिए सुरक्षित स्थान बन गई हैं, जिससे शाम ढलते ही यहां से गुजरना जानलेवा साबित हो सकता है। राहगीरों का कहना है कि ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चलना किसी जोखिम से कम नहीं है, जिससे आये दिन लोग चोटिल हो रहे हैं।

किसानों और पर्यटकों की बढ़ी मुश्किलें

यह मार्ग क्षेत के सैकड़ों किसानों के लिए जीवन रेखा है। वर्तमान में किसान अपने कृषि यंत्रों (ट्रैक्टर, थ्रेशर आदि) के साथ इसी मार्ग से खेतों तक पहुंचते हैं, लेकिन खराब सड़क के कारण मशीनों में तकनीकी खराबी आ रही है। साथ ही सर्राटी जलाशय की प्राकृतिक सुंदरता देखने आने वाले पर्यटकों की संख्या में भी मार्ग की बदहाली के कारण कम लोग पहुंच पा रहे है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार शासन-प्रशासन और संबंधित विभाग को अवगत करवा दिया गया है। लेकिन अब तक स्थिति जस की तस बनी हुई है। जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के चलते ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

सड़क खराब होने से आवागमन में हो रही परेशानी - भीवराम

भीवराम साहू ने बताया कि यह मार्ग टेकाड़ी ला. से सोनेवानी वन्यजीव अनुभव क्षेत्र की ओर जाती है और इस मार्ग से रोजाना पर्यटक, किसान एवं ग्रामीणजन आवागमन करते है। लेकिन सड़क खराब होने एवं बड़ी-बड़ी नुकीली गिट्टियां उभर कर आ चुकी है जिससे आये दिन वाहन खराब होते हैं। साथ ही मार्ग के दोनों ओर बड़ी-बड़ी झाड़ियां हो चुकी है जिससे जंगली हिंसक जानवरों का खतरा भी बढ़ गया है। लेकिन इस समस्या की ओर जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, जिससे लोगों में प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। श्री साहू ने बताया कि जब से मार्ग बना है उसके बाद किसी प्रकार का मरम्मत कार्य नही करवाया गया है। जिस कारण से सड़क दिन-ब-दिन और बाद से बदतर होते जा रहा है। शासन-प्रशासन से मांग है कि जल्द टेकाड़ी ला. से सर्राटी जलाशय, विश्रामगृह पहुंच मार्ग का निर्माण एवं झाड़ियों की सफाई करवाये ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

जनपद पंचायत कार्यालय के समीप एवं बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन के सामने लगा गंदगी का अंबार

कचरे के ढेर एवं गंदगी से आने-जाने वाले एवं निवासरत लोगों को हो रही परेशानी, जिम्मेदार मौन, सफाई करवाने की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के जनपद पंचायत कार्यालय के समीप एवं शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन के सामने के कुड़ा-करकट एवं गंदगी की लंबे समय से साफ-सफाई नही की गई है। वहीं कुछ लोग उसी स्थान पर पॉलीथिन व कचरा जमा कर रहे है जिसके कारण गंदगी का अंबार लगा हुआ है। साथ ही मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ रहा है, ऐसी स्थिति में आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं निवासरत लोगों को भी गंदगी होने के कारण विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर सता रहा है। लेकिन इस गंदगी की साफ-सफाई की ओर प्रशासन के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। जबकि रोजाना जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी एवं पंचायत के सरपंच-सचिव भी उसी स्थान से जनपद पंचायत कार्यालय पहुंच रहे है लेकिन उन्हे भी यह गंदगी दिखाई नही दे रही है जिसके कारण लोगों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। जबकि शासन के द्वारा स्वच्छता अभियान को लेकर विभिन्न कार्यक्रम चलाये जाते है जिसका क्रियान्वयन जनपद पंचायत कार्यालय से ही होता है। लेकिन उसी कार्यालय के समीप कुड़ा-करकट के साथ ही गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जिम्मेदारों के द्वारा ही इस स्वच्छता अभियान को पलीता लगाया जा रहा है। जबकि जनपद पंचायत व शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन के सामने से रोजाना क्षेत्रीयजन, निवासरत लोग व जिम्मेदार जनप्रतिनिधि, अधिकारी भी आना-जाना करते है। लेकिन इस गंदगी की सफाई करने की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जो समझ से परे लग रहा है। वहीं जागरूक नागरिकों का कहना है कि जनपद पंचायत कार्यालय से ही स्वच्छता अभियान सहित अन्य अभियान एवं योजनाओं का क्रियान्वयन होता है और लोगों को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से अपने आस-पास स्वच्छता बनाये रखने एवं लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की बात कही जाती है। लेकिन उसी जनपद पंचायत कार्यालय के समीप, सामुदायिक भवन के सामने कचरे का ढेर एवं गंदगी का अंबार लगा हुआ है जिसकी साफ-सफाई की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। साथ ही कचरे व पॉलीथिन रोड़ में उड़कर आ रहे है और गंदी दुर्गंध आने से आने-जाने वालों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है एवं विभिन्न प्रकार की बीमारी होने का डर सता रहा है। इसलिए जनपद प्रशासन से मांग है कि जनपद कार्यालय के समीप, शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन के सामने फैले कचरे एवं गंदगी की जल्द साफ-सफाई करवाये ताकि कार्यालय के समीप स्वच्छता बने रह सके।

थाने के पीछे से अज्ञात चोरों ने बाइक और नगदी चोरी कर हुए फरार

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। पुलिस थाने से महज 100 मीटर की दूरी पर अज्ञात चोरों ने चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम देकर पुलिस की गश्ती को चुनौती दी है। शनिवार और रविवार की दरमियानी रात खाद गोदाम के समीप ग्राम पंचायत अमोली (वार्ड नंबर 20) में चोरों ने एक मकान के बाउण्ड्रीवाल दीवार के अंदर खड़ी हीरो हौंडा स्पलेंडर प्लस मोटरसाइकिल चोरी कर ली और साथ ही एक सूने कमरे का ताला तोड़कर नगदी पर हाथ साफ कर देने की जानकारी भी सामने आई है। जिससे आसपास के मकान में निवासरत लोगों एवं रहवासी क्षेत्र में दहशत का माहौल निर्मित हो गया है। वहीं अज्ञात चोरों ने थाने के पीछे 100 मीटर की दुरी में चोरी की वारदात को अंजाम दिये है। इस चोरी की वारदात से प्रायवेट जॉब करने वाले युवक को हजारों रूपये का नुकसान हुआ है। पुलिस ने प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

बाउंड्रीवाल के अंदर से ले उड़े बाइक

प्राप्त जानकारी के अनुसार मूलतः रामपायली निवासी तुषार हनवत लालबर्रा में प्रायवेट जॉब करता है और थाने के पीछे एक किराये के मकान में तीसरी मंजिल पर रहता हैं। शनिवार शाम ड्यूटी से लौटने के बाद उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल मकान की बाउंड्रीवाल के अंदर खड़ी की थी। जहां मकान मालिक की भी अन्य गाड़ियां खड़ी थी। सुबह जब तुषार की नींद खुली, तो उन्होंने देखा कि उनकी बाइक वहां से गायब है। वहीं चोरों ने न सिर्फ बाइक चोरी की, बल्कि उसी परिसर में नीचे के कमरे में रहने वाले पटवारी के सूने कमरे का ताला भी तोड़ दिया। बताया जा रहा है कि चोरों ने कमरे के अंदर से करीब 20 से 25 हजार रूपये की नगदी चोरी कर ली है। वारदात के समय मकान मालिक दूसरी मंजिल पर और तुषार तीसरी मंजिल पर सो रहे थे। इस तरह से अज्ञात चोरों ने श्री हनवत की मोटरसाइकिल चोरी कर फरार हो गये। वहीं थाने से मात्र 100 मीटर की दूरी पर स्थित रहवासी इलाके में हुई इस वारदात से स्थानीय नागरिकों में भारी आक्रोश और भय व्याप्त है। लोगों का कहना है कि चोरों के मन में पुलिस का खौफ खत्म हो चुका हैं। पीडित एवं मकान मालिक ने पुलिस प्रशासन से अज्ञात चोरों को जल्द गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने की मांग की है। पीड़ित तुषार हनवत ने बताया कि शनिवार को शाम के बाद काम से वापस लौटकर मोटरसाइकिल को मकान के अंदर खडी कर दिया था एवं रात 10 बजे मोटरसाइकिल को देखा तो खड़ी थी। सुबह जब देखा तो मोटरसाइकिल नही दिखाई दी। जिसके बाद मकान मालिक को जानकारी देकर आसपास पतासाजी किये परन्तु कही कुछ पता नही चला। इस तरह से अज्ञात चोरों ने बाउण्ड्रीवाल दीवार के अंदर घुसकर हीरो हौंडा स्पलेंडर मोटरसाइकिल चोरी कर फरार हो गये है जिससे हजारों रूपये का नुकसान हुआ है। पुलिस प्रशासन से मांग है कि अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें।

लालबर्रा पुलिस और बजरंग दल, विश्व हिन्दु परिषद की बड़ी कार्यवाही

48 नग मवेशियों को भेजा गया गौशाला वारासिवनी, पुलिस मामले की कर रही जांच

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र में मवेशी तस्करी के खिलाफ पुलिस और बजरंग दल एवं विश्व हिन्दु परिषद के कार्यकर्ताओं ने संयुक्त रूप से बड़ी सफलता हासिल की है। बीती रात लालबर्रा थाना क्षेत्र से तस्करी कर महाराष्ट्र के कत्लखाने ले जाये जा रहे 48 मवेशियों को सुरक्षित मुक्त करवाया गया। इस कार्यवाही में पुलिस ने 6 पिकअप वाहनों को जब्त किया है और चालकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं सभी 6 पिकअप वाहन महाराष्ट्र रा य के बताये जा रहे हैं। साथ ही सभी 48 नग मवेशियों को गौशाला वारासिवनी भेज दिया गया है। वहीं पुलिस ने पशुक्रूरता अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मुखबिर की सूचना पर घेराबंदी

प्राप्त जानकारी के अनुसार बजरंग दल एवं विश्व हिन्दु परिषद के कार्यकर्ताओं को बीती रात्रि में मूखबिरों से सूचना मिली थी कि बड़ी संख्या में गौ-वंश को क्रूरतापूर्वक वाहनों में भरकर और कुछ को पैदल खदेड़ते हुए महाराष्ट्र की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही बजरंग दल, विश्व हिन्दु परिषद के कार्यकर्ता सक्रिय हुए और सिवनी मार्ग स्थित आमाटोला पहुंचे। जिसके बाद देर रात जब संदिग्ध वाहन वहां से गुजरे तो उन्होने उन्हें रोककर तलाशी की। तलाशी के दौरान 6 पिकअप वाहनों में 27 नग मवेशी ठूस-ठूस कर भरे हुए पाये गये। जबकि 21 मवेशियों को तस्कर पैदल खदेड़कर ले जा रहे थे। जिसके बाद घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। वहीं बड़ी संख्या में मवेशियों को कत्लखाने ले जाने की जानकारी लगने पर थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिसकर्मी घटना स्थल पहुंचे और सभी 6 पिकअप वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया। साथ ही पुलिस ने मौके से 6 पिकअप वाहन के चालकों को अभिरक्षा में ले लिया है। जिसके बाद मवेशी एवं पिकअप वाहनों को लालबर्रा थाना लाया गया जहां आवश्यक कार्यवाही करने के बाद पकड़ गये 48 नग मवेशियों को रविवार को सुबह गौशाला वारासिवनी भेज दिया गया है। वहीं पुलिस ने 6 वाहनों को जप्त कर चालकों से पूछताछ कर रही है कि इस तस्करी का मुख्य आरोपी कौन है, इस तस्करी के तार और कहां-कहां जुड़े है। इस तरह से बजरंग दल, विश्व हिन्दु परिषद के कार्यकर्ता एवं पुलिस की तत्परता से 48 नग मवेशी महाराष्ट्र कत्लखाना जाने से बच गये। वहीं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं का कहना है कि क्षेत्र में अवैध मवेशी तस्करी किसी भी तरह से बर्दाश्त नहीं की जायेगी। फिलहाल पुलिस इस पूरे नेटवर्क को खंगालने में जुटी है, पुलिस प्रशासन से मांग है कि इस कार्य में संलिप्त मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें।

आरोपियों पर कठोर कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - विनीत

विनीतकुमार संचेती ने बताया कि गौवंश तस्करी की जानकारी मिलने पर गौ सेवक एवं विश्व हिंदू परिषद के द्वारा संयुक्त रूप से थाना प्रभारी महोदय को जानकारी देकर आमाटोला पहुंचकर कार्यवाही की गई। जहां से 6 पिकअप वाहन एवं पैदल चल रहे 48 नग मवेशी पाये गये जिन्हे गौशाला वारासिवनी भेज दिय गया है एवं 6 पिकअप वाहन को जप्त कर चालकों को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की जा रही है। श्री संचेती ने बताया कि प्रतिदिन इस तरह के गौवंश की तस्करी की घटनाएं हो रही है, पुलिस प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है, जानकारी मिलने पर यह कर्यवाही हो पाई है। साथ ही जो गौवंश को कत्लखाना जाने से बचाया गया है जिसमें कुछ बूढ़े एवं कमजोर मवेशी है जो कृषि कार्य में उपयोग नही हो सकते है। इसलिए पुलिस प्रशासन से मांग है आरोपियों पर कठोर कार्यवाही करें।

मामले की जांच की जा रही है - थाना प्रभारी

थाना प्रभारी सुनील चतुर्वेदी ने बताया कि शनिवार एवं रविवार की दरमियानी रात्रि में गस्त अधिकारी के माध्यम से जानकारी मिली कि कुछ वाहनों में क्रूरता पूर्वक गौवंश को भरकर तस्करी की जा रही है। जिसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को देकर उनके मार्गदर्शन में देर रात्रि कार्यवाही की गई जिसमें 6 पिकअप वाहनों को बरामद किया है। जिसमें 27 नग मवेशी (बैल) थे और पैदल खदेडते हुए जा रहे 21 नग, इस तरह से 48 नग मवेशी को पकड़कर उन्हे गौशाला वारासिवनी भेज दिया गया है। श्री चतुर्वेदी ने बताया कि गौवंश अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द कर मामले की जांच की जा रही है।

हादसों को न्योता दे रहे गहरे गड्ढे और जर्जर पुलिया

वारासिवनी लालबर्रा को जोड़ने वाला सरंडी बाईपास बदहाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सरंडी का मुख्य मार्ग इन दिनों राहगीरों और ग्रामीणों के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है। वारासिवनी से लालबर्रा विकासखंड को जोड़ने वाला यह शॉर्टकट मार्ग अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। करीब १ किलोमीटर लंबा यह मार्ग वर्तमान में पूरी तरह से जर्जर हो चुका है। जिससे ना केवल आवागमन प्रभावित हो रहा है बल्कि आए दिन दुर्घटनाएं भी हो रही हैं।

शादी के सीजन में बड़ा ट्रैफिक जान जोखिम में डाल रहे राहगीर

यह मार्ग कटंगी रोड को सीधे लालबर्रा के नेवरगांव से जोड़ता है। कम दूरी होने के कारण वारासिवनी और लालबर्रा के बीच आने जाने वाले लोग इसी मार्ग को प्राथमिकता देते हैं। वर्तमान में विवाह आयोजनों का दौर होने के कारण इस बाईपास मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव काफी बढ़ गया है। मार्ग पर गिट्टी उखड़ चुकी है और बडे.बड़े नुकीले पत्थर बाहर निकल आए हैं, जिससे दोपहिया वाहन चालक फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। सड़क की बदहाली के साथ साथ इस मार्ग पर स्थित एक छोटी पुलिया भी बड़ी समस्या बनी हुई है। पुलिया ना केवल संकरी है बल्कि क्षतिग्रस्त भी हो चुकी है। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में यहाँ कई गंभीर सड़क हादसे हो चुके हैं लेकिन प्रशासन ने इससे अब तक कोई सबक नहीं लिया है। इस मार्ग की अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यहाँ आसपास के क्षेत्र में ५०० एकड़ से अधिक कृषि भूमि स्थित है। बारिश के दिनों में यह सड़क चलने लायक नहीं बचती। पूरा मार्ग दलदल में तब्दील हो जाता है जिससे किसानों को अपनी उपज लाने ले जाने में भारी समस्या होती है। बरसात के चार महीनों में यहाँ

का आवागमन लगभग ठप पड़ जाता है। ग्राम पंचायत सरंडी के द्वारा इस मार्ग के पुनर्निर्माण के लिए जिला पंचायत और संबंधित विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है। बावजूद इसके जिम्मेदार अधिकारियों ने अब तक इस समस्या की सुध नहीं ली है। शासन प्रशासन की इस अनदेखी के कारण ग्रामीणों और राहगीरों में भारी आक्रोश व्याप्त है। क्षेत्रवासियों और राहगीरों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि वर्षा ऋतु प्रारंभ होने से पूर्व इस १ किलोमीटर के मार्ग और क्षतिग्रस्त पुलिया का निर्माण कार्य प्राथमिकता से कराया जाए । ताकि किसी बड़ी जनहानि को रोका जा सके और किसानों व आम जनता को सुगम मार्ग मिल सके।

इस मार्ग पर काफी व्यस्त यातायात बना रहता है-नरेंद्र सिंह राणा

राहगीर नरेंद्र सिंह राणा ने बताया कि बहुत कठिनाई इस मार्ग पर है सभी रोडो का विकास हो गया है केवल यह एक रोड़ सावंगी से सरंडी के बीच बची है। इस सड़क का महत्व इसलिए है कि यह आगे वारासिवनी लालबर्रा मार्ग को जोड़ती है। इसमें एक छोटा सा पुलिया है जो दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। तीन बार वाहन गिर चुके हैं मुश्किल से ९०० मीटर का रोड़ है यह दो पंचायत तो सहित विभिन्न ग्रामों को जोड़ता है। इस मार्ग पर काफी व्यस्त यातायात रहता है इसे जल्द निर्माण की जरूरत है।

मार्ग को बनाने कोई व्यवस्था वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा नहीं की गई-रवि गौतम

ग्रामीण रवि गौतम ने बताया कि यह सरंडी से सावंगी जोड़ने वाला मार्ग है इसमें बहुत ज्यादा तकलीफपिछले १० वर्षों से बनी हुई है। क्योंकि मार्ग का कई वर्षों से निर्माण नहीं हुआ है इस पंचायत के द्वारा भी बनाने का प्रयास किया गया किंतु अभी तक कोई व्यवस्था वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा नहीं की गई। इस कारण अभी तक इसका निर्माण नहीं हुआ है हमारी मांग है कि जल्द यह बने। बीच में एक पुलिया है उसका भी निर्माण होना चाहिए क्योंकि यहां से जो आवक जावक होती है उसमें बहुत समस्या होती है दुर्घटनाएं होती रहती है। विवाह का दौर चल रहा है अधिकांश लोग शॉर्टकट मार्ग ढूंढते हैं मनरेगा में कुछ ऐसा नहीं है कि इस निर्माण किया जा सके। जिस कारण से मार्ग में बहुत ज्यादा गड्ढे और नुकीले पत्थर बाहर निकले हैं।

रोड़ नही बनना किसानों के लिये सबसे बड़ी समस्या है-बंटी गौतम

राहगीर बंटी गौतम ने बताया कि वारासिवनी ब्लॉक के कटंगी रोड़ से लालबर्रा ब्लॉक को जोड़ने वाला यह शॉर्टकट मार्ग है। जो लंबी दूरी हमारी बचाता है डायरेक्ट कनेक्टिविटी है इस मार्ग पर करीब ५०० एकड़ से ज्यादा खेती स्थित है। जहां पर किसानों की सबसे बड़ी समस्या यही मार्ग है बरसात में यह रोड़ बंद हो जाता है दलदल जैसी स्थिति हो जाती है। चल नहीं पाते हैं छोटा सा पुलिया है कई वर्षों से इस सड़क का जीर्णोद्धार नहीं हुआ है पंचायत लगातार कोशिश कर रही है पर कुछ मिल नहीं रहा है। क्योंकि अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं काफी दिक्कत बनी हुई है यह मार्ग बन जाता है तो बहुत अच्छा होगा सभी को सुविधा होगी।

सूदखोरी के जालसाज सुनील अरोरा को न्यायालय ने भेजा जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। क्षेत्र में अवैध रूप से सूदखोरी का काला कारोबार करने वाले एक बड़े गिरोह के विरुद्ध वारासिवनी पुलिस ने निर्णायक कार्यवाही की है। पुलिस ने इस नेटवर्क के मुख्य सरगना सुनील अरोरा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से दस्तावेजों का भारी जखीरा बरामद किया है। पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद ९ मई को आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया जहाँ से उसे जेल भेज दिया गया है।

मजबूरी का सौदा ५ से १० प्रतिशत ब्याज का जानलेवा जाल

पुलिस जांच में आरोपी की खतरनाक कार्यप्रणाली का खुलासा हुआ है। सुनील अरोरा ४५ वर्ष निवासी वार्ड नं. ७ लालबर्रा रोड़ सुनियोजित तरीके से मजबूर लोगों को अपना निशाना बनाता था। वह जरूरतमंदों को ५ से १० प्रतिशत जैसी अत्यधिक ऊंची मासिक ब्याज दरों पर कर्ज देता था। जब पीडित कर्ज के बोझ तले दब जाता तो आरोपी उसे डरा धमकाकर मानसिक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर देता था। आरोपी केवल ब्याज तक सीमित नहीं था वह पीड़ितों की मजबूरी का फायदा उठाकर सुरक्षा के नाम पर उनके पासवर्ड सहित एटीएम कार्ड, हस्ताक्षरित कोरे चेक और कोरे स्टांप पेपर, जमीन की रजिस्ट्री जैसे मूल दस्तावेज अवैध रूप से अपने पास रख लेता था। कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग करते हुए वह इन चेकों को बैंक में डालकर चेक बाउंस के झूठे मुकदमे दर्ज कराता था। इस कानूनी दबाव में आकर कई लोग अपनी कीमती जमीनें कौड़ियों के दाम बेचने को मजबूर हो गए जिसकी राशि भी आरोपी हड़प लेता था।

छापेमारी में जब्त हुआ दस्तावेजों का अंबार

पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आरोपी के पास से बरामद सामग्री उसके अवैध साम्राज्य की गवाही दे रही है। पुलिस ने १५३ नग ब्लैंक चेक हस्ताक्षरित, १५ नग ऋण पुस्तिका और १५ नग जमीन की रजिस्ट्री, २२ नग कोरे स्टांप पेपर और ७ नग हस्ताक्षरयुक्त कोरे कागज जाति प्रमाण पत्र, दस्तावेज रेडाक्टेडए एटीएम कार्ड और एलआईसी बॉन्ड २ मोबाइल फोन और एक चार पहिया वाहन जप्त किया हैं।

कानूनी शिकंजा और जेल की सलाखें

वारासिवनी पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक १८३/२६ के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा ३०८ ५, ३१६.२ एवं म.प्र. ऋणियों का संरक्षण अधिनियम १९३७ की धारा ३/४ के अंतर्गत मामला दर्ज किया है। ८ मई को पुलिस रिमांड पर लिए गए आरोपी से गहन पूछताछ के बाद ९ मई को वारासिवनी न्यायालय ने उसे जेल भेज दिया। प्रशासन ने क्षेत्र की जनता से अपील की है कि यदि कोई अन्य व्यक्ति भी इस सुदखोर के उत्पीड़न का शिकार हुआ है तो वह बिना डरे पुलिस के पास आकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। पुलिस इस मामले में अभी और भी बड़े खुलासे होने की उम्मीद जता रही है।

करोड़ों की खैर लकड़ी तस्करी में ड्रायवर अब भी गिरफ्त से दूर

वन विभाग की सुस्त कार्यवाही पर उठे सवाल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य की गिरफ्तारी के बाद भी सिंडिकेट का जाल नहीं टूटा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी वन परिक्षेत्र में खैर की बेसकीमती लकड़ीयों की तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ हुआ है। हालांकि घटना के महीनों बीत जाने के बाद भी वन विभाग की जांच की रफ्तार और मुख्य आरोपियों तक पहुँचने की इच्छाशक्ति पर अब गंभीर सवालिया निशान लग रहे हैं। विभाग ने एक १४ चक्का ट्रक और भारी मात्रा में अवैध लकड़ी तो बरामद की लेकिन इस सिंडिकेट की पूरी कड़ीयाँ अभी भी बिखरी हुई हैं।

राजनीतिक गलियारों तक पहुँचे तस्करी के तार

इस मामले में सबसे चौंकाने वाला खुलासा तब हुआ जब सूची में १० वें आरोपी राकेश पिता शिवलाल डहरवाल का नाम सामने आया। राकेश डहरवाल ना केवल पूर्व जिला पंचायत सदस्य है, बल्कि वन सभापति जैसे महत्वपूर्ण पद पर भी रह चुका है। वन विभाग ने उसे लंबी खींचतान के बाद २९ अप्रैल को गिरफ्तार तो कर लिया लेकिन विभाग इस रसूखदार आरोपी से सिंडिकेट के अन्य बड़े नामों का खुलासा करवाने में अब तक नाकाम रहा है।

आरोपियों की स्थिति

वन विभाग के द्वारा जारी आधिकारिक पत्र अप.क्र. १२७७३/२० के अनुसार इस मामले में कुल ११ लोगों को नामजद किया गया है। कुल १० आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं एक आरोपी इमरान जो उत्तर प्रदेश का निवासी है और ट्रक का ड्राइवर बताया जा रहा है। वह अभी भी पुलिस और वन विभाग की पकड़ से बाहर है। तस्करी का यह जाल उत्तर प्रदेश से लेकर मध्य प्रदेश के बालाघाट तक फैला हुआ है। वन विभाग अब तक की जांच में स्थानीय और बाहरी तस्करों के एक मजबूत सांठगांठ का खुलासा नहीं कर पाई हैं।

इन धाराओं के तहत दर्ज है मामला

पकड़े गए आरोपियों पर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम १९७२ संशोधित २०२२ की धारा २,९,३९,५०,५१,५२,५७ भारतीय वन अधिनियम १९२७ की धारा ३३ क,६६ क,६९ म.प्र. अभिवहन वनोपज नियम २०२२ का नियम ३ के तहत किया है। मामले में १४ चक्का ट्रक की बरामदगी और एक पूर्व जन.प्रतिनिधि की गिरफ्तारी यह दर्शाती है कि यह कोई छिटपुट चोरी नहीं बल्कि अंतरर्राज्यीय सिंडिकेट का काम है। उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के बीच फैले इस नेटवर्क के मुख्य सरगना अभी भी पर्दे के पीछे हैं। जब १० आरोपी पकड़े जा चुके है तो ड्राइवर आरोपी नंबर ११ का अब तक फरार रहना विभाग की इंटेलिजेंस पर सवाल खड़ा करता है।

बहुउपयोगी है खैर की लकड़ी

खैर की लकड़ी जो पान मसाला और औषधीय उपयोग के कारण काला सोना कही जाती है। उसकी तस्करी ने बालाघाट के जंगलों को खोखला कर दिया है। अब देखना यह है कि क्या वारासिवनी वन विभाग इस पूरे सिंडिकेट की तह तक जाकर असली चेहरों को बेनकाब करता है। या यह मामला केवल छोटे मोहरों की गिरफ्तारी तक ही सिमट कर रह जाएगा।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि खैर की लकड़ी तस्करी के मामले में ११ आरोपी थे। जिसमें १० आरोपी गिरफ्तार कर लिए गए हैं। इसमें २९ अप्रैल को प्रकरण का एक आरोपी राकेश डहरवाल गिरफ्तार हुआ था अभी एक आरोपी फरार चल रहा है वह उत्तरप्रदेश का हैं जिसकी पतासाजी की जा रही हैं। यह ट्रक हरियाणा के कासिम भाई का हैं जिसे लकड़ी लेकर जाना था मामले में विवेचना की जा रही है। गिरफ्तार सभी १० आरोपी जमानत पर स्वतंत्र हैं।

अशोक भालाधरे
डिप्टी रेंजर वारासिवनी दक्षिण सामान्य

जनगणना में सरना कॉलम न होने पर भड़के आदिवासी संगठन

रांची। आगामी जनगणना में सरना धर्म कोड के लिए अलग कॉलम शामिल न किए जाने के फैसले ने आदिवासी समुदायों के बीच भारी असंतोष पैदा कर दिया है। रांची के करमटोली स्थित केंद्रीय धूमकुड़िया सभागार में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विभिन्न आदिवासी संगठनों ने एकजुट होकर केंद्र सरकार के इस रुख की कड़ी निंदा की। आदिवासी नेताओं ने स्पष्ट रूप से आरोप लगाया कि जनगणना से अलग धार्मिक पहचान का विकल्प हटाना आदिवासियों के अस्तित्व और उनकी विशिष्ट संस्कृति को कमजोर करने की एक सोची-समझी कोशिश है। आदिवासी जन परिषद के प्रेम शाही मुंडा, पूर्व मंत्री गीताश्री उरांव और देवकुमार धान जैसे प्रमुख नेताओं ने साझा बयान में कहा कि आदिवासी समाज की अपनी अलग धार्मिक और सामाजिक परंपराएं हैं, जो अन्य स्थापित धर्मों से पूरी तरह भिन्न हैं। उन्होंने तर्क दिया कि आदिवासी न तो हिंदू हैं और न ही किसी अन्य संगठित धर्म का हिस्सा, बल्कि उनकी मान्यताएं प्रकृति पूजा और पूर्वजों की परंपराओं पर आधारित हैं। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि वर्ष 2011 की जनगणना में आदिवासियों के पास अपनी धार्मिक पहचान दर्ज कराने का विकल्प था, जिसे अब समाप्त करना उनके मौलिक अधिकारों पर सीधा हमला है। अपनी मांगों को लेकर आदिवासी संगठनों ने अब देशव्यापी आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। इसी कड़ी में 16 मई को महाराष्ट्र के नासिक में एक विशाल विरोध प्रदर्शन की तैयारी की गई है।

25 नई ई-बसें पहुंचीं सोलन, ट्रायल के बाद जल्द शुरू होगा परिचालन

शिमला। हिमाचल में ई-बसों का संचालन शीघ्र ही शुरु होगा। कंपनी ने पहले चरण में 10 बसों का ट्रायल शुरू किया था, जो सोलन जिला के बाद हमीरपुर, कांगड़ा और शिमला में चल रही हैं। इसी बीच 25 और नई बसें सोलन भेजी गई हैं, जिन्हें पार्क किया गया है। निगम का कहना है कि ट्रायल पूरा होने के बाद ही बसों की डिलिवरी ली जाएगी। ये बसें ओलेक्ट्रा ग्रीनटेक कंपनी से खरीदी जा रही हैं। तकनीकी सुधारों के बाद इन बसों का फिर से ट्रायल किया जा रहा है। ट्रायल सफल होने पर प्रदेश में 297 नई बसें चलेंगी। एचआरटीसी के उपाध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि केवल ट्रायल में सफल होने पर ही इन बसों का संचालन किया जाएगा।

विज्ञान, नवाचार और आत्मनिर्भरता का प्रतीक-राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

राजस्थान के पोखरण में हुए सफल परमाणु परीक्षणों तथा भारत की ऐतिहासिक तकनीकी उपलब्धियों की स्मृति में प्रतिवर्ष 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है। वास्तव में, यह दिवस केवल हमारे देश की वैज्ञानिक सफलताओं का ही उत्सव नहीं है, बल्कि यह नवाचार(इनोवेशन), आत्मनिर्भरता, हमारी वैज्ञानिक सोच और राष्ट्र निर्माण के संकल्प का प्रतीक भी है। यह दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि विज्ञान और तकनीक किसी भी राष्ट्र की प्रगति, सुरक्षा और समृद्धि की सबसे मजबूत आधारशिला होते हैं। सरल शब्दों में कहें तो यह दिन भारत की वैज्ञानिक, तकनीकी और नवाचार क्षमता को सम्मान देने के लिए समर्पित है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों का सम्मान करना, युवाओं में अनुसंधान(रिसर्च), नवाचार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना, आत्मनिर्भर भारत एवं आधुनिक तकनीकी विकास को बढ़ावा देना तथा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और शोधकर्ताओं के योगदान को पहचान देना है। इस अवसर पर विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों को सम्मानित भी किया जाता है तथा इसका आयोजन प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड द्वारा किया जाता है। गौरतलब है कि पहली बार यह दिवस 11 मई 1999 को मनाया गया था। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस दिवस का नामकरण तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा किया गया था। दरअसल, उस समय अटल बिहारी वाजपेयी ने जय जवान, जय किसान के नारे के साथ जय विज्ञान जोड़कर विज्ञान को राष्ट्र शक्ति का तीसरा स्तंभ बताया था। दरअसल, 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण-द्वद्व परमाणु परीक्षण के अंतर्गत सफल परमाणु परीक्षण किए थे, जिन्हें ऑपरेशन शक्ति के कोडनेम से जाना गया। इस मिशन का नेतृत्व तत्कालीन वैज्ञानिक सलाहकार एवं बाद में भारत के राष्ट्रपति बने डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने किया था। दरअसल,11 मई 1998 को भारत ने तीन परमाणु परीक्षण किए थे, जबकि इसके दो दिन बाद 13 मई 1998 को दो और परीक्षण सफलतापूर्वक किए गए। इस प्रकार कुल पाँच परमाणु परीक्षणों ने भारत को विश्व के परमाणु शक्ति संपन्न देशों की श्रेणी में स्थापित कर दिया। इन परीक्षणों के बाद भारत दुनिया का छठा परमाणु शक्ति संपन्न देश बना। विशेष बात यह रही कि भारत ने यह उपलब्धि बिना किसी बाहरी सहायता तथा परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) पर हस्ताक्षर किए बिना प्राप्त की। बहुत कम लोग यह बात जानते हैं कि पोखरण-II परमाणु परीक्षण की पूरी योजना इतनी गोपनीय थी कि कई वरिष्ठ मंत्रियों तक को इसकी जानकारी अंतिम समय में दी गई थी। इतना ही नहीं,परीक्षण स्थल पर वैज्ञानिकों के नाम बदल दिए गए थे और वे सेना के अधिकारियों की तरह पहचान छिपाकर काम कर रहे थे तथा परमाणु परीक्षण की तैयारी रात में की जाती थी, ताकि विदेशी जासूसी उपग्रह गतिविधियों को रिकॉर्ड न कर सकें। परीक्षण के उपकरणों को रेगिस्तान में ले जाते समय उन्हें सामान्य सैन्य-सामान की तरह ढककर रखा गया था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पोखरण परीक्षण के दौरान भारतीय सेना की 58वीं इंजीनियर रेजिमेंट ने अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, लेकिन लंबे समय तक उनका योगदान सार्वजनिक चर्चा में कम रहा।परीक्षण से पहले वैज्ञानिकों ने रेत पर पड़े पैरों के निशान तक मिटा दिए थे, ताकि उपग्रहों को किसी असामान्य गतिविधि का संदेह न हो।

महिला आरक्षण पर राजनीतिक दलों का दोहरा चरित्र

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबनाओं में से एक यह है कि जिस देश में महिलाओं को शक्ति, मातृशक्ति और आधी दुनिया कहकर सम्मानित किया जाता है, वहीं राजनीति में उन्हें समान भागीदारी देने के प्रश्न पर लगभग सभी राजनीतिक दलों की नीयत संदिग्ध दिखाई देती है। संसद से लेकर चुनावी मंचों तक महिला आरक्षण के समर्थन में बड़े-बड़े दावे किए जाते हैं, लेकिन जब उम्मीदवारों को टिकट देने का समय आता है, तब अधिकांश दल महिलाओं को हाशिये पर धकेल देते हैं। हालिया विधानसभा चुनावों ने इस विरोधाभास को एक बार फिर उजागर कर दिया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा महिलाओं को दिए गए टिकटों का आंकड़ा यह बताने के लिए पर्याप्त है कि महिला प्रतिनिधित्व को लेकर दलों की कथनी और करनी में कितना बड़ा अंतर है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर संसद में जोरदार राजनीतिक संघर्ष देखने को मिला, लेकिन उन्हीं दलों ने चुनावी मैदान में महिलाओं को पर्याप्त अवसर देने में उत्साह नहीं दिखाया। यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक नैतिकता का भी प्रश्न है।

सबसे अधिक चर्चा पश्चिम बंगाल चुनाव की रही। भारतीय जनता पार्टी ने 294 सीटों में से केवल लगभग 33 महिलाओं को टिकट दिए, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने 291 सीटों पर करीब 52 महिलाओं को उम्मीदवार बनाया। यह संख्या कुल टिकटों का लगभग दस प्रतिशत ही बैठती है। तमिलनाडु में भी स्थिति बहुत अलग नहीं रही। सत्ता परिवर्तन के दावे करने वाले दलों ने महिलाओं को सीमित अवसर दिए। असम और केरल जैसे राज्यों में भी राजनीतिक दलों ने महिलाओं को प्रतीकात्मक उपस्थिति से आगे नहीं बढ़ने दिया। परिणाम यह हुआ कि कुल निर्वाचित प्रतिनिधियों में महिलाओं की संख्या अत्यंत कम रही। यह स्थिति तब है, जब देश की लगभग आधी आबादी महिलाएं हैं। दरअसल भारतीय राजनीति लंबे समय से पुरुष प्रधान मानसिकता से संचालित होती रही है। राजनीतिक दल महिलाओं को अक्सर सुरक्षित या कमजोर उम्मीदवार मानते हैं। उन्हें यह भय रहता है कि महिला प्रत्याशी चुनावी संघर्ष, धनबल, बाहुबल और जातीय समीकरणों के बीच प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाएंगी। यही कारण है कि अधिकांश दल महिलाओं को उन्हीं सीटों पर टिकट देते हैं जहां उनकी जीत की संभावना कम होती है या जहां केवल प्रतीकात्मक उपस्थिति दर्ज करानी होती है।

विडंबना यह भी है कि जो राजनीतिक दल संसद में महिला आरक्षण के पक्ष में जोरदार भाषण देते हैं, वे अपने संगठनात्मक ढांचे में भी महिलाओं को निर्णायक स्थान देने से बचते हैं। अधिकांश राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के शीर्ष नेतृत्व पर पुरुषों का वर्चस्व है। महिलाओं को प्रायः महिला मोर्चा, सांस्कृतिक कार्यक्रम या सामाजिक अभियानों तक सीमित कर दिया जाता है। निर्णय लेने वाली समितियों और रणनीतिक पदों पर उनकी भागीदारी बेहद कम दिखाई देती है। महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने विशेष सत्र बुलाकर राजनीतिक संदेश देने का प्रयास किया था। विपक्ष पर महिलाओं के हितों की अनदेखी का आरोप लगाया गया। लेकिन सवाल यह है कि यदि वास्तव में महिलाओं के राजनीतिक सशक्तीकरण को लेकर गंभीर इच्छाशक्ति होती, तो बिना किसी संवैधानिक बाध्यता के भी दल अपने स्तर पर अधिक महिलाओं को टिकट दे सकते थे। आखिर किसने रोका था कि भाजपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक या अन्य दल कम से कम 33 प्रतिशत महिलाओं को उम्मीदवार बनाते? स्पष्ट है कि महिला आरक्षण का मुद्दा कई बार वास्तविक सामाजिक प्रतिबद्धता से अधिक राजनीतिक लाभ का माध्यम बन जाता है।

हालांकि यह भी स्वीकार करना होगा कि राजनीति में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील और मानवीय बना सकती है। विश्व के अनेक देशों के अनुभव बताते हैं कि जहां महिलाओं की राजनीतिक उपस्थिति बढ़ी है, वहां शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, जल संरक्षण, बाल सुरक्षा और सामाजिक कल्याण जैसे विषयों को अधिक प्राथमिकता मिली है। भारत में पंचायत स्तर पर महिला आरक्षण के सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अनेक महिला सरपंचों और जनप्रतिनिधियों ने गांवों में शिक्षा, स्वच्छता और महिला सुरक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी का सबसे ब?ा लाभ यह है कि इससे लोकतंत्र अधिक समावेशी बनता है। महिलाओं की उपस्थिति केवल संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि दृष्टिकोण का भी प्रश्न है। महिलाएं समाज के उन अनुभवों और समस्याओं को सामने लाती हैं, जिन्हें पुरुष प्रधान राजनीति अक्सर नजरअंदाज कर देती है। घरेलू हिंसा, मातृत्व स्वास्थ्य, कार्यस्थल सुरक्षा, बालिका शिक्षा और लैंगिक समानता जैसे मुद्दों को मजबूती तभी मिलती है, जब निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी हो।

लेकिन दूसरी ओर कुछ चुनौतियां भी हैं, जिनकी चर्चा आवश्यक है। कई बार राजनीतिक दल केवल औपचारिकता निभाने के लिए महिलाओं को टिकट देते हैं। ऐसे मामलों में वास्तविक सत्ता उनके परिवार के पुरुष सदस्यों के हाथ में रहती है। पंचायतों में सरपंच पति जैसी प्रवृत्तियां इसका उदाहरण हैं। राजनीति में वंशवाद और परिवारवाद के कारण भी कई योग्य महिलाएं अवसर से वंचित रह जाती हैं, जबकि राजनीतिक परिवारों से जुड़ी महिलाओं को अपेक्षाकृत आसान प्रवेश मिल जाता है। इसलिए केवल आरक्षण पर्याप्त नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रशिक्षण, आत्मनिर्भरता और स्वतंत्र नेतृत्व क्षमता का विकास भी आवश्यक है। एक अन्य चुनौती चुनावी राजनीति का बढ़ता अपराधीकरण और अत्यधिक खर्च है। भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना अत्यंत महंगा और संघर्षपूर्ण हो गया है। धनबल और बाहुबल की संस्कृति महिलाओं की भागीदारी को सीमित करती है। सामाजिक रूढ़ियां भी बड़ी बाधा हैं। आज भी अनेक परिवार राजनीति को महिलाओं के लिए उपयुक्त क्षेत्र नहीं मानते। देर रात की राजनीतिक गतिविधियां, सार्वजनिक आलोचना और चरित्र हनन की आशंकाएं भी महिलाओं को राजनीति से दूर करती हैं।

सवाल यह भी है कि क्या केवल आरक्षण से समस्या हल हो जाएगी? संभवतः नहीं। आरक्षण एक आवश्यक शुरुआत हो सकता है, लेकिन इसके साथ सामाजिक सोच में परिवर्तन भी जरूरी है। राजनीतिक दलों को अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को निर्णायक भूमिका देनी होगी। उन्हें केवल चुनावी पोस्टर या प्रचार अभियान तक सीमित रखने की प्रवृत्ति बदलनी होगी। राजनीतिक प्रशिक्षण शिविर, आर्थिक सहयोग और सुरक्षित राजनीतिक वातावरण तैयार करना भी आवश्यक है। आज आवश्यकता इस बात की है कि महिला प्रतिनिधित्व को दया, उपकार या राजनीतिक मजबूरी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकार के रूप में देखा जाए। जब तक राजनीतिक दल स्वेच्छा से महिलाओं को पर्याप्त अवसर नहीं देंगे, तब तक लोकतंत्र का संतुलन अधूरा रहेगा। यह भी सच है कि महिलाओं को भी अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग और संगठित होना होगा। राजनीतिक चेतना और नेतृत्व क्षमता के विकास के बिना केवल संवैधानिक प्रावधान अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाएंगे।

भारतीय राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ना केवल महिलाओं का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का प्रश्न है। यदि आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया से बाहर रहेगी, तो लोकतंत्र भी आधा-अधूरा ही रहेगा। राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि महिला सशक्तीकरण केवल भाषणों और घोषणाओं से नहीं आएगा, बल्कि वास्तविक प्रतिनिधित्व और समान अवसरों से आएगा। कथनी और करनी के इस अंतर को समाप्त किए बिना महिला आरक्षण का सपना अधूरा ही रहेगा। निश्चय ही हालिया विधानसभा चुनावों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि राजनीतिक दलों की महिला हितैषी राजनीति अभी भी बड़े पैमाने पर प्रतीकात्मक है। जब तक महिलाओं को टिकट वितरण, संगठनात्मक नेतृत्व और नीति निर्माण में न्यायसंगत भागीदारी नहीं मिलेगी, तब तक आधी दुनिया लोकतंत्र के हाशिये पर ही खड़ी दिखाई देगी।

-ललित गर्ग

राम के नाम से मस्तिष्क में आती है आत्मज्ञान

- संजय गोस्वामी

जब मस्तिष्क का जब दसवां भाग भी सही तरह से मनुष्य यूज नहीं कर रहा रहा तो उसका एक मात्र कारण है आत्मज्ञान का अभाव। ध्यान की प्रगाढ़ता से मस्तिष्क तंत्र अत्यधिक सक्रिय हो जाते हैं। ब्रह्म तेज से मस्तिष्क की सभी तंत्रिकाएं सक्रिय हो जाती हैं। इसलिए ध्यान में बैठना चाहिए। ब्रह्म प्रकाश से बहुत से तंत्रिकाएं सक्रिय हो जाती हैं। सारे अलग-अलग प्राणीयो के झुंड में से एक एक प्राणी को थोड़ा दुर लेजाकर छोड़ दो तो समझ लेना वो वहां ही जायेगा जहां उनकी जात के प्राणी हो, इससे सिख मिलता है कि अवश्य हमें भी अपने ही साथी जनों के साथ रहना चाहिए अन्यथा दुसरे तो घेराव बना कर तोड़-मरोड़ देंगे मीराबाई ने जो अपने गुरु से दीक्षा ली है वो श्री राम नाम की ली है संत शिरोमणि रविदास जी से ली है रविदास जी श्री रामानंद जी महाराज के कृपा पात्र शिष्य हैं ! - नींद में सुधार- कुछ शोध बताते हैं कि शांत, सुकून देने वाला भगवान राम का ध्यान नींद की गुणवत्ता में सुधार कर सकता है. ! रोग प्रतिरोधक क्षमता- नियमित रूप से भगवान राम के ध्यान से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत हो सकती है ! संक्षेप में, भगवान राम की दया और करुणामई कार्य को ध्यान कर मस्तिष्क एक सुकून और जिस चीज में मोह का अनुभव करता है वो भगवान राम की त्याग की भावनाओं, यादों और से शारीरिक प्रतिक्रियाओं को एक साथ प्रभावित करता है, जिससे समग्र मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है ! अगर आप अपने शरीर को मजबूत बनाना चाहते हैं, तो जिम ना जाकर पहले मस्तिष्क को गलत विचार से मुक्त हो जाएँ। अगर आप अपने दिमाग की कसरत करना चाहते हैं, तो राम का भजन और संगीत सुनें। बहुत कम चीजें हैं जो रामरस आपके मस्तिष्क को उत्तेजित करती हैं। अगर आप उम्र बढ़ने की प्रक्रिया के दौरान अपने मस्तिष्क को सक्रिय रखना चाहते हैं, तो भगवान राम का शान्ति मन से ध्यान करें और चुप रहें उनपर छोड़ दीजिए वो जो करेंगे कोई और नहीं कर सकता है क्योंकि सृष्टि को उसी ने रचना की है राम नाम का ध्यान करने से चिंता, रक्तचाप और दर्द कम हो सकता है, साथ ही नींद की गुणवत्ता, मनोदशा, मानसिक सतर्कता और स्मृति में सुधार हो सकता है। नई वायु तत्व और मन - छप चुकी है ।वायु हमारा जीवन है । सांस के बिना हम 5 मिनट से ज्यादा जीवित नहीं रह सकते । यह पुस्तक आप को जीवन में हर प्रकार की सफलता दिलाएगी । आप का जीवन महत्वपूर्ण बन जाएगा । इस प्रकार सर्वज्ञ, सर्वशक्तिमान, परमानंद स्वरूप, अविनाशी, करुणा वरूणालय ,कृपा सिंधु ,देखने और व्यवहार में सर्वांग सुंदर देवता उपासना का विज्ञान यही है की साधना का जीवन क्रम क्रम से कर्म, कारण, वासना ,और अहम एक अद्वितीय सच्चिदानंद ब्रह्म के प्रति समर्पित हो जाए ।काल क्रम से, महापुरुषों की कृपा से, अथवा वासनाक्षय से ,जब उसे उस ब्रह्म तत्व की प्राप्ति की जिज्ञासा हो जाएगी, तब परोक्ष देवता के सभी गुना का जो वास्तव में सच्चिदानंद के विलास हैं, समन्वय आत्मा के परमार्थ स्वरूप में उपलब्ध हो जाएगा, तत और त्वम की एकता के बोध से, -भगवान राम तत्व ज्ञा न प्राप्त किया जा सकता , जो कारक,फल रूप द्वैत प्रपंच का अपमर्दन हो जाता है। इसलिए बाद में तो किसी आरोप और उपासना की आवश्यकता ही नहीं है ।पहले करो तो ठीक है, जब तक की सत्यप्रतिष्ठत्व, अहिंसकत्व, एवं निष्कामत्व, स्व प्रतिष्ठित ना हो जाए ।राम जड़ ध्यान के संबंध में अस्तेय होता है- चोरी न करना, जो जड़ वस्तु को अपने लिए आवश्यक और सुख रूप समझेगा, वही जड़ वस्तु की चोरी करेगा। अत:चिद् भाव का संबंध है अस्तेय का और अपरिग्रह का ज्ञान राम से प्राप्त होता है । इसी प्रकार सद्भाव के साथ संबंध है सत्य और अहिंसा का ।आनंद भाव का संबंध है ब्रह्मचर्य का। काम स्वब्रह्मचर्य भंग प्रधान है और संग्रह परिग्रह वह अन्य वस्तु संग्रह प्रधान है और दोनों आनंद के विवर्त हैं। तत्व ज्ञान के लिए भगवान राम की उपासना करेंगे तो यह संभव है। एकत्व ज्ञान से निवृत हुआ मिथ्या द्वैतज्ञान का फिर संभव नहीं है जिससे कि ब्रह्म उपासना विधि का अंग प्राप्त हो। यह पीस ब्रह्म सूत्र से लिया गया है। एक दिन, मीरा ने भोजराज से कहा,आपकी आज्ञा हो तो एक निवेदन करूँ। क्यों नहीं? फरमाइए। भोजराज ने अति विनम्रता से कहा। मेड़ते में तो संत आते ही रहते थे। वहाँ सत्संग मिला करता था। प्रभु के प्रेमियों के मुख से झरती उनकी रूप-गुण-सुधा के पानसे सुख प्राप्त होता है, वह जोशीजी के सुख से पुराण कथा सुनने में नहीं मिलता।यहाँ सत्संग का भाव मुझे सदा अनुभव होता है। भोजराज गम्भीर हो गये- वहाँ महलो में तो संतो के प्रवेश की आज्ञा नहीं है। हाँ, किले में संत महात्मा आते ही रहते है,किन्तु आपका बाहर पधारना कैसे हो सकता है ? सत्संग बिना तो प्राण तृषा (प्यास) से मर जाते हैं। मीरा ने उदास स्वर में कहा। ऐसा करते है, कि कुम्भ श्याम के मंदिर के पास एक और मंदिर बनवा दे। वहाँ आप नित्य दर्शन के लिए पधारा करें। मैं भी प्रयत्न करूँगा कि गढ़ में आने वाले संत वहाँ मंदिर में पहुँचे। इस प्रकार मैं भी संत दर्शन करके लाभ ले पाऊंगा और थोड़ा बहुत ज्ञान मुझे भी मिलेगा। जैसा आप उचित समझें -मीरा ने प्रसन्नता से कहा। महाराणा (मीरा के ससुर) का आदेश मिलते ही मंदिर बनना आरंभ हो गया। अन्तःपुर में मंदिर का निर्माण चर्चा का विषय बन गया महल में स्थान का संकोच था क्या? यह बाहर मंदिर क्यूँ बन रहा है? अब पूजा और गाना-बजाना बाहर खुले में होगा ? सिसौदियों का विजय ध्वज तो फहरा ही रहा है, अब भक्ति का ध्वज फहराने के लिए यह भक्ति स्तम्भ बन रहा है। जितने मुहँ उतनी बातें। मंदिर बना और शुभ मुहूर्त में प्राण-प्रतिष्ठा हुई। धीरे धीरे, सत्संग की धारा बह चली। उसके साथ ही साथ मीरा का यश भी शीत की सुनहरी धूप-सा सुहावना हो कर फैलने लगा। मीरा के मंदिर पधारने पर उसके भजन और उसकी ज्ञान वार्ता सुनने के लिए भक्तो संतो का मेला लगने लगा। बाहर से आने वाले संतो के भोजन, आवास और आवश्यकता की व्यवस्था भोजराज की आज्ञा से जोशीजी करते। गुप्तचरों से मन्दिर में होने वाली सब गतिविधियों की बातें महाराणा बड़े चाव से सुनते । कभी कभी वे सोचते - बड़ा होना भी कितना दुखदायी है ? यदि मैं महाराणा याँ मीरा का ससुर न होता , मात्र कोई साधारण जन होता तो सबके बीच बैठकर सत्संग -सुधा का मैं भी निसंकोच पान करता । मैं तो ऐसा भाग्यहीन हूं कि अगर मैं वेश भी बदलूँ तो पहचान लिया जाऊँगा । जैसे जैसे बाहर मीरा का यश विस्तार पाने लगा , राजकुल की स्त्री - समाज उनकी निन्दा में उतना ही मुखर हो उठा । किन्तु मीरा इन सब बातों से बेखबर अपने पथ पर दृढ़तापूर्वक पग धरते हुये बढ़ती जा रही थी। उन्हें ज्ञात होता भी तो कैसे ? मीराबाई का विवाह महाराणा सांगा के पुत्र भोजराज से कर दिया गया। देवताओं ने ऋषियों से कहा कि भगवान राम ही रावण के अत्याचारों से मुक्ति दिला सकते हैं। बाद में मीरा के भक्ती से भोजराज सचमुच उनकी ढाल बन गये थे परिवार के क्रोध और अपवाद के भाले वे अपनी छाती पर झेल लेते ।भोजराज और मीराबाई के बीच मित्रता और समझ का संबंध था, भोजराज मीराबाई की काव्य प्रतिभा की सराहना करते थे और महल परिसर में भगवान कृष्ण का मंदिर बनवाने की उनकी इच्छा को पूरा करते थे।

बंगाल में सत्ता परिवर्तन का नया दौर-सुवेंदु सरकार के सामने कानून व्यवस्था और विकास की बड़ी चुनौती

पश्चिम बंगाल की राजनीति में शनिवार का दिन ऐतिहासिक बन गया जब सुवेन्दू अधिकारी ने राज्य के पहले भाजपा मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित भव्य समारोह में देशभर की राजनीति का शक्ति प्रदर्शन देखने को मिला। प्रधानमंत्री नरेंद मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भाजपा और एनडीए शासित राज्यों के अनेक मुख्यमंत्री तथा हजारों कार्यकर्ता इस अवसर के साक्षी बने। यह केवल सरकार गठन का कार्यक्रम नहीं था बल्कि बंगाल की राजनीति में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक बन गया।

शपथ ग्रहण समारोह में उस समय भावनात्मक दृश्य देखने को मिला जब प्रधानमंत्री मोदी मंच पर घुटनों के बल बैठकर जनता को प्रणाम करते नजर आए। इस दृश्य ने भाजपा समर्थकों में उत्साह भर दिया। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम की शुरुआत गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर को श्रद्धांजलि देकर की। बंगाली संस्कृति और परंपरा को सम्मान देने का यह संदेश राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना गया। इसी दौरान प्रधानमंत्री ने भाजपा के 98 वर्षीय वरिष्ठ कार्यकर्ता माखनलाल सरकार का सम्मान किया और उनके पैर छूकर पार्टी के पुराने संघर्षों को याद किया।

सुवेन्दू अधिकारी का मुख्यमंत्री बनना साधारण राजनीतिक घटना नहीं है। कभी ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी रहे सुवेंदु अधिकारी ने अपने राजनीतिक जीवन में कई उतार चढ़ाव देखे। नंदीग्राम आंदोलन से उभरे सुवेंदु ने बंगाल की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई। इसी आंदोलन ने राज्य में वामपंथी शासन की जड़ों को कमजोर किया था। बाद में तृणमूल कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होना और फिर ममता बनर्जी को नंदीग्राम में हराना उनकी राजनीति का निर्णायक मोड़ साबित हुआ। इस बार भवानीपुर सीट से ममता बनर्जी को हराकर उन्होंने भाजपा की जीत को ऐतिहासिक बना दिया।

नई सरकार के मंत्रिमंडल में दिलीप घोषअग्निमित्रा पॉल निशीथ प्रामाणिक, अशोक कीर्तनिया और शुदिराम टुडू को शामिल किया गया है। इन नेताओं के चयन से भाजपा ने यह संकेत देने की कोशिश की है कि वह सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन के साथ सरकार चलाना चाहती है। मतुआ समुदाय से आने वाले अशोक कीर्तनिया और आदिवासी क्षेत्रों में सक्रिय रहे क्षुदीराम टुडू को मंत्री बनाकर पार्टी ने उन वर्गों को साधने का प्रयास किया है जो लंबे समय से राजनीतिक रूप से निर्णायक भूमिका निभाते रहे हैं।

शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा समर्थकों का उत्साह चरम पर दिखाई दिया। परेड ग्राउंड भगवा झंडों और जय श्री राम के नारों से गूंज उठा। प्रधानमंत्री मोदी और सुवेंदु अधिकारी ने रोड शो करते हुए मंच तक पहुंचकर कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। भाजपा इसे केवल चुनावी जीत नहीं बल्कि विचारधारा की विजय के रूप में प्रस्तुत कर रही है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी कहा कि बंगाल में भाजपा की जीत इस बात का प्रमाण है कि पार्टी की विचारधारा को अब राज्य में व्यापक स्वीकृति मिल चुकी है।

हालांकि सत्ता परिवर्तन के साथ नई सरकार के सामने चुनौतियों का पहाड़ भी खड़ा है। पिछले कई वर्षों से पश्चिम बंगाल राजनीतिक हिंसा और कानून व्यवस्था को लेकर चर्चा में रहा है। चुनावी हिंसा में कई भाजपा कार्यकर्ताओं की मौत हुई थी। शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने मृत कार्यकर्ताओं के परिवारों से मुलाकात कर भावनात्मक संदेश दिया। भाजपा लगातार आरोप लगाती रही है कि राज्य में राजनीतिक प्रतिशोध की राजनीति ने लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर किया। अब जब सत्ता भाजपा के हाथ में आ चुकी है तो जनता की सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि राज्य में कानून व्यवस्था मजबूत हो और हिंसा की राजनीति समाप्त हो।

पश्चिम बंगाल में लंबे समय से उद्योगों के पलायन, बेरोजगारी और प्रशासनिक अव्यवस्था की समस्या बनी हुई है। नई सरकार के सामने सबसे बड़ी जिम्मेदारी रोजगार और निवेश का माहौल तैयार करने की होगी। भाजपा ने चुनाव के दौरान उद्योगों को बढ़ावा देने, निवेश आकर्षित करने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने का वादा किया था। जनता अब इन वादों के परिणाम देखना चाहेगी। केवल राजनीतिक नारों से जनता का विश्वास लंबे समय तक नहीं जीता जा सकता। सरकार को जमीन पर बदलाव दिखाना होगा।

शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था भी नई सरकार की परीक्षा लेने वाली है। कई क्षेत्रों में स्कूलों में शिक्षकों की भारी कमी है। हजारों स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक नहीं हैं और लंबे समय से नई नियुक्तियां नहीं हुई। अस्पतालों की स्थिति को लेकर भी लगातार सवाल उठते रहे हैं। कांथी में सुवेंदु अधिकारी के पड़ोसियों ने उम्मीद जताई कि अब स्कूलों में शिक्षकों की भर्ती होगी, अस्पतालों में डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे और प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार आएगा। यह उम्मीदें नई सरकार के लिए अवसर भी हैं और चुनौती भी।

महिलाओं की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण का मुद्दा भी भाजपा ने चुनाव में प्रमुखता से उठाया था। राज्य में कई घटनाओं को लेकर भाजपा ने तृणमूल सरकार पर निशाना साधा था। अब जनता यह देखना चाहेगी कि नई सरकार अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था में कितना सुधार ला पाती है। यदि भाजपा इस मोर्चे पर सफल होती है तो यह उसकी सबसे बड़ी राजनीतिक उपलब्धि मानी जाएगी।

ममता बनर्जी की हार भी बंगाल की राजनीति में एक बड़ा बदलाव है। लगभग पंद्रह वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद अब तृणमूल कांग्रेस विपक्ष की भूमिका में होगी। ममता बनर्जी लंबे समय तक बंगाल की राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा रहीं। लेकिन इस चुनाव में भाजपा ने संगठन, रणनीति और नेतृत्व के दम पर राज्य की राजनीति की दिशा बदल दी। अब तृणमूल कांग्रेस के सामने खुद को पुनर्गठित करने की चुनौती होगी।

इस शपथ समारोह में अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संकेत भी देखने को मिले। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने सुवेंदु अधिकारी को बधाई संदेश भेजा। इससे यह स्पष्ट हुआ कि बंगाल की राजनीति केवल राज्य तक सीमित नहीं बल्कि पड़ोसी देशों के लिए भी महत्वपूर्ण है। बंगाल की भौगोलिक और सांस्कृतिक स्थिति उसे राष्ट्रीय राजनीति में विशेष महत्व देती है।

नई सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती राजनीतिक जीत को प्रशासनिक सफलता में बदलना है। भाजपा ने लंबे संघर्ष के बाद बंगाल में सत्ता हासिल की है। अब जनता की अपेक्षाएं बहुत बढ़ चुकी हैं। यदि सरकार कानून व्यवस्था सुधारने, भ्रष्टाचार कम करने, निवेश बढ़ाने और प्रशासन में विश्वास कायम करने में सफल होती है तो यह भाजपा के लिए पूर्वी भारत में स्थायी राजनीतिक विस्तार का आधार बन सकता है। लेकिन यदि अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरी तो जनता का मोहभंग भी तेजी से हो सकता है।

सुवेंदु अधिकारी के सामने अब केवल पार्टी नेता की भूमिका नहीं बल्कि पूरे राज्य के नेतृत्व की जिम्मेदारी है। उन्हें यह साबित करना होगा कि सत्ता परिवर्तन केवल राजनीतिक बदलाव नहीं बल्कि विकास और सुशासन की नई शुरुआत है। बंगाल की जनता अब घोषणाओं से आगे बढ़कर परिणाम देखना चाहती है। आने वाले वर्षों में यह तय होगा कि भाजपा की यह ऐतिहासिक जीत राज्य के भविष्य को किस दिशा में ले जाती है।

-कांतिलाल मांडोत

वैश्विक नरमी से गिरे खाद्य तेलों के दाम, सोयाबीन-बिनौला में उछाल

विदेशी असर से खाद्य तेल बाजार में उथापटक, किसानों को अच्छे दाम से सोयाबीन रकबा बढ़ने की उम्मीद

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में खाद्य तेलों के दाम टूटने के बीच देश के तेल-तिलहन बाजार में मिलाजुला रुझान देखने को मिला। जहां सोयाबीन तेल, कच्चे पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम गिर गए, वहीं कम उपलब्धता और स्थानीय मांग के चलते सोयाबीन तिलहन और बिनौला तेल में सुधार दर्ज किया गया। महत्वपूर्ण बात यह है कि विदेशी बाजारों में नरमी के बावजूद सरसों और मूंगफली तेल-तिलहन के दाम स्थिर बने रहे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसा सोयाबीन डीगम तेल का दाम बीते सप्ताह 1,345-1,350 डॉलर प्रति टन से घटकर 1,300-1,305 डॉलर प्रति टन पर आ गया, जिसका सीधा असर घरेलू सोयाबीन, सीपीओ और पामोलीन तेलों पर पड़ा। हालांकि, गर्मी में पाम-पामोलीन की औद्योगिक मांग ने इसकी कीमतों में अत्यधिक गिरावट को कुछ हद तक सीमित रखा। इसके विपरीत सोयाबीन के कम स्टॉक और सोयाबीन खल (डीओसी) की मजबूत स्थानीय मांग से सोयाबीन तिलहन के दामों में सुधार आया। इसी तरह, बिनौला तेल भी सीमित उपलब्धता के कारण मजबूत हुआ। आयातित तेलों की नरमी के बावजूद सरसों एवं मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतें पिछले सप्ताहांत के स्तर पर स्थिर रहीं। जानकारों का कहना है कि सरकार को मूंगफली के लिए बाजार विकसित करने और खाद्य तेलों में आत्मनिर्भरता बढ़ाने हेतु सख्त कदम उठाने होंगे। किसानों को सोयाबीन के अच्छे दाम मिलने से इस बार इसके रकबे में वृद्धि की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 7,000-7,025 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 14,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर स्थिर रुख लिए बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 425-425 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 6,950-7,000 रुपये और 6,600-6,675 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।दूसरी ओर, दिल्ली में सोयाबीन तेल 325 रुपये की गिरावट के साथ 15,675 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,575 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 300 रुपये की गिरावट के साथ 12,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बीते सप्ताहांत मूंगफली तिलहन 6,650-7,125 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 15,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,500-2,800 रुपये प्रति टिन पर स्थिरता के रुख के साथ बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 50 रुपये घटकर 15,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की गिरावट के साथ 14,275 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 15,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

खनन क्षेत्र में सीएसआर पहल राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हों-विशेषज्ञ

नई दिल्ली। एजेंसी। खनन, धातु और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल की सफलता अब स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं से तालमेल पर निर्भर करेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि सालाना 15,000 करोड़ रुपये से अधिक के सीएसआर खर्च के स्थायी और मापनीय असर के लिए यह दृष्टिकोण अनिवार्य है। भारत आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और बुनियादी ढांचे के विकास को गति दे रहा है। ऐसे में सीएसआर का प्रभावी होना महत्वपूर्ण है। सीएसआर सलाहकार पवन कौशिक ने जोर दिया कि अनिवार्य 2 फीसदी खर्च के साथ 100 फीसदी जवाबदेही होनी चाहिए, क्योंकि असली चुनौती संसाधनों की नहीं, बल्कि बड़े स्तर पर स्वामित्व की है। कोल इंडिया की इकाई साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लि. (एसईसीएल) के चेयरमैन हरीश दुहान ने बताया कि उनकी कंपनी ने 2014 से कौशल विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य पर 850 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए हैं, जिसका लक्ष्य सिर्फ ढांचा निर्माण नहीं, बल्कि लोगों को सशक्त करना है। विशेषज्ञों ने दोहराया कि अधिकांश सीएसआर पहल राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप हैं, लेकिन इनकी सफलता तभी है जब समुदाय इन्हें अपनी पहल स्वीकारें। उन्होंने सरल, व्यावहारिक पहलों जैसे शिक्षा, पानी, स्वास्थ्य और आजीविका पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी, जिनसे समुदाय जुड़ाव महसूस करते हैं। कोयला मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव रुपिंदर बरार ने भी कंपनियों से सीएसआर व स्थिरता प्रयासों को एकीकृत करने का आग्रह किया है।

नाल्को को पश्चिम एशिया तनाव से झटका, निर्यात प्रभावित, वैश्विक कीमतें गिरीं

नई दिल्ली। एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की नेशनल एल्युमीनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) ने कहा है कि पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण उसके एल्युमिना निर्यात को गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। कंपनी के कुल निर्यात का लगभग 40-50 प्रतिशत हिस्सा इस क्षेत्र को जाता था, जिस पर सीधा असर पड़ा है, साथ ही वैश्विक हाजिर बाजार में एल्युमिना की कीमतें भी दबाव में आ गई हैं। नाल्को के एक व?रिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पश्चिमी एशिया को होने वाले निर्यात में आई बाधाओं और वैश्विक स्तर पर निर्यात गंतव्यों में बदलाव की वजह से हाजिर बाजार में एल्युमिना की कीमतें गिरकर 305-310 डॉलर प्रति टन पर आ गई हैं। कंपनी के लिए यह एक महत्वपूर्ण झटका है, क्योंकि क्षेत्र में जारी तनाव ने उसकी आपूर्ति श्रृंखला को प्रभावित किया है। हालांकि, कंपनी अब इंडोनेशिया और अन्य बाजारों से नए ऑर्डर प्राप्त कर रही है, जिससे इस संकट के कुछ हद तक प्रभाव को कम करने में मदद मिली है। नाल्को ने चेतावनी दी है कि जब तक पश्चिम एशिया के स्मेल्टर पूरी क्षमता से काम करना शुरू नहीं कर देते, तब तक वैश्विक हाजिर एल्युमिना कीमतों पर दबाव बना रह सकता है।

भू-राजनीति की गिरफ्त में शेयर बाजार, अमेरिका-ईरान तनाव और कच्चा तेल तय करेगा चाल

नई दिल्ली। एजेंसी। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की दिशा मुख्य रूप से अमेरिका-ईरान के बीच बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों का मानना है कि भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति बाजार बेहद संवेदनशील रहेगा, जबकि रुपये-डॉलर की चाल, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफआईआई) की गतिविधियां और आगामी महंगाई के आंकड़े भी बाजार के रुख को प्रभावित करेंगे। कई प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। बाजार ??विश्लेषकों का कहना है ?कि बाजार इस सप्ताह भू-राजनीतिक घटनाक्रमों के प्रति अत्यधिक संवेदनशील रहेगा। निवेशकों का ध्यान अमेरिका-ईरान से संबंधित हर गतिविधि पर केंद्रित रहेगा। उन्होंने जोर दिया कि ब्रेंट कच्चे तेल के दाम बाजार की दिशा निर्धारित करने में अहम भूमिका निभाएंगे। यदि कच्चे तेल की कीमतें 90 डॉलर प्रति बैरल से

नीचे बनी रहती हैं या तनाव कम करने की दिशा में कोई प्रगति होती है, तो जोखिम वाले निवेश माध्यमों में राहत भरी तेजी देखी जा सकती है। इसके विपरीत यदि तनाव बढ़ता है, तो बाजार पर दबाव बना रह सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह जारी होने वाले महंगाई के आंकड़े भी बाजार के लिए महत्वपूर्ण होंगे। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक भारत के अप्रैल महीने के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ब्याज दर नीति का संकेत देंगे। वहीं अमेरिका के सीपीआई और उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) आंकड़े फेडरल रिजर्व की संभावित ब्याज दर कटौती, बॉन्ड प्रतिफल और वैश्विक जोखिम धारणा को प्रभावित कर सकते हैं। इस बीच केनरा बैंक, टाटा पावर, भारती एयरटेल, डीएलएफ, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और जेएसडब्ल्यू स्टील जैसी प्रमुख कंपनियां सप्ताह के दौरान अपने तिमाही नतीजों की घोषणा करेंगी, जो शेयर और क्षेत्र आधारित गतिविधियों को प्रभावित करेंगी।

पश्चिम एशिया तनाव से पिडिलाइट फिर बढ़ा सकती है उत्पादों के दाम

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण कच्चे माल की लागत में भारी बढ़ोतरी के मद्देनजर एडहेसिव और निर्माण रसायन बनाने वाली कंपनी पिडिलाइट इंडस्ट्रीज कीमतों में एक और दौर की वृद्धि पर विचार कर रही है। कंपनी के एक अधिकारी ने बताया कि कच्चे तेल से जुड़े उत्पादों की लागत भारित औसत आधार पर 40-50 प्रतिशत तक बढ़ गई है। यह जानकारी कंपनी के तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद दी गई। पिडिलाइट इंडस्ट्रीज, जो फेविकोल, डॉ. फिक्सिट, फेवीक्विक और एम-सील जैसे लोकप्रिय ब्रांडों की मालिक है, पहले ही अप्रैल और मई में दो बार कीमतों में वृद्धि कर चुकी है, जिसमें फेविकोल की कीमतों में 12-15 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी शामिल है। अधिकारी ने कहा कि कंपनी अपनी नीति के अनुरूप लागत वृद्धि को चरणबद्ध तरीके से बाजार पर डालेगी ताकि 20-24 प्रतिशत के कर-पूर्व लाभ (एबिटा) मार्जिन दायरे को बनाए रखा जा सके। उन्होंने उम्मीद जताई कि पश्चिम एशिया संकट का समाधान इस महीने के भीतर निकल सकता है, जिससे उपभोक्ता मांग पर बड़ा असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, यदि संघर्ष लंबा खिंचता है, तो महंगाई मांग को प्रभावित कर सकती है। कंपनी ने मौजूदा तिमाही के लिए आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है और मांग सृजन पर ध्यान केंद्रित कर रही है। नए वित्त वर्ष में मांग के रुझान उत्साहजनक बने हुए हैं, जिसमें शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में मजबूत खपत देखी गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्धि अब भी शहरी बाजारों से बेहतर रही है। वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो जनवरी-मार्च तिमाही में पिडिलाइट इंडस्ट्रीज का एकीकृत शुद्ध लाभ 36.63 प्रतिशत बढ़कर 584.15 करोड़ रुपये और राजस्व 13.24 प्रतिशत बढ़कर 3,648.16 करोड़ रुपये रहा है।

तेल कीमतें रहेंगी ऊंची, भारत की जीडीपी घटेगी और महंगाई बढ़ेगी-एडीबी

एशियाई विकास बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री ने 2026 में 96 डॉलर/बैरल का अनुमान जताया

नई दिल्ली। एजेंसी। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के मुख्य अर्थशास्त्री ने चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया संकट के लंबे समय तक खिंचने से कच्चे तेल के दाम ऊंचे बने रहेंगे, जिसका सीधा असर भारत सहित एशियाई अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ेगा। उन्होंने भारत की वृद्धि दर में कमी और महंगाई में तीव्र वृद्धि का अनुमान जताया है। एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री ने एक साक्षात्कार में कहा कि कच्चे तेल की कीमतें 2026 में औसतन 96 डॉलर प्रति बैरल और 2027 में 80 डॉलर प्रति बैरल रह सकती हैं, जो लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बने रहने का संकेत है। उन्होंने बताया कि हाजिर बाजार में कमी के चलते निकट वायदा कीमतें भी ऊंची बनी हुई हैं। भारत पर पश्चिम एशिया

संकट के असर पर उन्होंने कहा कि इससे देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 0.6 प्रतिशत घटकर 6.3 प्रतिशत रह जाएगी। साथ ही चालू वित्त वर्ष में महंगाई भी 2.4 प्रतिशत बढ़कर 6.9 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। भारत का आयातित तेल और गैस पर अत्यधिक निर्भरता इस बढ़ी हुई महंगाई का प्रमुख कारण है, हालांकि अगले वित्तीय वर्ष में वृद्धि में सुधार की उम्मीद है। क्षेत्रीय स्तर पर एडीबी ने 2026 के लिए एशिया-प्रशांत की वृद्धि दर का अनुमान 5.1 प्रतिशत से घटाकर 4.7 प्रतिशत कर दिया है। एल नीनो के संभावित प्रभाव पर, पार्क ने खाद्य उत्पादन, विशेषकर चावल की वैश्विक व्यापार में भारत की भूमिका पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उर्वरक की बढ़ती कीमतें भी पैदावार और अंततः खाद्य कीमतों को प्रभावित कर सकती हैं, जिससे आपूर्ति में कमी की चुनौती बढ़ सकती है।

आज का राशिफल

मेष- आज आपके ऊपर से पुराने कर्ज का बोझ हल्का हो सकता है, लेकिन ध्यान रखें। फिजूल खर्च आपकी जेब ढीली कर सकता है। शेयर मार्केट से अचानक फायदा आपका दिन बना देगा। काम के सिलसिले में भागदौड़ ज्यादा रहेगी और फोकस थोड़ा डगमगा सकता है। किसी अजनबी की मीठी बातों में आने से बचें। आपकी मेहनत आखिरकार रंग जरूर दिखाएगी।

वृषभ- आज जरूरी कामों पर पूरा ध्यान देना ही सफलता की चाबी होगा। घूमते-फिरते कोई ऐसी जानकारी मिल सकती है जो आगे बहुत काम आएगी। अटका हुआ सरकारी काम पूरा होने के संकेत हैं। घर को सजाने-संवारने का मन बनेगा। संतान की ओर से खुशखबरी दिल को सुकून देगी और आपकी नेतृत्व क्षमता भी निखरकर सामने आएगी। मुमकिन है कि काम की व्यस्तता ही आपकी भावनात्मक उलझनों से बचने का एक जरिया बन गई हो। फिर भी, गहराई में आप जानते हैं कि खुद को थोड़ा समय और ध्यान देना अब बेहद आवश्यक हो चुका है।

मिथुन- आज कुछ नया करने की ऊर्जा आपके अंदर जोश भर देगी। जीवनसाथी की भावनाओं को समझना जरूरी होगा, नहीं तो छोटी बात बड़ा विवाद बन सकती है। पिताजी के साथ किसी बिजनेस डील पर चर्चा हो सकती है। लाइफस्टाइल में सुधार आएगा और सुख-सुविधाओं में भी बढ़ोतरी होगी। परीक्षा के परिणाम आपके पक्ष में आ सकते हैं। अक्सर नई दिशा चुनने में समय लगता है, इसलिए खुद पर अनावश्यक दबाव न डालें। सबसे अच्छी बात यह है कि आप अब उस मानसिक जक?न से पूरी तरह मुक्त हो चुके हैं।

कर्क- आज का दिन खास खुशखबरी लेकर आ सकता है। मन की टेंशन दूर होगी और सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। हालांकि मस्ती के चक्कर में काम बिगड़ भी सकते हैं, इसलिए संतुलन बनाए रखें। विरोधियों से सतर्क रहें और पारिवारिक बातें घर तक ही सीमित रखें। कोई पुरानी बातचीत, माफी या प्यार भरा इशारा आपको उम्मीद से कहीं ज्यादा सुकून पहुंचा सकता है। जो दीवारें आपने अपने आसपास खड़ी की थीं, वे अब धीरे-धीरे गिर रही हैं और खुशियां प्रवेश कर रही हैं।

सिंह- आज आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और सकारात्मक ऊर्जा आपको आगे बढ़ाएगी। किसी दूर रह रहे रिश्तेदार से मिलने का प्लान बन सकता है। आपके फैसले सटीक रहेंगे, जिससे काम आसान होगा। किसी सहयोगी की बात दिल को लग सकती है, लेकिन प्यार और सहयोग की भावना आपके रिश्तों को मजबूत बनाए रखेगी।

कन्या- आज नई संपत्ति लेने के योग बन रहे हैं और कोई अटकी हुई बिजनेस डील भी फाइनल हो सकती है। भगवान की भक्ति में मन लगेगा और घर में किसी शुभ आयोजन की तैयारी शुरू हो सकती है। पुराना कर्ज चुकाने की दिशा में कदम बढ़ेंगे। समाज में आपका मान-सम्मान भी बढ़ेगा। किसी पुरानी स्थिति या याद से पूरी तरह बाहर निकलना फिलहाल चुनौतीपूर्ण लग सकता है। खुद को शांत रखने के लिए आपको थोड़ा संयम बरतने की आवश्यकता होगी।

तुला- आज का दिन आपके लिए खास रहेगा। कुछ प्रभावशाली लोगों से मुलाकात नए रास्ते खोल सकती है। बैंक से लोन लेने की सोच रहे हैं तो काम आसानी से बन सकता है। दिनचर्या में सुधार लाना जरूरी होगा। माताजी की दी हुई जिम्मेदारी समय पर पूरी करें। बच्चों के साथ बिताया समय आपको सुकून देगा।

वृश्चिक- आज नौकरी की तलाश कर रहे लोगों के लिए अच्छे मौके सामने आएंगे। आपकी पहचान और संपर्क बढ़ेंगे और बॉस भी आपके काम से खुश रहेंगे। स्वादिष्ट खाने का आनंद मिलेगा, लेकिन पेट का ध्यान रखना जरूरी है। कोई जरूरी जानकारी किसी से शेयर करने से पहले सोच लें। काम के सिलसिले में यात्रा करनी पड़ सकती है।

धनु- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। मां से पारिवारिक मुद्दों पर बातचीत होगी और लाइफस्टाइल में सुधार आएगा। पैतृक संपत्ति से जुड़ा मामला थोड़ी टेंशन दे सकता है। पुराने दोस्त से मुलाकात होगी, लेकिन पुरानी बातें छेड़ने से बचें। बिजनेस में नई पार्टनरशिप आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकती है।

मकर- आज राजनीति से जुड़े लोगों के लिए खास अवसर हैं। किसी बड़े नेता से मुलाकात हो सकती है। जीवनसाथी के साथ शॉपिंग का प्लान बनेगा, लेकिन खर्चों पर ध्यान रखें। उधार लेकर वाहन चलाने से बचें। हर काम में सफलता मिलेगी, लेकिन विरोधी भी सक्रिय रहेंगे।

कुंभ- आज आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और पुराने निवेश से अच्छा लाभ मिल सकता है। बिजनेस में नए बदलाव आपको आगे बढ़ाएंगे। जीवनसाथी को प्रमोशन मिलने से खुशी दोगुनी होगी। मेहनत का पूरा फल मिलेगा। घर में धार्मिक माहौल बनेगा और रिश्तेदारों का आना-जाना लगा रहेगा।

मीन- आज नया वाहन खरीदने का मन बन सकता है। काम में पूरी मेहनत दिखानी होगी, तभी सफलता मिलेगी। पढ़ाई में परेशानी आ रही है तो गुरुजनों की सलाह काम आएगी। संतान की संगति पर ध्यान देना जरूरी है। उधार लेने की योजना फिलहाल टाल दें। पिताजी की किसी बात से मन थोड़ा आहत हो सकता है।

शब्दजाल- 8255

शब्द जाल में 'अ' से शुरु होने वाले 10 शब्द ढूंढिए, दिए गए शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

म	अ	मु	ग	ल	ए	अ	व	धी	ल	ध
द	अ	व	प्रे	व	अ	स	द	ह	र्म	ड़
र	स	ल	का	दी	व	स	अ	क्षं	ख	र
जी	लि	ल	प	श	ता	स	द	ह	वा	ल
त	व	अ	र	र	स	अ	जु	ख	प	दे
क	त	अ	शो	त	अ	भि	अ	न	श	जू
क	स	अ	क	अ	न	ला	द	शा	जू	व
द	अ	ल	व	व	जी	था	ऐ	वें	प	सा
क	वा	ना	क्र	त	क	छ	प्य	न	हिं	जू
क	र्च	वा	तें	व	न	ज	द	अ	जू	व
अ	र	अ	प	अ	व	लो	क	न	प	ठ

अवधी, अवकाश, अवतार,अर्चना,असलियत, अखबार, अभिलाषा, अवलोकन,अशोकचक्र, अहिंसा.

शब्दजाल - 8254 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 7199

बायें से दायें:-

१. 'बसो रे मैया' गीत वाली फिल्म-२
२. राजेशखन्ना, धर्मेन्द्र, वहीदा की फिल्म-३
४. 'नींद कभी रहती थी आँखों में' गीत वाली फिल्म-३
६. राज सोलंकी, हिना रहमान, पायल की फिल्म-२
७. 'कहना है जो दिल से कहो' गीत वाली फिल्म-४
९. संजीवकुमार, नूतन की फिल्म-२
११. 'हम और तुम तुम और' गीत वाली फिल्म-२
१२. अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१४. 'कुछ लोग यहाँ पर ऐसे हैं' गीत वाली फिल्म-४
१५. मकरंद देशपांडे, शबाना, श्वेता की फिल्म-३
१६. 'जब आती होगी याद मेरी' गीत वाली फिल्म-२
१७. संजय कपूर, माधुरी की फिल्म-२
१९. 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
२०. अनिल धवन, रेहाना की फिल्म-२,२
२२. 'पर्दे में रहने दो पर्दा ना' गीत वाली फिल्म-३
२४. सुनील दत्त, साधना की फिल्म-३
२५. 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
२६. अभिषेक, उदय, ईशा की फिल्म-२
२७. 'शरमाए काहे घबराये' गीत वाली फिल्म-२
२९. आमिर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-२
३०. 'लागन लागी मन की लगन' गीत वाली फिल्म-२
३१. फिल्म 'मनोरंजन' में नायिका कौन थी-३
३२. शाहरुख, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. ऋषि, अनिल, श्रीदेवी की फिल्म-४
२. 'नील गगन पे उड़ते बादल आ' गीत वाली फिल्म-४
३. फिल्म 'मि. बॉण्ड' में अक्षयकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
४. जीतेंद्र, रीना राय, [illegible] की 'धक धक से धड़कन' गीत वाली फिल्म-२
५. 'सपनों का शहर हो' गीत वाली अरशद वारसी, महिमा चौधरी की फिल्म-३
६. सुष्मिता की पहली फिल्म?-३
१०. 'चूड़े वाली छमिया मिला नैन रे' गीत वाली सनी, जयाप्रदा की फिल्म-३
१३. विनोद खन्ना, बिन्दु की 'दिल करने लगा है प्यार तुम्हें' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'जीना तेरी बाहों' गीत वाली सुनील शेट्टी, इंद्रकुमार, नम्रता की फिल्म-३
१७. प्रदीपकुमार, नर्गिस की 'दिल की गिरह खोल दो' गीत वाली फिल्म-२,२,२
१८. 'नज़र के सामने जिगर' गीत वाली राहुल राय, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
१९. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'डफली वाले डफली बजा' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'गोरे जो मटके वाले' गीत वाली सुनील, सलीम, करिश्मा, सोनाली की फिल्म-३
२३. राजेंद्र कुमार, राखी की 'तुम मेरी हो मेरे सिवा किसी' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'हर एक घर में दिया' गीत वाली संजय सूरी, रेवती, गुल पनाग की फिल्म-२
२८. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'अभी सांस लेने की' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7198

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

11 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 131 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 15.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 01.29 बजे रात को समाप्त। **योग** इन्द्र 01.04 बजे रात को समाप्त। **करण** गर 15.25 बजे तदुपरांत वणिज 03.15 बजे रात को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.5 घण्टे **रवि क्रांति** उत्तर 17° 50' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872706 **जुलियन दिन** 2461171.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** जिल्काद **तारीख** 23

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	05.39 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मिथुन	07.37 बजे से
मंगल	मीन में	कर्क	09.50 बजे से
बुध	मेष में	सिंह	12.06 बजे से
गुरु	मिथुन में	कन्या	14.18 बजे से
शुक्र	वृष में	तुला	16.29 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	18.44 बजे से
राहु	कुंभ में	धनु	21.00 बजे से
केतु	सिंह में	मकर	23.05 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		कुंभ	00.51 बजे से
		मीन	02.24 बजे से
		मेष	03.55 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभाशुभ श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, मध्यम चर, अशुभ उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सबसे बड़ी मदद

एक बार बेंजामिन फ्रैंकलिन ने एक धनी व्यक्ति की मेज पर कुछ सिक्के रखते हुए कहा, 'आपने बुरे वक्त में जो सहायता की थी, मैं उसके लिए बहुत आभारी हूं। पर अब मैं अपनी मेहनत से इतना सक्षम हो गया हूं कि आपका कर्ज वापस कर सकूं। मैं यह सिक्के आपको वापस करने आया हूं।' बेंजामिन फ्रैंकलिन की बात सुनकर वह सज्जन उन्हें घूरते हुए बोले, 'क्षमा करिए, पर मैंने आपको पहचाना नहीं। न ही मुझे यह याद है कि मैंने किसी को उधार दिया था।' बेंजामिन ने कहा, 'मैं उन दिनों एक प्रेस में अखबार छापने का काम करता था। एक दिन अचानक मेरी तबीयत खराब हो गई तब मैंने आपसे बीस डॉलर लिए थे।' यह सुनकर उस व्यक्ति ने अपने बीते दिनों को याद किया तो उन्हें स्मरण हो आया कि एक बालक प्रेस में काम करता था और एक दिन उसके बीमार होने पर उन्होंने उसकी मदद की थी। यह याद आने पर उस व्यक्ति ने कहा, 'हां, मुझे याद आ गया। लेकिन दोस्त, यह तो मनुष्य का सहज धर्म है कि वह आपत्तिग्रस्त व्यक्ति की सहायता करे। इन सिक्कों को आप अपने पास ही रखें और कभी कोई जरूरतमंद व्यक्ति आपकी नजरों में आए, तो उसे दे दीजिएगा।' इस बात से बेंजामिन बहुत प्रभावित हुए और उन्हें नमस्कार कर उन सिक्कों को वापस अपने साथ ले आए। इसके बाद उन्होंने एक जरूरतमंद युवक को वे सिक्के दिए। जब उस युवक ने सिक्के लौटाने चाहे तो बेंजामिन ने कहा, 'दोस्त, जब तुम सक्षम हो जाओगे तो अपने जैसे किसी जरूरतमंद को ये सिक्के दे देना। मैं समझूंगा कि मेरे पैसे मुझे मिल गए।' वह युवक बोला, 'मैं ऐसा ही करूंगा।' इसके बाद बेंजामिन उस युवक के कंधे पर हाथ रखते हुए बोले, 'किसी जरूरतमंद की वक्त पर मदद करना ही इंसानियत है। अगर हम किसी की मदद करते हैं तो वह मदद सौ गुना अधिक होकर हमारे पास वापस आती है और हमें कामयाब बनाती है।'

सूडोकु नवताल- 7508

★★★★☆ कठिन

	8			6				
					5			
		9				7		3
	1			8				2
			7		4			
6				3			8	
5		7				4		
			8					
				1			6	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7507 का हल

9	4	5	3	1	8	7	6	2
1	8	6	7	2	5	4	9	3
2	7	3	9	4	6	8	1	5
6	3	9	1	7	4	2	5	8
5	2	4	8	9	3	6	7	1
7	1	8	6	5	2	9	3	4
4	6	7	5	8	1	3	2	9
8	9	1	2	3	7	5	4	6
3	5	2	4	6	9	1	8	7

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8723

बाएँ से दाएँ

1.ईश वंदना-3
3.हाथ की तीसरी अंगुली-4
5.आगमन-2
6.स्वादिष्ट-3
7.हरसिंगार,पारिजात-2
8.क्रिकेट में बनते हैं-2
10.खौलना,उबलना-5
12.धनवान-3
15.खोदना-3
17.चुनाव,चयन-5
20.नसीब(अंग्रेजी-2)
22.कलर-2
23.रक्षक,संकटमोचक-3
24.कार्य,काज-2
25.सुंघनी,नस-4
26.पुराना जुकाम-3

ऊपर से नीचे

1.रुपए का सोलहवां भाग-2
2.कुलबुलाना,तड़पना-5
3.जो कभी बूढ़ा न हो-3
4.बंदूक की गोली-4
5.अभिलेख,लेख-3
7.रात,रात्रि (उर्दू-2)
9.मादा का विलोम-2
11.धुन,लगाव-3
13.चरित्र,नीयत-3
14.तफरीह-5
15.अनाज रखने की जगह-4
16.टोंटी,नलका-2
18.बहुमूल्य रत्न-2
19.अनाथ,बेसहारा-3
21.डोली उठाने वाले-3
24.सफेद का विलोम -2

शब्द पहेली -8722 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

मोहझरी के तीन मंदिरों में लाखों की चोरी

चांदी के मुकुट-छत्र और दान पेटियां ले उड़े चोर

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम मोहझरी में अज्ञात चोरों ने एक ही रात में तीन मंदिरों को निशाना बनाकर बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने मामले की सूचना पुलिस को देते हुए जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 09 मई 2026 की रात अज्ञात चोरों ने ग्राम मोहझरी स्थित नर्मदेश्वर धाम शिव मंदिर, शीतला माता मंदिर देवी चौक, भ्रामरी देवी मंदिर में ताले तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया। सुबह जब ग्रामीण पूजा-अर्चना के लिए मंदिर पहुंचे तो मंदिरों के ताले टूटे मिले और अंदर रखा सामान गायब था। इसके बाद पूरे गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों द्वारा पुलिस को दिए गए लिखित आवेदन में बताया गया है कि चोर मंदिरों से चांदी के मुकुट, चांदी के छत्र, घंटे, दान पेटियां एवं अन्य पूजा सामग्री चोरी कर ले गए। आवेदन में चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत तीन लाख रुपये से अधिक बताई गई है। दस्तावेज के अनुसार विभिन्न मंदिरों से चोरी हुए सामान में चांदी के मुकुट एवं छत्रों की कीमत सबसे अधिक बताई गई है। वहीं दान पेटियों में रखी नकदी भी चोर

अपने साथ ले गए। घटना के बाद ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली। लोगों का कहना है कि धार्मिक स्थलों में चोरी की यह बड़ी घटना है, जिससे ग्रामीणों की आस्था को ठेस पहुंची है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण किया गया तथा ग्रामीणों से पूछताछ की गई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों एवं संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। ग्राम पंचायत मोहझरी के प्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र आरोपियों का पता लगाकर कठोर कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों ने मंदिरों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की भी मांग उठाई है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से क्षेत्र में असुरक्षा का माहौल बनता जा रहा है। लोगों ने रात में पुलिस गश्त बढ़ाने तथा धार्मिक स्थलों की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था किए जाने की मांग प्रशासन से की है।

तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य विधिवत प्रारंभ

ग्रामीणों को रोजगार के साथ अतिरिक्त आय

पद्मेश न्यूज। लांजी। वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य विधिवत प्रारंभ हो गया है। तेंदूपत्ता सीजन शुरू होते ही वन क्षेत्रों में ग्रामीणों की आवाजाही बढ़ गई है और सुबह से ही बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष एवं युवा जंगलों की ओर तेंदूपत्ता तोड़ने पहुंचने लगे हैं। लंबे समय से इस कार्य की प्रतीक्षा कर रहे ग्रामीणों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है, क्योंकि तेंदूपत्ता संग्रहण ग्रामीण अंचलों में रोजगार एवं आय का प्रमुख साधन माना जाता है। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में फड़ों पर तेंदूपत्ता खरीदी एवं संग्रहण की तैयारियां पहले से ही पूर्ण कर ली गई थीं। वन विभाग एवं संबंधित समितियों द्वारा संग्रहण केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। ग्रामीणों को मानक अनुसार पत्ते तोड़ने एवं सुरक्षित तरीके से संग्रहण करने के निर्देश भी दिए गए हैं। तेंदूपत्ता कार्य प्रारंभ होने से वनांचल क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों में भी तेजी आने लगी है। ग्रामीण परिवारों के लिए यह सीजन अतिरिक्त आय का महत्वपूर्ण स्रोत होता है, जिससे उन्हें दैनिक जरूरतों को पूरा करने में सहायता मिलती है। विशेष रूप से ग्रामीण महिलाएं इस कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लेती हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत करने में सहयोग करती हैं। वन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य निर्धारित नियमों एवं गुणवत्ता मानकों के अनुसार कराया जाएगा। संग्रहण कार्य में लगे श्रमिकों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही जंगलों में आग जैसी घटनाओं से बचाव हेतु ग्रामीणों को जागरूक भी किया जा रहा है। ग्रामीणों ने

शासन एवं वन विभाग से मांग की है कि इस वर्ष तेंदूपत्ता का समर्थन मूल्य बढ़ाया जाए तथा भुगतान प्रक्रिया को और अधिक सरल एवं पारदर्शी बनाया जाए, जिससे संग्रहकों को सीधा लाभ मिल सके।

डीजे बंद कराने की बात पर युवक पर प्राणघातक हमला, सिर पर डंडा मारकर किया घायल, मुख्य आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम मोहझरी में शादी समारोह के दौरान हुए विवाद के बाद युवक पर जानलेवा हमला करने वाले मुख्य आरोपी को लांजी पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लकड़ी का डंडा भी जब्त किया है, जबकि मामले में शामिल एक विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम मोहझरी निवासी 30 वर्षीय देवेश रावते ने थाना लांजी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह गोंदिया की टीआईसी कंपनी में सर्वेयर का कार्य करता है। 9 मई को वह गांव में रमेश आठोड़े के यहां आयोजित शादी कार्यक्रम में शामिल होने गया था। कार्यक्रम के दौरान गांव के दीप उरकुड़े और उसका भाई कान्हा उरकुड़े डीजे पर नाचते समय आपस में विवाद कर रहे थे। विवाद बढ़ता देख देवेश ने दोनों को समझाइश देते हुए डीजे बंद करा दिया, जिससे मामला शांत हो गया। शिकायत के अनुसार, शादी समारोह के बाद जब देवेश अपने दोस्त अमन नाकतोड़े के साथ घर लौट रहा था, तभी सेलर मशीन के पास दीप उरकुड़े और कान्हा उरकुड़े ने उसे रोक लिया। दोनों ने डीजे बंद कराने की बात को लेकर गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर दीप उरकुड़े ने लकड़ी के डंडे से देवेश के सिर पर हमला कर दिया, जिससे उसका सिर फट गया और अत्यधिक रक्तस्राव होने लगा। बीच-बचाव करने पहुंचे अमन नाकतोड़े के साथ भी दोनों आरोपियों ने मारपीट की। मामले में थाना लांजी में अपराध क्रमांक 157/2026 के तहत धारा 296(2), 115(2), 351(3), 109(1), 3(5) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) ओमप्रकाश के निर्देशन में पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। तत्पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने मुख्य आरोपी दीप उरकुड़े पिता राजकुमार उरकुड़े, उम्र 21 वर्ष निवासी मोहझरी थाना लांजी जिला बालाघाट को 24 घंटे

के भीतर गिरफ्तार कर लिया। साथ ही घटना में प्रयुक्त डंडा जब्त किया गया तथा एक विधि विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि अग्रिम कार्रवाई उपरांत आरोपी एवं विधि विरुद्ध बालक को माननीय न्यायालय एवं किशोर न्याय बोर्ड बालाघाट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

इनकी रही भूमिका

पूरे मामले में वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी लांजी उनि दीप सिंह परमार, उनि सुन्दरलाल पवार, चेतन सोनी, आशुतोष सिंह एवं पवन धाकड़ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नगर की सड़कों पर आवारा पशुओं का डेरा, दुर्घटनाओं का बना रहता अंदेशा - नगर परिषद प्रशासन निष्क्रिय

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर में एक बार फिर आवारा पशुओं की सड़कों पर बढ़ती संख्या लोगों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गई है। गर्मी का मौसम शुरू होते ही नगर की मुख्य सड़कों, बाजार क्षेत्रों और चौक-चौराहों पर मवेशियों का जमावड़ा देखने को मिल रहा है। आवारा पशुओं के कारण जहां यातायात व्यवस्था प्रभावित हो रही है, वहीं दुकानदारों, राहगीरों और वाहन चालकों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नगर की प्रमुख सड़कों पर दिनभर गाय, बैल और अन्य मवेशी झुंड बनाकर बैठे रहते हैं, जिससे सड़कें संकरी हो जाती हैं और बड़े वाहनों के आवागमन में बाधा उत्पन्न होती है। कई बार वाहन चालक अचानक सामने आए पशुओं को बचाने के प्रयास में दुर्घटना का शिकार होते-होते बचते हैं। विशेष रूप से शाम के समय नगर क्षेत्र में स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब सड़क पर लोगों की भीड़ के बीच मवेशियों की आवाजाही बनी रहती है। सब्जी बाजार और किराना दुकानों के सामने घूम रहे आवारा पशु व्यापारियों के लिए भी सिरदर्द बने हुए हैं। सब्जी विक्रेताओं का कहना है कि पशु अचानक दुकानों के सामने पहुंचकर सब्जियां और फल नुकसान पहुंचा देते हैं, जिससे उन्हें आर्थिक हानि उठानी पड़ रही है। कई बार ग्राहकों के हाथों से सामान छीन लेने जैसी घटनाएं भी सामने आती हैं। नगर के नागरिकों ने बताया कि यदि कोई व्यक्ति

खरीदारी कर थैला मोटरसाइकिल में टांग देता है तो आवारा पशु उसे भी खाने लगते हैं, जिससे लोगों को असुविधा और नुकसान दोनों उठाना पड़ता है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि नगर परिषद द्वारा पहले समय-समय पर आवारा पशुओं की धरपकड़ की कार्रवाई की जाती थी, लेकिन लंबे समय से इस दिशा में प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। इसका परिणाम यह है कि पशुपालक भी अब अपने मवेशियों को खुला छोड़ने लगे हैं। नगर परिषद के पास आवारा पशुओं की पकड़ के लिए विशेष वाहन उपलब्ध होने के बावजूद स्थिति नियंत्रण में नहीं आ पा रही है।

नगरवासियों ने मांग की है कि नगर परिषद नियमित अभियान चलाकर आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्रवाई करे और पशु मालिकों के खिलाफ जुर्माना या अन्य दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करे। नागरिकों का मानना है कि यदि पशु मालिकों पर सख्ती की जाए तो आवारा पशुओं की समस्या पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है। नगर के लोगों ने प्रशासन से जल्द ठोस कदम उठाने की मांग करते हुए कहा है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो आने वाले दिनों में दुर्घटनाओं और परेशानियों में और बढ़ोतरी हो सकती है।

आतंकी इनपुट के बाद राजधानी दिल्ली हाई अलर्ट पर

नई दिल्ली। खुफिया एजेंसियों से मिले आतंकी हमले के इनपुट के बाद देश की राजधानी दिल्ली को हाई अलर्ट पर रखा गया है। संभावित खतरे की जानकारी मिलने के बाद से ही दिल्ली पुलिस और तमाम सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद हैं। शनिवार से ही शहर के संवेदनशील इलाकों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर सुरक्षा घेरा कड़ा कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय दिल्ली स्थित कई महत्वपूर्ण कार्यालयों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को निशाना बनाए जाने की आशंका जताई गई है। सुरक्षा के लिहाज से दीन दयाल उपाध्याय मार्ग स्थित भारतीय जनता पार्टी मुख्यालय और आसपास के सरकारी भवनों पर सशस्त्र जवानों की अतिरिक्त तैनाती की गई है। पुलिस ने इन क्षेत्रों में बैरिकेडिंग कर दी है और हर आने-जाने वाले वाहन की सघन तलाशी ली जा रही है। खुफिया अलर्ट में चेतावनी दी गई है कि आतंकी सुसाइड अटैक, आईईडी विस्फोट या अंधाधुंध गोलीबारी जैसी वारदातों की कोशिश कर सकते हैं। इस खतरे के मद्देनजर महत्वपूर्ण सरकारी इमारतों, राजनीतिक कार्यालयों, व्यस्त बाजारों, बस अड्डों और मेट्रो स्टेशनों पर एंटी-सबोटेज चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। बम निरोधक दस्ते, स्निफर डॉग यूनिट और क्विक रिएक्शन टीमों को स्टैंडबाय पर रखा गया है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी लावारिस वस्तु या संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत कंट्रोल रूम को दें। दिल्ली पुलिस की जिला इकाइयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे संवेदनशील बस्तियों में वेरिफिकेशन ड्राइव चलाएं और रैंडम चेकिंग तेज करें। वरिष्ठ अधिकारी लगातार सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर रहे हैं और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के साथ समन्वय बनाए हुए हैं। साथ ही, किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली फायर सर्विस को भी पूरी तैयारी के साथ अलर्ट मोड पर रहने को कहा गया है। शहर की सीमाओं पर भी चौकसी बढ़ा दी गई है ताकि किसी भी संदिग्ध वाहन का प्रवेश रोका जा सके।

एनडीए नेता ने की असम के राज्यपाल आचार्य से मुलाकात

गुवाहाटी। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के नेता असम में सरकार के गठन की प्रक्रिया को लेकर रविवार को असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात की। अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में राज्यपाल के साथ बैठक लोकभवन में तय थी। एक अधिकारी ने कहा कि नई सरकार के गठन से संबंधित मामलों पर चर्चा की गई। राज्य में राजग द्वारा सरकार बनाने का दावा पेश किया और असमगण परिषद (अगप) और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) इसके घटक दल हैं। असम विधानसभा चुनावों में राजग ने दो-तिहाई बहुमत के साथ लगातार तीसरी बार सत्ता हासिल किया है।

श्रीमती रामबती प्रकाशचंद हजारी का निधन

पद्मेश न्यूज। हट्टा। अत्यंत दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूजनीय माताजी श्रीमती रामबती प्रकाशचंद हजारी का निधन 85 वर्ष की उम्र में रविवार दिनांक 10/05/2026 को प्रातः 9.45 बजे हो चुका है। इनका अंतिम संस्कार

सोमवार दिनांक 11/05/2026 को प्रातः 10 बजे मोक्ष धाम हट्टा (बालाघाट) में किया जाएगा।

बंगाल में चला 'दादा' का जादू!

भाजपा की ऐतिहासिक जीत में मिथुन चक्रवर्ती की भूमिका अब चर्चा में

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत के बाद अब अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती एक बार फिर सुर्खियों में हैं। सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनने के बाद पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की भूमिका चर्चा में है, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान खींचा है 'दादा' यानी मिथुन चक्रवर्ती ने। मुख्यमंत्री सुवेंदु के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंच पर मिथुन चक्रवर्ती से विशेष मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच हुई लंबी बातचीत ने राजनीतिक गलियारों में यह संदेश दिया कि बंगाल में भाजपा की सफलता में मिथुन चक्रवर्ती की भूमिका को पार्टी शीर्ष नेतृत्व भी अहम मान रहा है। दरअसल शपथ ग्रहण समारोह में मिथुन चक्रवर्ती जैसे ही मंच पर पहुंचे, वहां मौजूद भाजपा नेताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलने के दौरान मिथुन ने सम्मान स्वरूप उनके पैर छूने की कोशिश की, लेकिन राजनाथ सिंह ने उन्हें रोक लिया। वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें गले लगाकर अभिवादन किया। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल औपचारिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि भाजपा नेतृत्व की ओर से मिथुन चक्रवर्ती के योगदान को सार्वजनिक सम्मान देने का संकेत भी था। मिथुन चक्रवर्ती लंबे समय से भाजपा के लिए बंगाल में सक्रिय रहे हैं। वर्ष 2021 में भाजपा में शामिल होने के बाद उन्होंने लगातार पार्टी के लिए प्रचार किया और बंगाल में भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। उस समय बंगाल की फिल्म इंडस्ट्री में भाजपा के समर्थन को लेकर काफी विरोध का माहौल माना जाता था। कई कलाकार खुलकर भाजपा के पक्ष में आने से बचते थे। ऐसे माहौल में मिथुन चक्रवर्ती का भाजपा से जुड़ना बड़ा राजनीतिक संदेश माना गया था। मिथुन चक्रवर्ती की लोकप्रियता केवल शहरी इलाकों तक सीमित नहीं रही। कोलकाता के उच्च वर्ग से लेकर सुंदरबन के मछुआरों और पुरुलिया के आदिवासी क्षेत्रों तक उनकी मजबूत पकड़ देखने को मिली। अपनी सभाओं और भाषणों में उन्होंने गरीबों, शोषितों और आम बंगालियों के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, मिथुन ने भाजपा और बंगाल की जनता के बीच भावनात्मक संबंध बनाने का काम किया।

झारखंड में बदला मौसम का मिजाज, कई जिलों में आंधी-बारिश और वज्रपात का अलर्ट

रांची। झारखंड में मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। मौसम केंद्र रांची ने राज्य के लगभग सभी जिलों के लिए आंधी, बारिश, वज्रपात और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। यह मौसमी बदलाव 11 मई से शुरू हुआ है और अगले कुछ दिनों तक जारी रहने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार राज्य में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। रांची, बोकारो, रामगढ़, हजारीबाग, खूंटी, धनबाद, गिरिडीह, देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, साहिबगंज सहित अधिकांश जिलों में मेघ गर्जन और वज्रपात की प्रबल संभावना है। दक्षिणी और मध्य झारखंड के जिलों में तेज हवा के साथ बारिश का असर अधिक देखने को मिल सकता है। लोगों को खराब मौसम के दौरान खुले स्थानों, पेड़ों और बिजली के खंभों से दूर रहने की सलाह दी गई है। तापमान की बात करें तो राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 19 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

एम्स भोपाल ने दवाओं के दुष्प्रभावों की जानकारी देने के लिए चलाया जागरूकता अभियान

भोपाल। एम्स भोपाल लगातार ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर रहा है, जिनसे आम लोगों को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां सरल तरीके से मिल सकें। इसी क्रम में एम्स भोपाल के फार्माकोलॉजी विभाग (जो क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र सह प्रतिकूल औषधि प्रतिक्रिया निगरानी केंद्र के रूप में कार्य करता है) ने सामुदायिक एवं परिवार चिकित्सा विभाग के सहयोग से रायसेन जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, ओबेदुल्लागंज में एक जागरूकता अभियान आयोजित किया।

कार्यक्रम में लोगों को सरल भाषा में समझाया गया कि कई बार दवाएं लेने के बाद मरीजों को एलर्जी, चक्कर, उल्टी, कमजोरी या अन्य स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे दुष्प्रभावों की जानकारी समय पर देना बहुत जरूरी है, ताकि भविष्य में अन्य मरीजों को नुकसान से बचाया जा सके। विशेषज्ञों ने बताया कि आम नागरिकों द्वारा दी गई जानकारी से दवाओं के नए और अज्ञात दुष्प्रभावों की पहचान करने में मदद मिलती है और इससे स्वास्थ्य सेवाओं को और सुरक्षित बनाया जा सकता है।

अभियान के दौरान प्रतिभागियों को भारत के फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम के अंतर्गत उपलब्ध विभिन्न रिपोर्टिंग सुविधाओं की जानकारी दी गई। लोगों को बताया गया कि यदि किसी दवा से परेशानी होती है तो इसकी सूचना टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1800-180-3024, उपभोक्ता रिपोर्टिंग प्रपत्र या मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से दी जा सकती है। विशेष रूप से मोबाइल एप्लिकेशन को आसान, सुविधाजनक और मरीजों के लिए उपयोगी माध्यम के रूप में प्रस्तुत किया गया।

प्रथम चरण में मकान सूचीकरण के तहत निगम सीमा अंतर्गत 01 लाख 60 हजार मकानों का हुआ सूचीकरण

भोपाल। भारत की जनगणना-2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में मकान सूचीकरण का कार्य प्रगति पर है। प्रगणकों/पर्यवेक्षकों ने जनगणना ब्लाक क्षेत्रों में 01 लाख 60 हजार मकानों पर जाकर सूचीकरण संबंधी जानकारी ऑनलाईन एप्प के माध्यम से एकत्र की। जनगणना-2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में जनगणना मकानों की सूचीकरण का कार्य के अंतर्गत प्रगणकों/सुपरवाइजरों ने आवंटित क्षेत्रों में जाकर मकानों के सूचीकरण संबंधी जनगणना निदेशालय के दिशा-निर्देशों अनुसार निर्धारित बिन्दुओं पर आधारित जानकारी एप्प के माध्यम से एकत्र की। जनगणना मकानों की सूचीकरण संबंधी कार्य के दौरान निगम सीमातंर्गत आने वाले क्षेत्रों में वर्तमान तक 01 लाख 60 हजार मकानों का सूचीकरण संबंधी कार्य पूर्ण कर लिया गया है। विभिन्न जोन क्षेत्रों में प्रगणकों ने 28 ब्लाकों में मकान सूचीकरण का कार्य पूर्ण भी कर लिया है। जोन क्रमांक 01 में 08 ब्लाक, जोन क्रमांक 03 में 02 ब्लाक, जोन क्रमांक 06 में 04 ब्लाक, जोन क्रमांक 08 में 02 ब्लाक, जोन क्रमांक 10 में 01 ब्लाक, जोन क्रमांक 12 में 01 ब्लाक, जोन क्रमांक 15 में 05 ब्लाक, जोन क्रमांक 18 में 03 ब्लाक तथा जोन क्रमांक 21 एवं 22 में 01-01 ब्लाक में मकान सूचीकरण का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। मकान सूचीकरण कार्य में जोन क्रमांक 15 के अंतर्गत सुपरवाइजर सर्कल क्रमांक 24 में मकान सूचीकरण ब्लाक क्रमांक 159 की प्रगणक श्रीमती अरूणा नरोलिया ने उत्कृष्ट कार्य करते हुए अपने ब्लाक का शत प्रतिशत कार्य पूर्ण कर लिया। सर्कल सुपरवाइजर श्रीमती मीनाक्षी शर्मा के मार्गदर्शन में प्रगणक श्रीमती अरूणा नरोलिया का निगम के जोन क्रमांक 15 के कार्यालय में सम्मान किया गया। शत प्रतिशत कार्य पूर्ण करने पर अधिकारियों व साथी कर्मचारियों ने उनकी कर्मठता, समर्पण तथा उत्कृष्ट कार्य शैली की प्रशंसा की और शुभकामनाएं भी दी।

इधर, किसानों को मिली बेहतर व्यवस्थाएं, उधर कारागारों पर कानूनी प्रावधानों का असर

CM की सीधी एंट्री से गेहूं खरीदी में सतत तेजी...

भोपाल

प्रदेश के अन्नदाता इस बार ज्यादा खुश नजर आ रहे है। कारण इस बार समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीदी में पिछले साल की अपेक्षा ज्यादा खरीदी का लक्ष्य, समर्थन मूल्य बढ़ा हुआ है और साथ में बोनस भी मिल रहा है। गेहूं खरीदी के लिए स्लाट और समयसीमा बढ़ाने के साथ ही गेहूं बेचने के सात दिन के भीतर किसानों के बैंक खातों में राशि पहुंच रही है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का उड़न खटोला भी इस बार उपार्जन केन्द्रों पर पहुंच रहा है और सीएम के कभी भी कहीं भी औचक निरीक्षण से उपार्जन केन्द्र पर तैनात अमला चौकन्ना है। कैबिनेट के मंत्री भी निरीक्षण कर रहे है साथ ही संभागों के कमिश्नर, जिलों के कलेक्टर के अलावा खाद्य विभाग, भंडार गृह निगम के 27 अफसरों की टीम भी गेहूं उपार्जन केन्द्रों के निरीक्षण और जांच के लिए मैदान में है। पिछले साल जहां राज्य सरकार ने 77 .74 लाख मीट्रिक टन गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीदी की थी वहीं इस बार मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आग्रह पर केन्द्र सरकार ने सौ लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की अनुमति दे दी है। इस बार किसानों से 2585 रुपए प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य के साथ चालीस रुपए प्रति क्विंटल अतिरिक्त बोनस के साथ गेहूं की समर्थन मूल्य पर खरीदी हो रही है। मध्यप्रदेश के सभी जिलों की कुल खरीदी की बात की जाए तो 9 मई तक 9 लाख 38 हजार 171 किसानों से 56 लाख 45 हजार मीट्रिक टन गेहूं की खरीदी की जा चुकी है।

सीएम खुद कर रहे औचक निरीक्षण

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव शाजापुर, उज्जैन और खरगौन के उपार्जन केन्द्रों पर औचक निरीक्षण के लिए पहुंच चुके है। वे यहां भुगतान में तेजी लाने,गेहूं तुलाई और किसानों के लिए की जा रही व्यवस्थाओं का मुआयना भी करते है और किसानो से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं का निराकरण भी मौके पर कर रहे है। इससे बिचौलिये गायब है। गड़बड़ी करने वालों में हड़कंप है। खाद्य मंत्री गोविंद राजपूत भी रायसेन सहित कई जिलों में दौरा कर औचक निरीक्षण कर रहे है। अन्य कई मंत्री, संभागायुक्त, कलेक्टर भी मैदान में उतर कर उपार्जन केन्द्रों की व्यवस्थाओं को देख रहे है और गड़बड़ी करने वालों पर कार्यवाही हो रही है। सीएम के खुद मैदान में उतरने, उपार्जन केन्द्रों पर पहुंचने से किसानों के चेहरों पर खुशी है कि वे कभी भी अपनी दिक्कत बता सकते है। टोल फ्री नंबर भी शुरु किए गए है जहां शिकायत की जा सकती है।

विभागीय अफसरों की 27 सदस्यीय टीम भी रोज पहुंच रही जांच करने

खाद्य विभाग, राज्य भंडार गृह निगम के महाप्रबंधक, अतिरिक्त प्रबंध संचालक, क्षेत्रीय प्रबंधक, उप संचालक, संयुक्त संचालक भी उपार्जन केन्द्रो का निरीक्षण करने पहुंच रहे है। ये दल गेहू उपार्जन, परिवहन, भंडारण परीक्षण भंडारण और भुगतान की मानीटरिंग कर रहे है। सभी को दो से तीन जिले बांटे गए है। ये जांच दल उपार्जन केन्द्रों पर व्यवस्थाओं और उनको भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड करा रहे है। गुणवत्ता का परीक्षण, एफएक्यू नार्मस में शिथिलता के अनुसार उपार्जन, भंडारण और परिवहन की प्रविष्टि करवा रहे है। उपार्जन केन्द्र से गोदामों की मैपिंग, परिवहन भंडारण, किसान परिवहन कर्ता और समितियों को भुगतान, उपार्जन संबंधी सीएम हेल्पलाईन में दर्ज शिकायतों का निराकरण भी कर रहे है। उपार्जन में आने वाली कठिनाईयों का निराकरण भी ये अफसर कर रहे है।

जमानती प्रावधानों ने 3 साल में जेलों से घटाई भीड़

बदलाव का यह कारण

कानूनी जानकारों के मुताबिक इस बदलाव के पीछे सबसे बड़ा कारण आपराधिक प्रक्रिया में किया गया वह प्रावधान है, जिसमें सात साल तक की सजा वाले अपराधों में थाने स्तर से जमानत देने की व्यवस्था लागू की गई है। इससे ऐसे मामलों में आरोपियों को सीधे जेल भेजने के बजाय थाने से ही जमानत मिलना संभव हुआ है। नए प्रावधान के बाद कई मामलों में गिरफ्तारी के बाद आरोपियों को थाने से ही राहत मिलने लगी है।

भोपाल

प्रदेश की जेलों में बंदियों की संख्या पिछले तीन वर्षों में लगातार घट रही है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक वर्ष 2023 से 2025 के बीच जेलों में निरुद्ध बंदियों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। विशेषज्ञ इसे उन कानूनी प्रावधानों का असर मान रहे हैं, जिनमें सात साल तक की सजा वाले अपराधों में थाने स्तर पर ही जमानत देने की व्यवस्था लागू की गई है। इस व्यवस्था के चलते ही प्रदेश में पिछले तीन साल की तुलना में सवा दो हजार से ज्यादा बंदियों की कमी जेल में आई है।

क्षमता से अधिक का बंदियों का प्रतिशत हुआ कम

जेल विभाग के आंकड़ों के अनुसार 31 दिसंबर 2023 को प्रदेश की जेलों में कुल 45 हजार543 बंदी निरुद्ध थे। यह संख्या 31 दिसंबर 2024 को घटकर 45 हजार 092 रह गई। वहीं 31 दिसंबर 2025 तक आते-आते यह आंकड़ा और कम होकर 43 हजार 211 पर पहुंच गया। यानी तीन वर्षों में 2 हजार 332 बंदियों की कमी दर्ज की गई है। इसी के साथ जेलों में क्षमता से अधिक बंदियों का दबाव भी घटता दिखाई दे रहा है। वर्ष 2023 में जेलों में क्षमता से अधिक बंदियों का प्रतिशत 52.45 था। यह वर्ष 2024 में घटकर 47.15 प्रतिशत और वर्ष 2025 में 39.46 प्रतिशत रह गया। यह गिरावट इस बात का संकेत है कि जेलों में भीड़ का संकट धीरे-धीरे कम हो रहा है।

31 हजार की है कैपेसिटी

प्रदेश मे वर्तमान मे कुल 133 जेलें संचालित है, जिनमे केंद्रीय , जिला, खुली और उप जेल शामिल हैं। इन जेलों की कुल स्वीकृत आवास क्षमता 30 हजार 984 बंदियों की है, जबकि 31 दिसंबर 2025 की स्थिति मे इनमें 43,211 बंदी निरुद्ध पाए गए। यानी क्षमता से करीब 12 हजार अधिक बंदी अभी भी जेलों में हैं, हालांकि पहले की तुलना मे दबाव कम हुआ है।

किस जेल में कितनी क्षमता

प्रदेश की 11 केंद्रीय जेलो की कुल क्षमता 15 हजार 176 बंदियों की है, जबकि इनमें 23 हजार 349 बंदी हैं। इसी तरह 41 जिला जेलो की क्षमता 10 हजार 169 है, लेकिन इनमे 13 हजार 742 बंदी रखे गए हैं। 8 खुली जेलों की क्षमता 138 है, जिनमें 118 बंदी निरुद्ध हैं। वहीं 73 उप जेलों मे कुल 5501 बंदियो की क्षमता के मुकाबले 6002 बंदी हैं। इससे स्पष्ट है कि कुछ श्रेणियों में भीड़ अब भी बनी हुई है।

50 निगम-मंडल-प्राधिकरणों को अध्यक्ष-उपाध्यक्ष नियुक्ति का इंतजार

एक पद के लिए तीन से चार नेता कतार में

भोपाल

विधानसभा चुनावों के ढाई साल पहले निगम मंडल, प्राधिकरणों में नियुक्ति की कवायद शुरू हुई तो 29 निगम-मंडल प्राधिकरणों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों के पदों पर जनप्रतिनिधियों की नियुक्ति हो चुकी है। लेकिन अभी भी पचास निगम-मंडल, प्राधिकरणों में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष और सदस्यों की ताजपोशी बाकी है। एक-एक पद के लिए तीन से चार जनप्रतिनिधि कतार में है। सत्ता और संगठन के अलावा केन्द्र से भी इन पदों पर तैनाती के लिए सिफारिशें आई है इसके चलते इनके नियुक्ति आदेश जारी होने में देरी हो रही है। अब एक महीने के भीतर आदेश जारी होने की संभावना है। इनमें कई पद लंबे समय से खाली पड़े है तो कई का कार्यकाल पूरा होने वाला है।

जिन बड़े निगम-मंडल प्राधिकरणों में अभी तक अध्यक्ष-उपाध्यक्ष और सदस्यों की तैनाती नहीं हुई है उनमें उर्जा विकास निगम, पर्यटन विकास निगम, स्टेट एग्रो इंडस्ट्रीज कारपोरेशन, राज्य इलेक्ट्रानिक डेवलपमेंट कार्पोरेशन, स्टेट माइनिंग कारपोरेशन, उर्जा विकास निगम, राज्य बीज एवं फार्म विकास निगम में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की तैनाती नहीं हुई है। राज्य कृषक आयोग के अध्यक्ष का पद भी लंबे समय से खाली है। मंडल और प्राधिकरणों की बात करें तो भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल, श्रम कल्याण मंडल में अध्यक्ष के पद 2024 से खाली पड़े है। मदरसा बोर्ड भोपाल के अध्यक्ष के पद पर तैनाती बाकी है। राज्य सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग, माटी कला बोर्ड, हज कमेटी, राज्य अल्पसंख्यक आयोग में अध्यक्ष के पद खाली पड़े है। समाजों से जुड़े बोर्ड में स्वर्णकला बोर्ड, विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड, रजक कल्याण बोर्ड, तेलघानी बोर्ड, विश्वकर्मा कल्याण बोर्ड, मां पूरी बाई कीर कल्याण बोर्ड के अध्यक्षों के पदों पर नियुक्ति की जाना बाकी है।

बीडीए-आईडीए में भी बढ़ा इंतजार

प्रमुख प्राधिकरण जहां अध्यक्षों की नियुक्ति होना बाकी है उनमें इंदौर विकास प्राधिकरण, भोपाल विकास प्राधिकरण में अध्यक्ष का एक और उपाध्यक्ष के दो, खजुराहो विकास प्राधिकरण, ओरछा विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरणअध्यक्ष का एक और उपाध्यक्ष का एक, देवास विकास प्राधिकरण में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, महेश्वर-मंडलेश्वर विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, पचमढ़ी विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, कटनी विकास प्राधिकरण सहित अन्य कुछ प्राधिकरणों में अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पद वर्ष 2024 से खाली पड़े है।

कार्यकाल पूरा होने के बाद भी नहीं हटेंगे उपभोक्ता आयोग के आठ अध्यक्ष और 11 सदस्य

भोपाल

मध्यप्रदेश के 31 जिलों में जिला उपभोक्ता प्रतितोषण आयोग काम कर रहे है। इन आयोगों में अध्यक्ष और सदस्यों की नियुक्ति चार वर्ष या 65 साल वर्ष की आयु सीमा जो पहले हो तक के लिए की जाती थी। लेकिन यहां नियुक्त 8 अध्यक्ष और 11 सदस्य ऐसे है जो सेवा शर्तों के तहत चार साल पूरा होने के बाद भी पद पर बने रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के कारण मध्यप्रदेश सरकार को ऐसा करना पड़ रहा है।

दरअसल उच्चतम न्यायालय में 21 मई 2025 को सिविल अपील गनेश कुमार राजेश्वर राव सेलुकर और ओआरएस वेसूस महेन्द्र भास्कर लिमये एवं ओआरएस में जारी आदेश में न्यायाधीश ने ऐसे अध्यक्ष और सदस्य जो राज्य एवं जिला आयोग में कार्यरत है उन्हें भारत सरकार द्वारा अधिसूचित किये जाने वाले नवीन नियमों के अनुसार भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने तक पद पर बने रहने के निर्देश दिए है। इसके चलते जो 11 सदस्य और 8 अध्यक्ष अभी 65 वर्ष के नहीं हुए है लेकिन चार वर्ष की सेवा पूरी कर चुके है ये सभी नवीन नियमों के अनुसार भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने तक या 65 वर्ष की अधिकतम आयु सीमा जो भी पहले हो पद पर बने रहेंगे।

PWD के विश्राम गृहों का आवंटन अब SDM नहीं विभाग के इंजीनियर करेंगे

भोपाल। लोक निर्माण विभाग के राजधानी मुख्यालय स्थित और जिला मुख्यालय, तहसील स्तर तथा तहसील स्तर से नीचे के विश्राम गृहों का आरक्षण, आवंटन अब जिले और तहसील के एसडीएम, तहसीलदार नहीं करेंगे बल्कि लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता, जिले के कार्यपालन यंत्री करेंगे। राजधानी स्थित विश्राम गृह का आरक्षण राज्य सत्कार अधिकारी करेंगे। जिलों के सर्किट हाउस का आरक्षण और आवंटन जिला कलेक्टर करेंगे। लेकिन लोक निर्माण विभाग के राजधानी मुख्यालय स्थित सभी रेस्ट हाउस का आरक्षण और आवंटन प्रमुख अभियंता कार्यालय में पदस्थ मुख्य अभियंता द्वारा किया जाएगा। जिला मुख्यालय, तहसील स्तर और तहसील स्तर से नीचे के विश्राम गृहों का आरक्षण संबंधित जिले के लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री करेंगे। दरअसल लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाए गए और विभाग के नियंत्रण में आने वाले जिले, तहसील और इससे नीचे के सभी रेस्ट हाउस का आरक्षण जिलों और तहसील में पदस्थ एसडीएम और तहसीलदार अपने स्तर पर करने लगे थे। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर जब इन रेस्ट हाउस का आरक्षण करते थे तो पता चलता था कि एसडीएम और तहसीलदार ने पहले ही किसी अन्य को ये रेस्ट हाउस आवंटित कर दिए है। जबकि इनका रखरखाव, संचालन लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर ही कर रहे थे। एसडीएम पावर न होने के बाद भी जिलों में रेस्ट हाउस आवंटित कर रहे थे। इसलिए लोक निर्माण विभाग ने विश्राम भवन (सर्किट हाउस)और विश्राम गृहों (रेस्ट हाउस) आरक्षित करने और आवंटित करने के अधिकारों को लेकर स्पष्ट आदेश मंत्रालय से जारी किए है। लोक निर्माण विभाग के उपसचिव एआर सिंह ने इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता और कार्यपालन यंत्रियों को दिए गए अधिकारों के संबंध में आदेश जारी कर भविष्य में जिले, तहसील और उसक नीचे के सभी रेस्ट हाउस विभागीय स्तर पर आरक्षित और आवंटित करने के निर्देश दिए है।

गोविन्द मालू की स्मृति में वैचारिक गोष्ठी का आयोजन

व्यक्तित्व और कृतित्व से बनता है सेवाभावी कार्यकर्ता: तोमर

इंदौर

राजनीति में सेवाभावी कार्यकर्ता बनना बड़ा कठिन है। इसमें परिश्रम के साथ धैर्य का होना भी जरूरी है। आध्यात्म के क्षेत्र में भी अनुयायी तो बहुत हो जाते हैं, लेकिन वे वास्तविकता के नजदीक नहीं होते हैं। कार्यकर्ता निर्माण निरंतर चलने वाली एक प्रक्रिया है। इसमें मेहनत तो बहुत अधिक है और उपलब्धियां बहुत कम हैं। अच्छा कार्यकर्ता अपने कृतित्व और व्यक्तित्व से बनता है। यह विचार विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर के हैं। वे इंदौर प्रेस क्लब तथा संस्था आनंद गोष्ठी के संयुक्त तत्वावधान में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता गोविन्द मालू के द्वितीय स्मृति प्रसंग गोविन्द गाथा कार्यक्रम के अंतर्गत जाल सभागृह में आयोजित राजनीतिक कार्यकर्ता का निर्माण-एक कठिन कार्य विषय पर एक विशेष वैचारिक गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में अपना संबोधन दे रहे थे। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, वरिष्ठ पत्रकार शरद द्विवेदी, सांसद शंकर लालवानी, मनासा विधायक माधव मारू, मालिनी गौड़, मनोज पटेल, गोलू शुक्ला, उष्मा मालू, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रणवीरसिंह रावत उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान सांसद शंकर लालवानी ने कहा कि स्व. मालू ने काफी संघर्ष किया और वे मेहनत से प्रदेश प्रवक्ता व मीडिया प्रभारी के पद तक पहुंचे। गोविंद मालू ने विषम परिस्थितियों में भी भाजपा को मजबूती प्रदान की।

एक सच्चा कार्यकर्ता तैयार करना वृक्ष को सींचने जैसा: यादव

पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अरुण यादव ने कहा कि वर्तमान दौर की राजनीति में संख्या बल और सोशल मीडिया का प्रभाव तो बढ़ा है, लेकिन वैचारिक प्रतिबद्धता वाले जमीनी कार्यकर्ताओं का अभाव होता जा रहा है। एक सच्चा कार्यकर्ता तैयार करना किसी वृक्ष को सींचने जैसा है। कार्यकर्ता के साथ सुख-दुख में 24 घंटे खड़ा रहना पड़ता है, तभी एक मजबूत संगठन खड़ा होता है।

हाशिए से नेतृत्व तक की थीम पर पहल...

कांग्रेस प्रोजेक्ट 'एम' से मुस्लिम महिलाओं में बनाएगी पैठ

भोपाल

प्रदेश में अपनी सियासी जमीन को मजबूत करने की कोशिशों में जुटी कांग्रेस ने अब एक ऐसे वर्ग पर फोकस किया है, जो राजनीति की मुख्यधारा से लंबे समय से दूर रहा है। भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में शनिवार को आयोजित प्रोजेक्ट एम के जरिए पार्टी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह अब मुस्लिम महिलाओं के बीच अपनी गहरी पैठ बनाने की तैयारी में है। हाशिये से नेतृत्व तक की थीम पर आधारित इस पहल का सीधा मकसद मुस्लिम समाज की उन महिलाओं को आगे लाना है, जो शिक्षित हैं, जागरूक हैं और अपने दम पर समाज में बदलाव ला रही हैं। इस बैठक में बौद्ध, जैन और सिख समाज की भी महिलाएं हैं, लेकिन इनकी संख्या उंगलियों पर गिनती वाली है। इस अभियान की सबसे दिलचस्प बात यह है कि कांग्रेस इस बार पुराने चेहरों के बजाय अल्प संख्यक वर्ग की उन महिलाओं को तवज्जो दे रही है जिनका कोई राजनीतिक बैकग्राउंड नहीं है। पार्टी ने विशेष रूप से उन महिलाओं को चुना है जो एनजीओ चलाती हैं, छोटे-बड़े व्यापार से जुड़ी हैं या पेशेवर क्षेत्रों में सक्रिय हैं। कांग्रेस का मानना है कि ये महिलाएं समाज में एक इन्फ्लुएंसर की भूमिका निभाती हैं। पार्टी ने इन महिलाओं से सीधे तौर पर अपील की है कि ये न केवल कांग्रेस से जुड़ें, बल्कि अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर समाज की अन्य मुस्लिम महिलाओं को भी पार्टी की विचारधारा और मुख्यधारा की राजनीति से जोड़ने की कड़ी बनें।

दो दशक से शून्य रही भागीदारी

दरअसल, मध्य प्रदेश कांग्रेस मे मुस्लिम महिलाओं की सक्रिय भागीदारी पिछले दो दशकों से लगभग शून्य रही है। साल 2003 के बाद से पार्टी ने किसी भी मुस्लिम महिला को विधानसभा के चुनावी मैदान में नहीं उतारा है। वर्ष 2003 में कांग्रेस ने विदिशा जिले की सिरोंज से डॉ. मसर्रत शाहिद को टिकट दिया था, लेकिन वे चुनाव नहीं जीत सकी थी।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी पंजाब

धर्मशाला। पंजाब किंग्स की टीम सोमवार को धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स पर जीत के इरादे से उतरेगी। पंजाब किंग्स की टीम लगातार तीन हार के बाद अंकतालिका में तीसरे स्थान पर फिसल गयी है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में सत्र की शुरुआत से ही बेहतर प्रदर्शन कर रही पंजाब का प्रदर्शन पिछले कुछ मुकाबलों में गिरा है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपने क्षेत्ररक्षण को भी बेहतर करना होगा। हैदराबाद के खिलाफ पिछले मैच में टीम ने काफी कैच छोड़े थे जिससे उसके हाथ से मैच निकल गया था। इसके अलावा उसके गेंदबाज भी पिछले मैच में असफल रहे थे। उसे अब ये कमी भी दूर करनी होगी। पंजाब की बल्लेबाजी प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह के अलावा श्रेयस पर भी निर्भर करेगी। गेंदबाजों में उसके पास तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के अलावा स्पिनर यजुवेन्द्र चहल भी हैं। पंजाब के अभी 13 अंक हैं और उसे प्लेऑफ में पहुंचने दो जीत चाहिये।

ऐसे में टीम का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही लय हासिल करना रहेगा। वहीं दूसरी ओर दिल्ली कैपिटल्स की टीम 8 अंक लेकर आठवें स्थान पर है और उसकी प्लेऑफ की उम्मीदें तकरीबन समाप्त हो गयी हैं पर वह पंजाब का खेल जरूर बिगाड़ सकती है। अक्षर पटेल की कप्तानी में कैपिटल्स का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। टीम अपने पिछले छह मुकाबलों में से पांच हारी है और अंक तालिका में आठवें नंबर पर है। टीम के बल्लेबाज ओर गेंदबाज उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं। बल्लेबाजी में केवल केएल राहुल ही रन बना पाये हैं। गेंदबाजी में उसके पास मिचेल स्टार्क और टी नटराजन भी हैं। स्टार्क भी वापसी के बाद से ही प्रभावित नहीं कर पाये हैं जिससे भी टीम का प्रदर्शन खराब हुआ है। अब तक दोनो टीमों के बीच 36 मैच हुए हैं जिसमें से पंजाब ने 18 जबकि दिल्ली ने 17 जीते हैं।

पंजाब किंग्स संभावित टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, विष्णु विनोद, निहाल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसेन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्युसन, हरप्रीत बरार, विजयकुमार वैशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वारशुइस, प्रवीण दुबे, पायला अविनाश और विशाल निषाद।

दिल्ली कैपिटल्स संभावित टीम

अक्षर पटेल (कप्तान), अभिषेक पोरेल, लोकेश राहुल, नितीश राणा, समीर रिजवी, ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा, दुष्मंता चमीरा, कुलदीप यादव, मुकेश कुमार, विपराज निगम, मिचेल स्टार्क, त्रिपुराना विजय, डेविड मिलर, आकिब नबी डार, पथुम निसांका, लुंगी एनगिडी, पृथ्वी शॉ, काइल जेमिसन, अजय जाधव मंडल, माधव तिवारी, साहिल पारख, करुण नायर और टी नटराजन।

आईपीएल अंकतालिका में दूसरे स्थान पर पहुंची गुजरात टाइटंस

जयपुर। गुजरात टाइटंस ने राजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हराकर आईपीएल के 19 वें सत्र में लगातार चौथी जीत के साथ ही अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। यह गुजरात की रनों को देखते हुए आईपीएल में अब तक की सबसे बड़ी जीत है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए गुजरात ने 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 229 रन बनाये। जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम 16.3 ओवर में ही केवल 152 रनों पर ही सिमट गयी।

इस मैच में शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 118 रन बनाये। सुदर्शन ने 36 गेंदों में 55 रन बनाए, जबकि शुभमन ने 44 गेंदों पर 84 रन बनाये। वहीं अंत में, वॉशिंगटन सुंदर ने 20 गेंदों में नाबाद 37 रन और राहुल तेवतिया ने नाबाद 14 रन बनाकर टीम को 229 के लक्ष्य तक पहुंचाया। गुजरात टाइटंस की ओर से बृजेश शर्मा ने सबसे अधिक 2 विकेट लिए।

इसके बाद 230 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। यशस्वी जायसवाल सिर्फ 3 रन बनाकर सस्ते में पवेलियन लौट गए। वैभव सूर्यवंशी 36 रन पर ही आउट हो गये। ध्रुव जुरेल 24 और शिमरोन हेटमायर 6 रनों पर ही आउट हो गये। रवींद्र जडेजा ने 25 गेंदों में 38 रन बनाये। शुभम दुबे 15 और जोफ्रा आर्चर 5 रन बनाकर पैवेलियन लौट गये। दासुन शनाका ने 16 रन बनाये।

दूसरी ओर गुजरात से राशिद खान ने 33 रन देकर 4 विकेट लिए। जेसन होल्डर ने भी कमाल की गेंदबाजी करते हुए 2.3 ओवर में महज 12 रन खर्च कर 3 विकेट लिए। वहीं कगिसो रबाडा को दो और सिराज को एक विकेट मिला। यह गुजरात टाइटंस की रनों के हिसाब से आईपीएल में सबसे बड़ी जीत है, जिसने उनके 2023 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ 62 रनों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। वहीं, राजस्थान रॉयल्स को यशस्वी जायसवाल की कप्तानी में अपनी चौथी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही गुजरात 11 मैचों में 14 अंक लेकर दूसरे स्थान पर आ गयी है, जबकि राजस्थान को 11 मैचों में अपनी 5वीं हार झेलनी पड़ी और वह अंक तालिका में वह 5वें पायदान पर फिसल गई है। यह गुजरात की इस सत्र की सातवीं जीत थी। सनराइजर्स हैदराबाद 14 अंक और बेहतर रन रेट होने के कारण पहले स्थान पर है, वहीं पंजाब किंग्स 13 अंक लेकर तीसरे जबकि रॉयल चैलेंजर्स और राजस्थान रॉयल्स 5-5 अंक लेकर चौथे और पांचवे नंबर पर है।

रॉयल्स टीम के नये मालिक लक्ष्मी मित्तल यशस्वी सहित सभी खिलाड़ियों से मिले

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स फ्रैंचाइजी के नये मालिक लक्ष्मी मित्तल ने यशस्वी जायसवाल सहित सभी टीम के सभी खिलाड़ियों से मुलाकात की है। मित्तल ने यशस्वी जायसवाल और कप्तान रियान पराग के साथ बात की। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब टीम प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की करने के लिए संघर्ष कर रही है और माना जा रहा है कि टीम मालिका से मिलकर उसका हौसला बढ़ा होगा। मित्तल परिवार ने सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के के साथ मिलकर राजस्थान रॉयल्स फ्रैंचाइजी को खरीदा है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे एक वीडियो में लक्ष्मी मित्तल को गुजरात टाइटन्स के मैच से पहले अभ्यास सत्र के दौरान खिलाड़ियों के साथ बातचीत करते हुए देखा गया।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में दिखेगा नोरा फतेही का जलवा

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर डांसर और ग्लोबल स्टार नोरा फतेही एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन करने जा रही हैं। नोरा अब फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी में अपनी शानदार परफॉर्मेंस और सिंगिंग का जलवा बिखेरेंगी। यह भव्य आयोजन कनाडा के टोरंटो शहर में आयोजित किया जाएगा। नोरा का इस प्रतिष्ठित मंच पर शामिल होना भारतीय मनोरंजन जगत के लिए बेहद गर्व की बात माना जा रहा है। दुनियाभर में अपनी डांस परफॉर्मेंस और स्टेज प्रेजेंस के लिए पहचान बना चुकीं नोरा अब वैश्विक स्तर पर एक बार फिर भारतीय कला और संस्कृति का प्रतिनिधित्व करती नजर आएंगी।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 की ओपनिंग सेरेमनी 12 जून को टोरंटो के प्रसिद्ध बीएमओ फील्ड स्टेडियम में आयोजित होगी। इस खास कार्यक्रम में नोरा फतेही के साथ कई बड़े अंतरराष्ट्रीय कलाकार भी मंच साझा करेंगे। इनमें माइकल बुबले, एलानिस मॉरिसेट, एलेसिया कारा, एलियाना, जेसी रेयेज, संजॉय, वेंगेड्रीम और विलियम प्रिंस जैसे लोकप्रिय नाम शामिल हैं। वहीं अमेरिका में आयोजित होने वाली दूसरी ओपनिंग सेरेमनी में अनीता, फ्यूचर, कैटी पेरी, लिसा, रेमा और टायला जैसे ग्लोबल सुपरस्टार्स अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इस तरह फीफा वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ फुटबॉल का महाकुंभ नहीं बल्कि संगीत, संस्कृति और मनोरंजन का भी विशाल उत्सव बनने जा रहा है।

फीफा की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, कनाडा में होने वाली ओपनिंग सेरेमनी के जरिए देश की संस्कृति, विविधता और परंपराओं को दुनिया के सामने पेश किया जाएगा। समारोह में कनाडा की खूबसूरत लोकेशनों और सांस्कृतिक विरासत को विशेष प्रस्तुति के माध्यम से दिखाया जाएगा। आयोजकों के मुताबिक यह कार्यक्रम एकता, उत्साह और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक होगा।

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा कि टोरंटो में होने वाली यह ओपनिंग सेरेमनी कनाडा की पहचान और फुटबॉल के प्रति वहां के लोगों के उत्साह को दुनिया के सामने पेश करेगी। उन्होंने कहा कि संगीत और शानदार प्रस्तुतियों के जरिए दुनियाभर से आए दर्शकों का स्वागत किया जाएगा। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में कुल 104 मुकाबले खेले जाएंगे, जो 16 अलग-अलग शहरों में आयोजित होंगे। टूर्नामेंट की शुरुआत 11 जून को मेक्सिको सिटी से होगी, जबकि फाइनल मुकाबला 19 जुलाई को न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी स्टेडियम में खेला जाएगा।

चार ओवर फेंकने के लिए पूरी तरह फिट हूं-कैमरून ग्रीन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चौथी जीत दर्ज की है। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कोलकाता ने दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराकर प्लेऑफ की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इस मुकाबले में फिन एलन ने नाबाद शतकीय पारी खेलकर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया, जबकि ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन ने बल्ले और गेंद दोनों से अहम योगदान देकर टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई।

मैच के बाद कैमरून ग्रीन ने अपनी फिटनेस और गेंदबाजी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह अब पूरी तरह फिट हैं और टीम के लिए पूरे चार ओवर फेंकने के लिए तैयार हैं। ग्रीन ने कहा कि कोलकाता की टीम का संतुलन काफी मजबूत है और उनके पास कई गेंदबाजी विकल्प मौजूद हैं, जिससे उन्हें गेंदबाजी करने में आसानी होती है। उन्होंने खास तौर पर अनुकूल रॉय की तारीफ करते हुए कहा कि बाएं हाथ के इस ऑलराउंडर ने मिडिल ओवरों में शानदार गेंदबाजी की है और टीम के आक्रमण को मजबूती दी है। ग्रीन ने बताया कि वह पावरप्ले, मध्य ओवरों और डेथ ओवरों में भी गेंदबाजी करने के लिए तैयार रहते हैं।

गौरतलब है कि आईपीएल 2026 के शुरुआती मुकाबलों में कैमरून ग्रीन ने गेंदबाजी नहीं की थी। पीठ की चोट से उबरने के बाद टीम प्रबंधन उन्हें केवल बल्लेबाज के तौर पर इस्तेमाल कर रहा था। हालांकि अब वह पूरी तरह फिट नजर आ रहे हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में उन्होंने गेंदबाजी करते हुए एक महत्वपूर्ण विकेट भी हासिल किया और नितीश राणा को आउट कर टीम को अहम सफलता दिलाई। ग्रीन ने बल्लेबाजी क्रम को लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि शुरुआती कुछ मैचों में टीम सही संयोजन तलाश रही थी, लेकिन अब खिलाड़ियों की भूमिकाएं स्पष्ट हो चुकी हैं। उनके मुताबिक अब टीम को समझ आ गया है कि किस खिलाड़ी को किस नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। ग्रीन का मानना है कि कोलकाता की टीम अब सही दिशा में आगे बढ़ रही है। इस सीजन वह बल्ले से भी शानदार फॉर्म में हैं और अब तक 232 रन बनाने के साथ चार विकेट भी हासिल कर चुके हैं।

आईपीएल 2026 मेगा ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स ने कैमरून ग्रीन को 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। इतनी बड़ी कीमत को लेकर पूछे गए सवाल पर ग्रीन ने कहा कि उन्हें कभी अतिरिक्त दबाव महसूस नहीं हुआ। उन्होंने बताया कि टीम प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ ने हमेशा उनका समर्थन किया और कीमत को लेकर कभी चर्चा नहीं की। लगातार चार जीत के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स ने प्लेऑफ की रेस में दमदार वापसी कर ली है और अब टीम की नजर टॉप-4 में जगह बनाने पर टिकी हुई है।

वैभव सूर्यवंशी टी20 क्रिकेट में सबसे तेजी से 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बने

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेल रहे वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) लीग में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में अपनी 36 रनों की पारी में तीन छक्के लगाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है।अपनी इस पारी के साथ ही वैभव ने टी20 क्रिकेट में एकसाथ कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं।

वैभव अब टी20 क्रिकेट में सबसे तेज और सबसे कम उम्र में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। वैभव ने केवल 29 टी20 पारियों में हासिल की, जो अपने आप में एक बड़ा रिकार्ड है। वैभव ने केवल 514 गेंदों में अपने 100 टी20 छक्के पूरे कर लिए हैं, जो इससे पहले किसी भी बल्लेबाज ने इतनी कम गेंदों में नहीं किया था।

वहीं इससे पहले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज करणबीर सिंह ने 813 और वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेर कीरोन पोलार्ड ने 843 गेंदों में 100 टी20 छक्के लगाए थे।

वैभव ने पावरप्ले में सबसे अधिक छक्के लगाने का नया रिकॉर्ड भी बनाया है। उन्होंने मौजूदा सीजन में पावरप्ले के भीतर कुल 30 छक्के लगाये हैं, जिससे उन्होंने 2024 सीजन में अभिषेक द्वारा बनाए गए 29 छक्कों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। अभिषेक शर्मा ने 2026 सीजन में भी 27 छक्के लगाए हैं, जबकि सनथ जयसूर्या (2008), ट्रेविस हेड (2024) और यशस्वी जायसवाल (2025) जैसे दिग्गजों ने अपने-अपने सीजन में 22-22 छक्के लगाए थे। अगर देखा जाये तो वैभव ने अबतक के आईपीएल सीजन में 40 छक्के लगाए हैं, जो किसी एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले भारतीयों की सूची में अभिषेक शर्मा (42 छक्के, 2024) के बाद दूसरे स्थान पर है। श्रेयस अय्यर (39 छक्के, 2025), विराट कोहली (38 छक्के, 2016 और 2024) और सूर्यकुमार यादव (38 छक्के, 2025) जैसे नाम भी इस विशिष्ट सूची में शामिल हैं, जो वैभव की उपलब्धियों को और भी खास बनाते हैं।

भारतीय महिला टीम ने तीरंदाजी विश्व कप में चीन को हराकर स्वर्ण जीता

शंघाई। दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और युवा कुमकुम मोहोद वाली भारतीय महिला रिकर्व टीम ने यहां हुए तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में चीन को हराकर स्वर्ण पदक जीता है। दीपिका, अंकिता और कुमकुम ने मेजबान चीनी खिलाड़ियों को फाइनल शूट-ऑफ मुकाबले में 5-4 (28-26) से हराया। इसी के साथ ही भारतीय महिला रिकर्व टीम ने साल 2021 के बाद विश्व कप में पहला स्वर्ण पदक जीता है। भारतीय टीम ने पहले सेट में 54-53 के अंतर से जीत हासिल की। इसके बाद चीनी टीम ने जबरदस्त वापसी करते हुए अगले दो सेट (55-52 और 57-56) जीते और 4-2 की बढ़त बना ली, जिससे भारतीय खेमे पर दबाव बढ़ गया। भारतीय टीम ने चौथे सेट में मुकाबला 4-4 से बराबर कर दिया, जिससे जीत का फैसला शूट-ऑफ पर आ टिका। निर्णायक शूट-ऑफ में, भारतीय तीरंदाजों ने जबरदस्त खेल दिखाया। अंकिता भकत ने सटीक नौ अंक हासिल किये। इसके बाद कुमकुम मोहोद ने दबाव के बीच सीधा 10 का स्कोर किया। जीत के लिए भारत को केवल आठ अंक की आवश्यकता थी, और अनुभवी दीपिका कुमारी ने नौ अंक हासिल कर भारतीय टीम को जीत दिला दी। इससे आगामी पेरिस ओलंपिक के लिए भी टीम का मनोबल बढ़ा है। भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में 10 बार की ओलंपिक चैंपियन दक्षिण कोरिया और फिर, चीन को उसके घरेलू मैदान पर हराया था। ये जीत इसलिए भी अहम है क्योंकि टीम बिना किसी राष्ट्रीय कोच के खेल रही थी। शंघाई विश्व कप में भारत के लिए यह दूसरा पदक है। इससे पहले, कंपाउंड तीरंदाज साहिल जाधव ने कांस्य पदक जीतकर देश का खाता खोला था।

धोनी को खेलते रहना चाहिए, उनके जैसा विकेटकीपर कोई नहीं-माइकल क्लार्क

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारतीय क्रिकेट के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी की जमकर तारीफ करते हुए कहा है कि उम्र बढ़ने के बावजूद उन्हें प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलना जारी रखना चाहिए। क्लार्क का मानना है कि धोनी का खेल पर प्रभाव आज भी बेहद खास है और टी20 क्रिकेट में उनसे बेहतर विकेटकीपर कोई नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि जिस दिन धोनी क्रिकेट से संन्यास लेंगे, उसके बाद शायद वह किसी भी रूप में खेल से जुड़े नजर नहीं आएंगे। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 शुरू होने से पहले महेंद्र सिंह धोनी को पिंडली में खिंचाव की समस्या हो गई थी। इसके बाद चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से जानकारी दी गई थी कि 44 वर्षीय धोनी शुरुआती कुछ मुकाबले ही मिस करेंगे। हालांकि टीम अब तक 10 मैच खेल चुकी है, लेकिन धोनी मैदान पर वापसी नहीं कर पाए हैं। वह लगातार नेट्स में अभ्यास जरूर कर रहे हैं, लेकिन मैचों के दौरान टीम के साथ यात्रा नहीं कर रहे। उनकी गैरमौजूदगी ने प्रशंसकों को निराश किया है, लेकिन माइकल क्लार्क का मानना है

कि धोनी और चेन्नई सुपर किंग्स एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकते।

एक पॉडकास्ट' में बातचीत के दौरान माइकल क्लार्क ने कहा कि महेंद्र सिंह धोनी ही चेन्नई सुपर किंग्स की असली पहचान हैं। उन्होंने कहा कि जब भी चेन्नई का मैच होता है तो स्टेडियम में ज्यादातर दर्शक नंबर 7 वाली पीली जर्सी पहनकर पहुंचते हैं। यहां तक कि टीम के साथ जुड़ने वाले प्रायोजक भी चाहते हैं कि धोनी टीम का हिस्सा बने रहें। क्लार्क ने कहा कि भारत और चेन्नई सुपर किंग्स दोनों के लिए धोनी का महत्व बेहद बड़ा है और उम्र को उनकी क्षमता का पैमाना नहीं माना जाना चाहिए।

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने कहा कि कोई भी उन्हें यह समझा नहीं सकता कि वर्तमान समय में टी20 क्रिकेट में धोनी से बेहतर विकेटकीपर मौजूद है। उनके अनुसार धोनी की विकेटकीपिंग कौशल, मैच को पढ़ने की क्षमता और दबाव में शांत रहने का अंदाज उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाता है। उन्होंने प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों से अपील की कि वे धोनी के संन्यास की मांग करना बंद करें और उन्हें जितना चाहें उतना क्रिकेट खेलने दें।

चहल को ई-सिगरेट सेवन के लिए होनी चाहिये जेल-शिवरामकृष्णन

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय स्पिनर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल के उड़ान के दौरान ई सिगरेट (वेप) का सेवन करने को लेकर कड़ी फटकार लगायी है। शिवरामकृष्णन के अनुसार इस प्रकार के गलत काम के लिए चहल पर जुर्माना ही काफी नहीं होगा। उन्हें जेल भी भेजा जाना चाहिये। शिवरामकृष्णन ने इस मामले को लेकर चहल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की है।

चहल पर हैदराबाद की फ्लाइट में वेप सेवन का आरोप है। इसका एक वीडियो भी तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने जारी किया था। चहल आईपीएल 2026 के दौरान वेप का सेवन करने के मामले में फंसे दूसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग भी पंजाब किंग्स के ड्रेसिंग रूम में वेप का सेवन करते पकड़े गये थे। इस कारण उनपर मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगा था पर शिवरामकृष्णन का मानना है कि चहल का मामला अलग है उन्होंने लोगों की सुरक्षा को खतरे में डाला है उन्हें इसके लिए जेल भेजा जाए।

शिवरामकृष्णन ने सोशल मीडिया में लिखा, ऋभारत में वेप पर प्रतिबंध है। उन्हें जेल में होना चाहिए। कानून बनाकर अगर उन्हें लागू नहीं किया जाए तो उसका क्या लाभ। मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना तो बहुत कम है। साथ ही सवाल किया कि अगर कोई आम आदमी ऐसा करता तो उसके खिलाफ भी क्या यही कार्रवाई होती ?ऋ

वहीं बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने अपनी सलाह में लिखा, ऋड्रेसिंग रूम और टूर्नामेंट वेन्यू के अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में वेपिंग के मामले बीसीसीआई की नजर में आए हैं। गौरतलब है कि भारत के लागू कानून के तहत वेप और इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट प्रतिबंधित हैं।

शुभमन लगातार सात आईपीएल सत्र में 400 रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने

जयपुर। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास में एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम किया है। शुभमन ने इस मैच में 44 गेंदों पर ही 84 रनों की पारी के साथ ही अपने 400 आईपीएल रन पूरे किये। इसी के साथ ही शुभमन लगातार सात आईपीएल सीजन में 400 या उससे अधिक रन बनाने वाले विश्व के केवल तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। शुभमन ने साल 2020 के सत्र से ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। वहीं साल 2026 के सत्र में भी यह सिलसिला बना रहा। उन्होंने साल 2020 और 2021 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की ओर से खेलते हुए ये उपलब्धि हासिल की थी। इसके बाद साल 2022 में गुजरात टाइटंस से जुड़ने के बाद से ही वह लगातार रन बनाते आये हैं। आईपीएल में उनसे पहले केवल दो खिलाड़ियों के नाम ही ये रिकार्ड है।

वहीं इससे पहले सुरेश रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से साल 2008 से 2014 तक लगातार सात आईपीएल सीजन में 400 से अधिक रन बनाए थे। रैना ने इस दौरान सीएसके के आधार बने रहे। उनके बाद सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने भी यह रिकार्ड अपने नाम किया। धवन ने साल 2016 से 2022 तक लगातार सात आईपीएल सत्र में 400 या उससे अधिक रन बनाए। इस अवधि में उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद (2016-2018), दिल्ली कैपिटल्स (2019-2021) और पंजाब किंग्स (2022) का प्रतिनिधित्व करते हुए जमकर रन बनाये। अब शुभमन भी इस विशेष क्लब में शामिल हो गये हैं। गिल की व्यक्तिगत उपलब्धियों के साथ-साथ, उनकी कप्तानी में गुजरात टाइटंस ने इस मैच में राजस्थान रॉयल्स को 77 रनों से हरा दिया। इससे टीम अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। अब तक टीम ने 11 मैचों में 7 जीत के साथ ही 14 अंक हासिल किये हैं। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह बन गयी है।

राशिद आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले विदेशी स्पिनर बने

जयपुर। गुजरात टाइटंस के स्पिनर राशिद खान ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच में अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाने के साथ ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। राशिद ने इस मैच में चार विकेट लेकर राजस्थान रॉयल्स को 152 रनों पर आउट करने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम की है। राशिद अब आईपीएल इतिहास में विदेशी स्पिनर के तौर पर सबसे ज्यादा बार तीन या उससे अधिक विकेट लेने वाले खिला ?ी बन गए हैं। उन्होंने इसी के साथ ही कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के अनुभवी स्पिनर सुनील नरेन को भी पीछे छो ? दिया है। यह ये 18 वीं बार है जब राशिद ने आईपीएल मैच में तीन या उससे ज्यादा विकेट लिए हैं। इस उपलब्धि के साथ ही अब वह अमित मिश्रा और रवींद्र जडेजा जैसे भारत के प्रमुख स्पिनरों से आगे निकल गए हैं। अब केवल स्पिनर युजवेंद्र चहल ही उनसे आगे हैं, जिन्होंने 23 बार यह कारनामा किया है। अगर हम तेज गेंदबाजों को भी शामिल कर लें, तो राशिद से अधिक विकेट केवल जसप्रीत बुमराह के नाम 25, भुवनेश्वर कुमार के 21 और लसिथ मलिंगा के नाम 19 विकेट हैं। मैच के बाद अपनी गेंदबाजी पर बात करते हुए राशिद खान ने बताया कि पहली गेंद फेंकते ही उन्हें पिच से मदद मिलने का एहसास हो गया था। उन्होंने कहा, मुझे बस अपनी गेंदों की गति को लगातार बदलते रहना था। मैं सही जगह पर गेंद डालने और स्टंप्स को निशाना बनाने की कोशिश कर रहा था। मुझे लगा कि अगर मैं स्टंप्स से दूर गेंद डालूंगा, तो बल्लेबाज के लिए रन बनाना या चौका मारना आसान हो जाएगा। उन्होंने आगे जोर दिया कि उनके लिए सबसे महत्वपूर्ण सही लेंथ और लाइन पर ध्यान देना था, ताकि गेंद तीनों स्टंप्स के बीच ही रहे।

पांच राज्यों में चुनाव संपन्न कराने के बाद तीर्थयात्रा पर निकले चुनाव आयुक्त ज्ञानेश

परिवार संग तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की, भगवान का माना आभार

कोलकाता। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव के चलते चुनाव आयोग काफी व्यस्त था। ऐसे में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का मसरूफ रहना भी स्वाभाविक है। ऐसे में अब सवाल उठता है कि विधानसभा चुनाव के संपन्न होने के बाद ज्ञानेश कुमार कहां हैं? इसका जवाब है ज्ञानेश कुमार परिवार के साथ तीर्थयात्रा पर गए हैं। उन्होंने आंध्र प्रदेश में स्थिति विश्व प्रसिद्ध तिरुमला वेंकटेश्वर मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सुबह आंध्र प्रदेश स्थित तिरुमाला वेंकटेश्वर मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन किए। उन्होंने मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना कर सफल चुनाव प्रक्रिया के लिए भगवान का आशीर्वाद लिया। इस दौरान उनकी पत्नी भी उनके साथ थीं। दोनों ने मंदिर में विधिवत पूजा कर देश में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव संपन्न होने पर सर्वशक्तिमान ईश्वर का आभार व्यक्त करते हुए उनका धन्यवाद किया। मंदिर प्रशासन की ओर से दंपति का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। दर्शन के बाद उन्होंने मंदिर परिसर में कुछ समय बिताया और धार्मिक अनुष्ठानों में हिस्सा लिया। बता दें हाल ही में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव संपन्न हुए हैं, जिन्हें चुनाव आयोग ने शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से आयोजित कराया। चुनाव प्रक्रिया के सफल समापन के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त का यह पहली धार्मिक यात्रा है। बता दें आंध्र प्रदेश के तिरुमला स्थित भगवान वेंकटेश्वर मंदिर देश ही नहीं, बल्कि दुनिया के सबसे प्रसिद्ध और सर्वाधिक दर्शन किए जाने वाले तीर्थस्थलों में शामिल है। भगवान विष्णु के अवतार माने जाने वाले श्री वेंकटेश्वर स्वामी को समर्पित यह प्राचीन मंदिर तिरुमला की शेषाचलम पहाड़ियों की सातवीं चोटी पर स्थित है। श्रद्धालु इसे कलियुग वैकुंठ और कलियुग प्रत्यक्ष दैवम के नाम से भी जानते हैं। द्रविड़ शैली की भव्य वास्तुकला वाला यह मंदिर धार्मिक आस्था और समृद्ध परंपराओं का अद्भुत संगम माना जाता है। मंदिर परिसर सुबह लगभग छह बजे से रात आठ बजे तक श्रद्धालुओं के लिए खुला रहता है, हालांकि भीड़ के मुताबिक समय में बदलाव संभव है।

सिग्नल टावर पर किसने लगाया तीसरी आंख का पहरा?

मुजफ्फरपुर से पूरे देश में अलर्ट- रेलवे ट्रैक और टावरों की सुरक्षा जांच तेज

मुजफ्फरपुर। हाजीपुर रेलखंड पर सराय स्टेशन के पास एक सिग्नल टावर पर संदिग्ध हाईटेक इंटरनेट प्रोटोकॉल कैमरा मिलने से हड़कंप मच गया है। इस गंभीर सुरक्षा चूक के सामने आने के बाद पूरे देश में रेलवे सुरक्षा को लेकर हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आरपीएफ, एटीएस, एसटीएफ और खुफिया एजेंसियां संयुक्त रूप से जांच में जुट गई हैं। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि इस कैमरे का इस्तेमाल किसी आतंकी नेटवर्क द्वारा रेलवे की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जा रहा था। आरपीएफ महानिदेशक ने देशभर के अधिकारियों को सतर्कता बढ़ाने और विशेष निगरानी के लिए 12 सूत्रीय निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत पूर्व मध्य रेल के सभी पांचों मंडलों में स्टेशन परिसरों, सिग्नल टावरों और पटरियों के पास लगे कैमरों की गहन जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारी यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि सभी कैमरे रेलवे द्वारा ही लगाए गए हों। समस्तीपुर और सोनपुर सहित विभिन्न रेल मंडलों के प्रबंधकों से इस संबंध में तत्काल रिपोर्ट मांगी गई है। रेलवे इंटेलिजेंस और आर्मी इंटेलिजेंस भी इस मामले की गहराई से पड़ताल कर रही है। आरपीएफ क्राइम ब्रांच की टीम नेतृत्व संभालते हुए यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि यह हाईटेक कैमरा वहां कब और किसने लगाया। रेलवे के संवेदनशील स्थलों पर अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। रेल पुलिस ने सभी संबंधित अधिकारियों को इस कांड की हर पहलू से जांच करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

चंद्रनाथ हत्याकांड- डिजिटल सबूत ने बढ़ाई हत्यारों की मुश्किल

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के निजी सचिव चंद्रनाथ रथ की हत्या की गुत्थी सुलझाने में विशेष जांच दल (एसआईटी) को एक ब ा सुराग मिला है। पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि वारदात के बाद फरार होते समय अपराधियों ने बाली टोल ब्रिज पार किया था और वहां टोल टैक्स का भुगतान यूपीआई के जरिए किया गया था। अब पुलिस इस डिजिटल ट्रांजैक्शन की कड़ियों को जोड़कर हत्यारों के बैंक विवरण और पहचान तक पहुंचने की कोशिश कर रही है। इस सनसनीखेज हत्याकांड में पुलिस ने अब तक तीन संदिग्धों को हिरासत में लिया है, जिनसे कड़ी पूछताछ की जा रही है। हालांकि, घटना के तीन दिन बीत जाने के बाद भी मुख्य हमलावर पुलिस की पहुंच से बाहर हैं। गुरुवार रात माध्यमग्राम में चंद्रनाथ रथ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांच अधिकारियों को अंदेशा है कि इस वारदात को अंजाम देने के लिए उत्तर प्रदेश या बिहार से पेशेवर शार्प शूटर बुलाए गए थे, जिसके चलते पुलिस की दो विशेष टीमें इन राज्यों के लिए रवाना कर दी गई हैं। जांच में सबसे बड़ी बाधा अपराधियों के भागने वाले रूट पर लगे खराब सीसीटीवी कैमरे बन रहे हैं। दोहारिया-माठपाड़ा इलाके के कई कैमरे लंबे समय से बंद हैं, जिसका फायदा उठाकर अपराधी अंधेरे में फरार होने में सफल रहे। पुलिस सूत्रों का मानना है कि हमलावरों के पास चंद्रनाथ रथ की सटीक लोकेशन थी और उन्हें पता था कि वह कार में किस तरफ बैठे हैं। पुलिस ने इलाके से मिले अन्य फुटेज के आधार पर एक संदिग्ध वाहन की पहचान भी की है, जो वारदात के समय मृतक की कार का पीछा कर रहा था। फिलहाल, पुलिस यूपीआई डेटा और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर अपराधियों की घेराबंदी में जुटी है।

अब एक और आप विधायक विवादों में, युवक ने लगाए नौकरी का झांसा देकर पैसे लेने के आरोप

चंडीगढ़। लुधियाना से आम आदमी पार्टी के विधायक अशोक कुमार पाराशर विवादों में घिरते हुए नजर आ रहे हैं। फर्जी नौकरियों के लगे आरोपों में घिरा युवक निखिल सभ्रवाल मीडिया के सामने आया। निखिल ने बताया कि उसके ऊपर गलत आरोप लगाए गए हैं। जबकि नौकरियों का झांसा देकर लोगों को जितने भी पैसे लिए जाते थे वह विधायक पाराशर को दिए जाते थे।

मीडिया के सामने आए निखिल ने बताया कि जब उसके खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया तो उसे मजबूरन मीडिया के सामने आना पड़ा। उसे नकली पीए बोलकर 2 साल बाद मामला दर्ज करवा दिया गया है। विधायक उसे 13 हजार रुपए देते थे। जितने भी उलटे सीधे काम होते थे उससे करवाते थे। जेब खर्च पानी के लिए 5-6 हजार देते थे।

निखिल ने कहा कि क्या पहले ये लोग सो रहे थे, अब इन्हें याद आ गई। मेरे ऊपर आरोप लगाए गए हैं, नकली पीए है। उसने कहा कि मेरा आईडी कार्ड, सोशल मीडिया अकाउंट फेसबुक और इंस्टाग्राम चेक कर सकते हैं। मेरी वीडियो और तस्वीरें चेक कर लें। युवक ने कहा कि वह अशोक पाराशर पप्पी का पीए है। उसका आफिस इंचार्ज का आईकार्ड बना हुआ है। जब 2022 में वह विधायक बने तब से उनके साथ काम कर रहा हूं। उसे प्राइवेट रखा हुआ था। युवक निखिल ने बताया कि, विधायक के दफ्तर का सारा काम वह करता था। सुबह 9 बजे से रात 10 बजे तक वह दफ्तर में ही काम करता था।

निखिल ने आरोप लगाते हुए कहा कि लोगों को नौकरियां देने का झांसा देकर 1.70 लाख रुपए लिए जिन्हें विधायक को दिए। ये रकम इतनी ही नहीं बल्कि 80-90 करोड़ों रुपए से ज्यादा तक जाएगी। अभी तो सिर्फ 2 लोग ही सामने आए हैं, जिससे ये मामला सामने आया। डीसी रेट की भर्ती के लिए एक लाख रुपए लेने के लिए कहा जाता था। किसी व्यक्ति से 90 हजार रुपए लेकर 10 हजार निखिल खुद रखता था। उसके रिश्तेदार भी फंस गए। निखिल ने बताया कि उसके पिता की मौत 2022 में हो गई है, उसके परिवार में उसकी मां, दादी, और बहन है। जिन लोगों को नौकरी की बात का झांसा दिया उनमें उसके परिवार के लोग भी शामिल है। युवक ने कहा कि, विधायक के कारण उसका अपना घर बिक गया।

निखिल ने कहा कि हर बार उसे कहा जाता था कि, तेरा काम सही है हमारे साथ रहेगा तो आगे तक जाएगा। चुनावों के दौरान प्रचार दौरान जितने भी पेमेंट गई उसके बिल पड़े हैं। इसके अलावा उसके पास बैंक खातों के स्टेटमेंट भी हैं। निखिल ने कहा आने वाले समय में सभी सबूत दिखा दूंगा। उसने अपना आईडी कार्ड दिखाते हुए कहा कि वह नकली पीए नहीं है। उसकी सोशल मीडिया पर निखिल सभ्रवाल की आईडी है। कोई भी विधायक ऐसे ही किसी को अपनी कुर्सी पर नहीं बैठाता। किसी व्यक्ति ने मेरी शिकायत करवा दी, कि ये विधायक पाराशर का पीए है। युवक ने बताया कि उसकी 2 नंबर थाने में शिकायत दी गई। थाने का टीएसपी भनोट विधायक पाराशर का खास दोस्त है। शिकायत मिलने पर उसने विधायक को फोन कर दिया कि, आपके खिलाफ शिकायत मिली है। इसके बाद विधायक ने कहा कि इसके खिलाफ मामला दर्ज कर लो नहीं तो मैं फंस जाऊंगा।

इसके बाद निखिल 2 महीने दुबई चला गया, लेकिन इस दौरान उसके परिवार वालों को तंग किया जाता था। उसके घर में अलग-अलग थाने की पुलिस आती थी। इस बात से परेशान होकर वह वापस आया है। और लोगों को सच्चाई बताई। प्रशासन से मांग की है कि पूरे मामले की जांच सीबीआई और होम मिनिस्टर, ईडी से जांच करवाई जाए। क्योंकि पंजाब की पुलिस से कोई उम्मीद नहीं है। युवक ने अपनी जान को भी खतरा बताया। उसने कहा कि वह मीडिया के सामने नहीं आना चाहता था। परिवार वालों की जान को खतरा है। जल्द से जल्द पूरे प्रूफ सार्वजनिक करूंगा।

वहीं, दूसरी तरफ विधायक अशोक पाराशर ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे विपक्ष की ओछी साजिश बताया है। विधायक ने कहा कि आरोपी उसके आफिस में आता था और जब उन्हें उसकी ठगी का पता चला, तो उन्होंने खुद पीड़ितों की मदद की और पुलिस से केस दर्ज करवाया। आरोपी अब बीजेपी नेता गुरदेव देबी के साथ मिलकर उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहा है। आरोपी के पास कोई सबूत नहीं है। सिर्फ फर्जी कागज दिखा कर आरोप लगा रहा है। उसकी किसी बात में कोई सच्चाई नहीं है।

हमारी प्राथमिकता बंगाल को नए सिरे से बनाना और जनता का विश्वास जीतना

मंत्री घोष बोले- यह तय कर रहे हैं किसे कौन सी जिम्मेदारी और भूमिका सौंपी जाए

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में बीजेपी की सरकार बनने के बाद अब पार्टी जनता का विश्वास जीतने में लगी है। मंत्री दिलीप घोष ने कहा कि आज छुट्टी है और सोमवार को एक बैठक होगी जिसमें कई फैसले लिए जा सकते हैं। हम लोग जनता का विश्वास जीत रहे हैं। घोष ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि हमारी प्राथमिकता बंगाल को एक नए सिरे से बनाना है क्योंकि कई व्यवस्थाएं बिगड़ चुकी हैं। कानून-व्यवस्था कमजोर है और लोग कई सालों से डर के साए में जी रहे हैं। शिक्षा की स्थिति अच्छी नहीं है, स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल है और उद्योग या रोजगार के अवसर बहुत ही कम हैं। उन्होंने कहा पार्टी के नेता आपस में चर्चा कर रहे हैं और यह तय कर रहे हैं कि किसे कौन सी जिम्मेदारियां और भूमिकाएं सौंपी जाएंगी, जिससे पश्चिम बंगाल में विकास का काम तेजी से हो सके। हमारी प्राथमिकता जनता की समस्याओं को दूर करना है। घोष ने कहा कि हमें बंगाल को फिर से बनाना है। हमें हर चीज पर काम करना होगा और इसमें समय लगेगा। हालांकि हम तुरंत काम शुरू कर देंगे और आप बदलाव देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी ने 2026 के पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में 207 सीटें जीतकर इतिहास रच दिया है और टीएमसी के 15 साल के शासन को खत्म कर दिया है। जनता को पहले ही विश्वास हो गया था कि बीजेपी ही पश्चिम बंगाल का विकास कर सकती है। वहीं यूपी सरकार में मंत्री दानिश आजाद अंसारी ने कहा कि पश्चिम बंगाल का विकास बीजेपी की प्राथमिकता है।

हम दुनिया को दिखाएंगे सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं

टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री बनी कीर्तना ने बोली फर्राटेदार हिंदी

चेन्नई। विजय ने जिस दिन सीएम पद की शपथ ली, उसी दिन एस कीर्तना ने तमिलनाडु में टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री के रूप में शपथ ली। वह नवगठित मंत्रिमंडल में शामिल 9 मंत्रियों में से एक हैं, जिन्होंने रविवार सुबह जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एन आनंद, आधव अर्जुन, के ए सेंगोत्तैयान, पी वेंकटरमनन, आर निर्मलकुमार, राजमोहन, टी के प्रभु और के जी अनुराज के साथ शपथ ग्रहण की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शपथ ग्रहण करने के बाद कीर्तना ने कहा कि तमिलनाडु की नई सरकार शासन में एक मिसाल कायम करेगी। उन्होंने कहा कि यह अविश्वसनीय है क्योंकि किसी अन्य राज्य में इस तरह का कैबिनेट मंत्री नहीं होगा। कोई हमें ऐसा मौका नहीं देगा। हम दुनिया को दिखाएंगे कि हम सरकार को कितनी कुशलता से चला सकते हैं। कीर्तना शिवकाशी से नवनिर्वाचित विधायक हैं, जिसे अक्सर भारत की आतिशबाजी राजधानी कहा जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्नातकोत्तर डिग्री प्राप्त कीर्तना 29 साल की आयु में मंत्रिमंडल की सबसे युवा सदस्य हैं। उन्होंने हाल ही में संपन्न हुए चुनावों में 11,697 वोटों के अंतर से शिवकाशी सीट जीती। वह विजय के मंत्रिमंडल में एकमात्र महिला हैं और शिवकाशी से पहली महिला विधायक हैं, जिन्होंने इस निर्वाचन क्षेत्र में करीब सात दशकों के पुरुष वर्चस्व को खत्म किया है।

कई भाषाओं में धाराप्रवाह बोलने वाली कीर्थना ने हिंदी पर अपनी मजबूत पकड़ के लिए ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने अपने भाषण में फर्राटेदार हिंदी बोली। विशेष रूप से तमिलनाडु में, जहां भाषा एक संवेदनशील और राजनीतिक रूप से अहम मुद्दा बनी हुई है। विजय ने रविवार को तमिलनाडु के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, जिससे राज्य में एक नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत हुई। विजय ने जनता को उनके जनादेश के लिए धन्यवाद दिया और धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय पर आधारित सरकार बनाने के लिए एकजुट प्रयास का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि वे एक साधारण व्यक्ति हैं जो झूठे वादों से बचेंगे और केवल उन्हीं कार्यों को पूरा करेंगे जो संभव हैं।

जाखड़ के घर आप नेताओं ने की बीजेपी व केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी

चंडीगढ़। अबोहर में रविवार को आम आदमी पार्टी ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ की कोठी के बाहर धरना देकर केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान आप नेताओं और कार्यकर्ताओं ने बीजेपी और केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और इडी के दुरुपयोग के आरोप लगाए। धरने में जिला प्रधान उपकार सिंह जाखड़, फाजिल्का के विधायक नरेंद्र पाल सवना, जलालाबाद के विधायक अमनदीप गोल्डी कंबोज, हल्का इंचार्ज अरुण नारंग सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद थे। नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार विपक्षी दलों को दबाने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल कर रही है और आम आदमी पार्टी के नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विधायक नरेंद्र पाल सवना ने धरने को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ईडी का दुरुपयोग कर आम आदमी पार्टी के नेताओं को डराने और दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि आए दिन एजेंसियों के जरिए छापेमारी और कार्रवाई कर पंजाब का माहौल खराब करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी इन दबावों से डरने वाली नहीं है और पंजाब के लोग बीजेपी की धक्केशाही के आगे झुकने वाले नहीं हैं। सवना ने विधायक संदीप जाखड़ पर भी तंज कसते हुए कहा कि उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि वह बीजेपी में हैं या कांग्रेस में।

वहीं जिला प्रधान उपकार सिंह जाखड़ ने कहा कि अरविंद केजरीवाल समेत आम आदमी पार्टी के कई वरिष्ठ नेताओं को पहले भी झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश की गई, लेकिन अदालतों ने समय-समय पर सच्चाई सामने रखी है। हल्का इंचार्ज अरुण नारंग ने कहा कि आम आदमी पार्टी लोकतंत्र और जनता की आवाज उठाने का काम करती रहेगी। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दबाव बनाकर विपक्ष की आवाज दबाने की कोशिश लोकतंत्र के लिए ठीक संकेत नहीं है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया।

विधायक अमनदीप गोल्डी कंबोज ने कहा कि सुनील जाखड़ पहले बीजेपी की नीतियों की आलोचना करते थे, लेकिन अब केंद्र सरकार के समर्थन में बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी नेताओं को पंजाब के लोगों के हितों की आवाज केंद्र सरकार तक पहुंचानी चाहिए और राज्य के रुके हुए फंड जारी करवाने चाहिए। आप नेताओं ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार को पहले किसान आंदोलन के दौरान पंजाब और किसानों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा था और आखिरकार कृषि कानून वापस लेने पड़े थे।

हंतावायरस से प्रभावित शिप टेनेरिफ द्वीप पहुंचा, यात्री और चालक दल उतरा

नई दिल्ली। क्रूज ऑपरेटर ओशनवाइड एक्सपीडिशन्स ने शनिवार को बताया कि हंटावायरस से प्रभावित डच-फ्लैग वाले जहाज एमवी होंडियस पर सवार यात्री और चालक दल के कुछ सदस्य रविवार को सुबह जीएमटी से टेनेरिफ में उतरे। कंपनी ने बताया कि जहाज के सुबह 4:30 जीएमटी पर ग्रेनाडिला, टेनेरिफ पहुंचने की उम्मीद थी और जहाज से उतरने वालों को तुरंत उनके निर्धारित विमानों में ट्रांसफर कर दिया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस के टेनेरिफ में इस रेस्क्यू अभियान के समन्वय में मदद करने की उम्मीद है। स्पेनिश द्वीप के लोगों के नाम लिखे एक खुले पत्र में कहा कि वायरस से प्रभावित इस जहाज से उन्हें जो खतरा है वह कम है। घेब्रेयसस ने लोगों को आश्वस्त किया कि मैं चाहता हूं कि आप मेरी बात स्पष्ट रूप से सुनें कि यह कोई नया कोविड नहीं है। हंटावायरस से वर्तमान सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम कम है। रिपोर्ट के मुताबिक स्पेन की स्वास्थ्य मंत्री मोनिका गार्सिया गोमेज ने स्पष्ट किया है कि कैनरी द्वीप समूह में न तो यात्रियों का सामान और न ही मृतक व्यक्ति का शव उतारा जाएगा, वे चालक दल के एक हिस्से के साथ जहाज पर ही रहेंगे। वर्तमान में जहाज पर 20 से ज्यादा देशों के नागरिक सवार हैं। डब्ल्यूएचओ, स्पेनिश अधिकारियों और ओशनवाइड ने बताया कि फिलहाल जहाज पर मौजूद किसी भी व्यक्ति में वायरस के लक्षण नहीं दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, इस प्रकोप के शुरू होने के बाद से अब तक तीन यात्रियों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा जहाज से पहले ही उतर चुके पांच अन्य यात्रियों के भी हंटावायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस बात की पुष्टि की है कि संक्रमित यात्रियों में एंडीज वायरस पाया गया है। यह हंटावायरस का एकमात्र ऐसा ज्ञात स्ट्रेन है जो दुर्लभ मामलों में एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। हंटावायरस आमतौर पर संक्रमित चूहों के मल-मूत्र के संपर्क में आने या सांस के जरिए उसे अंदर लेने से फैलता है।

शोहरत की बुलंदी भी पल भर का तमाशा है.... यूपी कैबिनेट में बेटे को जगह नहीं मिलने से नाराज बृजभूषण

लखनऊ। यूपी में कैबिनेट का विस्तार होना है। इसको लेकर लखनऊ में तैयारी भी चल रही है। इन सबके बीच खबर यह है कि बीजेपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह नाराज हैं। माना जा रहा था कि इस कैबिनेट विस्तार में बृजभूषण के बेटे को मंत्री बनाया जा सकता है, लेकिन अब तक जो खबरें आई है उसके मुताबिक के बृजभूषण के बेटे का नाम मंत्री पद के शपथ लेने वाले नेताओं में नहीं है। इसी बीच बृजभूषण ने सोशल मीडिया पर पोस्ट की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अपनी पोस्ट में बृजभूषण शरण सिंह ने साफ तौर पर लिखा है कि शोहरत की बुलंदी भी पल भर का तमाशा है, जिस साख पर बैठे हो वह टूट भी सकती है। माना जा रहा है कि इस पोस्ट के जरिए बृजभूषण ने अपनी नाराजगी जाहिर की है, लेकिन आखिर बृजभूषण का यह पोस्ट क्यों आया है, इसको लेकर जानकारी वह खुद दे सकते हैं। फिलहाल उनके इस पोस्ट को योगी सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार से जोड़ कर देखा जा रहा है। इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार शाम राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से लखनऊ स्थित 'जन भवन' में शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के बाद राज्य में मंत्रिपरिषद विस्तार की संभावना तेज हो गई हैं। 'जन भवन' की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक सीएम योगी ने राज्यपाल से मुलाकात कर उन्हें लालचंद राम द्वारा लिखित पुस्तक 卐भारतीय ज्ञान परंपरा अवधारणा卐 भेंट की। राज्य में लंबे समय से मंत्रिपरिषद विस्तार की चर्चाएं चल रही हैं और माना जा रहा है कि इस पर जल्द फैसला हो सकता है। पश्चिम बंगाल और असम समेत कई राज्यों में हालिया राजनीतिक घटनाक्रमों के बीच राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि यूपी सरकार में भी विस्तार संभव है। उत्तर प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में अधिकतम 60 मंत्री हो सकते हैं जबकि वर्तमान में कुछ मंत्री पद रिक्त हैं। अगले साल 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर मंत्रिपरिषद विस्तार को राजनीतिक दृष्टि से अहम माना जा रहा है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह विस्तार रविवार को हो सकता है हालांकि अभी तक सरकार की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

झारखंड के शराब घोटाले की जांच रही बेनतीजा

जमानत पर रिहा हुए सभी आरोपी

रांची। झारखंड के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी को एक साल पूरा होने वाला है, लेकिन जांच अब तक किसी ठोस नतीजे पर नहीं पहुंच पाई है। 20 मई 2025 को दर्ज हुई इस प्राथमिकी के बाद एसीबी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। एजेंसी ने पिछले एक साल के दौरान निलंबित आईएएस अधिकारी विनय कुमार चौबे समेत 17 रसूखदार अधिकारियों और शराब कारोबारियों को गिरफ्तार कर जेल तो भेजा, लेकिन समय पर उनके विरुद्ध आरोप पत्र (चार्जशीट) दाखिल करने में विफल रही।

एसीबी की इस सुस्ती का सीधा लाभ आरोपितों को मिला और एक-एक कर लगभग सभी आरोपित डिफॉल्ट बेल पाकर जेल से बाहर आ गए। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि एसीबी ने गिरफ्तारी के समय जितनी तत्परता दिखाई थी, उतनी ही उदासीनता चार्जशीट दाखिल करने में बरती गई। एजेंसी के अधिकारियों ने दलील दी कि उनकी तैयारी पूरी नहीं थी, जिसके कारण निर्धारित समय सीमा के भीतर कानूनी दस्तावेज अदालत में पेश नहीं किए जा सके। गौरतलब है कि 20 मई 2025 को कार्रवाई शुरू करते हुए एसीबी ने सबसे पहले तत्कालीन आईएएस विनय कुमार चौबे, उत्पाद विभाग के संयुक्त आयुक्त गजेंद्र सिंह और प्लेसमेंट एजेंसी के नीरज कुमार को सलाखों के पीछे भेजा था। उस समय अदालत में दावा किया गया था कि अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के पुख्ता सबूत मौजूद हैं। हालांकि, इन दावों के बावजूद जांच एजेंसी कानूनी प्रक्रिया को अंजाम तक नहीं पहुंचा पाई। फिलहाल, विनय कुमार चौबे एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि सिंडिकेट के बाकी सभी सदस्य बाहर आ चुके हैं। यह पूरा घोटाला वर्ष 2022 की नई उत्पाद नीति से जुड़ा है। आरोप है कि छत्तीसगढ़ के शराब सिंडिकेट के साथ मिलकर नियमों में मनमाना बदलाव किया गया और फर्जी बैंक गारंटी के आधार पर चहेती प्लेसमेंट एजेंसियों को मैनपावर सप्लाई का ठेका दिया गया। शुरुआती जांच में यह घोटाला 38 करोड़ रुपये का बताया गया था, लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, इसके 750 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान लगाया गया। आरोप है कि इस पूरी साजिश से राज्य के खजाने को भारी चपत लगी और निजी कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाया गया। अब एक साल बीतने के बाद भी एसीबी की चार्जशीट का इंतजार जारी है।

महाराष्ट्र में 'स्याही कांड' से गरमाई राजनीति

मुंबई। महाराष्ट्र में शनिवार को हुई दो अलग-अलग स्याही फेंकने की घटनाओं ने राज्य की राजनीति में हलचल पैदा कर दी। पहली घटना पुणे के आलंदी क्षेत्र में हुई, जहां राकांपा (शरद पवार गुट) के प्रवक्ता विकास लवांडे पर कुछ लोगों ने काली स्याही फेंकी। लवांडे ने आरोप लगाया कि कीर्तनकार संग्राम भंडारे और उनके समर्थकों ने उनकी कार रोककर हमला किया और जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद वे पुलिस स्टेशन पहुंचकर सत्याग्रह पर बैठ गए। दूसरी घटना जालना में हुई, जहां मनसे कार्यकर्ताओं ने वकील गुणरत्न सदावर्ते की कार को घेरकर उस पर स्याही और सुपारी फेंकी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति नियंत्रित की और कुछ लोगों को हिरासत में लिया। इन अप्रत्याशित घटनाओं के बाद राज्य में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस और विपक्षी दलों ने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं।

कर्नाटक के कैबिनेट मंत्री डी. सुधाकर का निधन

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार के योजना एवं सांख्यिकी मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डी. सुधाकर का रविवार तड़के निधन हो गया। 66 वर्षीय सुधाकर पिछले दो महीनों से फेफड़ों के गंभीर संक्रमण से जूझ रहे थे। उनके निधन की खबर मिलते ही राज्य के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। बेंगलुरु स्थित कृष्णा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज द्वारा जारी मेडिकल बुलेटिन के अनुसार, मंत्री सुधाकर ने तड़के 3:15 बजे अंतिम सांस ली। संक्रमण की गंभीरता के कारण उन्हें दो माह पूर्व अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उनके उपचार में जुटी थी। अस्पताल के चिकित्सा निदेशक डॉ. आर. चिन्नादुरई ने उनके निधन की आधिकारिक पुष्टि की है। डी. सुधाकर कर्नाटक की राजनीति के एक अनुभवी और बेहद लोकप्रिय चेहरे थे। वे चित्रदुर्ग जिले के हिरियूर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कैबिनेट के महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में उन्होंने योजना एवं सांख्यिकी विभाग की जिम्मेदारी बखूबी संभाली। कांग्रेस पार्टी के एक मजबूत स्तंभ माने जाने वाले सुधाकर अपनी सादगी और आम जनता के बीच गहरी पैठ के लिए पहचाने जाते थे। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार सहित राज्य के तमाम बड़े नेताओं ने उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। डी.के. शिवकुमार ने उन्हें एक कर्मठ सहयोगी और जनता का सच्चा सेवक बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रशासन के अनुसार, उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए उनके गृह निर्वाचन क्षेत्र हिरियूर ले जाया जाएगा, जहां पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार संपन्न होगा। उनके सम्मान में राज्य के कई हिस्सों में शोक व्यक्त किया जा रहा है।

न्यूज गैलरी

पिता को ससुराल जाने से रोकने पर बेटे ने मां के साथ की मारपीट- बचाव करने आए पड़ोसी को भी मारा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। थाना लामता क्षेत्र के ग्राम अतरी में घरेलू विवाद ने हिंसक रूप ले लिया।पिता को ससुराल जाने से मना करने पर शराब के नशे में धुत बेटे ने अपनी 55 वर्षीय मां के साथ जमकर मारपीट की और उसे जमीन पर पटक कर घायल कर दिया। बीच-बचाव करने आए पड़ोसी को भी नहीं बख्शा। घायल महिला सुकरता बाई पति जोशीराम सरोते 55 वर्ष का लामता अस्पताल में इलाज किया गया है। पुलिस ने आरोपी बेटे शिवप्रसाद सरोते 35 वर्ष के खिलाफ मारपीट व जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सुकरता बाई सरोते घरेलू काम करती हैं। उनके तीन बेटे हैं। मंझला बेटा शिवप्रसाद सरोते अपनी पत्नी के साथ गांव में ही स्थित अपने ससुराल में रहता है। ससुराल पक्ष से विवाद के चलते सुकरता बाई का उनसे आना-जाना व बोलचाल बंद है। सुकरता बाई ने अपने पति जोशीराम को भी शिवप्रसाद के ससुराल जाने से मना कर रखा था। 8 मई की रात करीब 8 बजे सुकरता बाई अपने घर में थीं। इसी दौरान शिवप्रसाद शराब के नशे में घर पहुंचा और बाहर से ही मां को गालियां देने लगा। आवाज सुनकर सुकरता बाई बाहर आईं और बेटे से गाली देने का कारण पूछा। इस पर शिवप्रसाद ने कहा, पिताजी को मेरे ससुराल जाने से क्यों मना किया है। सुकरता बाई ने जवाब दिया कि ससुराल वालों से बोलचाल बंद है इसलिए मना किया है। यह सुनते ही शिवप्रसाद आगबूला हो गया और मां सुकरता बाई के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। उसने सुकरता बाई को जमीन पर पटक दिया। शोर सुनकर मोहल्ले के मघन प्रसाद सैयाम बीच-बचाव करने आए तो शिवप्रसाद ने उनसे भी मारपीट की और जाते-जाते ने मां को अगर पिता को ससुराल जाने से रोकने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी।घटना के बाद घायल सुकरता बाई को लामता अस्पताल ले जाया गया। जहां उनका इलाज किया गया। सुकरता बाई की शिकायत पर पुलिस ने उसके बेटे शिवप्रसाद पिता जोशीराम सरोते के विरुद्ध मारपीट व जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर लिया है। मामले की जांच

मदर्स डे विशेष-संघर्षों के बीच बच्चों का भविष्य संवारती मां की कहानी

पति का साया उठने के बाद भी नहीं टूटी हिम्मत, मेहनत और त्याग से बच्चों को बनाया सफल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

हर वर्ष 10 मई को मदर्स डे मनाया जाता है। यह दिन मां के प्रेम, त्याग, समर्पण और परिवार के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को सम्मान देने के लिए विशेष रूप से समर्पित होता है। मां वह शक्ति है, जो अपने बच्चों की खुशियों और भविष्य के लिए हर कठिनाई का सामना करने को तैयार रहती है। हाल ही में जबलपुर के बरगी क्षेत्र में हुई एक घटना ने मां के अटूट प्रेम का बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया था। बरगी डैम में क्रूज टूटने के दौरान एक मां ने खुद पानी में डूबते हुए भी अपने बच्चों को सीने से लगाए रखा और अंतिम क्षण तक उन्हें खुद से अलग नहीं होने दिया। इस घटना ने हर किसी को भावुक कर दिया था। ऐसी ही एक संघर्षशील मां की कहानी जिला मुख्यालय से लगे ग्राम नैतरा में भी देखने को मिलती है। यहां एक मां ने पति का साया उठ जाने के बाद भी हार नहीं मानी और कठिन परिस्थितियों के बीच अपने बच्चों का पालन-पोषण कर उन्हें शिक्षा और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ाया। मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि जीवन में कई कठिन दौर आए, लेकिन बच्चों के भविष्य के लिए उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया। उन्होंने मेहनत-मजदूरी और संघर्ष के साथ अपने बच्चों को शिक्षित किया तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। आज भले ही वह स्वयं अकेले जीवन व्यतीत कर रही हों, लेकिन अपने बच्चों की सफलता को ही अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानती हैं। उनकी कहानी यह बताती है कि मां का प्रेम और त्याग निस्वार्थ होता है, जो हर परिस्थिति में अपने बच्चों के लिए मजबूत ढाल बनकर खड़ा रहता है।

जिले के नैतरा गांव की रहने वाली राजवंती धुर्वे की जिंदगी संघर्ष, साहस और मां की ममता की ऐसी मिसाल बन चुकी है, जिसे सुनकर हर कोई भावुक हो जाता है। कहते हैं कि दुनिया में सबसे ज्यादा ताकतवर अगर कोई होता है तो वह मां होती है। अपने बच्चों की खुशी और सफलता के लिए वह हर कठिनाई से लड़ जाती है। राजवंती धुर्वे की कहानी भी कुछ ऐसी ही है, जिन्होंने गरीबी, पति की मौत और बच्चों की दिव्यांगता जैसी मुश्किल परिस्थितियों के बीच भी हार नहीं मानी और अपने बच्चों के सपनों को टूटने नहीं दिया। आज उनके संघर्ष का परिणाम यह है कि उनकी बेटी भारत की मूक-बधिर क्रिकेट टीम का हिस्सा बनने जा रही है, जबकि बेटा भी कई खेलों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुका है। राजवंती धुर्वे के चार बच्चे हैं, जिनमें से तीन बच्चे सुन और बोल नहीं सकते। शादी के बाद से ही उनका जीवन चुनौतियों से भरा रहा। राजवंती बताती हैं कि उनके मायके और ससुराल में पहले कभी ऐसी स्थिति नहीं रही थी। जब बच्चों में यह समस्या सामने आई तो परिवार ने इलाज के लिए कई जगह प्रयास किए, डॉक्टरों के चक्कर लगाए, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। धीरे-धीरे उन्होंने परिस्थितियों को स्वीकार किया और बच्चों को आगे बढ़ाने में ही अपना पूरा ध्यान लगा दिया। राजवंती बताती हैं कि उनकी बड़ी बेटी अक्सर बीमार रहती थी, लेकिन बेटा स्वराजदीप और छोटी बेटी रानी शुरू से ही पढ़ाई और खेल दोनों में काफी तेज रहे। पति सरदार सिंह धुर्वे बच्चों को बहुत समझते थे और हर समय उनका साथ

देते थे। परिवार किसी तरह संघर्ष करते हुए आगे बढ़ रहा था, लेकिन मई 2021 में बीमारी के चलते सरदार सिंह धुर्वे की मौत हो गई। पति की मौत ने पूरे परिवार को भीतर तक तोड़ दिया। राजवंती कहती हैं कि पति की मौत के बाद कई दिनों तक वह सदमे में रहीं। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि अब बच्चों का भविष्य कैसे संभलेगा। लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने खुद को मजबूत किया। उन्हें एहसास हुआ कि यदि वह खुद टूट जाएंगी तो बच्चों का सहारा कौन बनेगा। इसके बाद उन्होंने पूरी जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठा ली और बच्चों की पढ़ाई व खेल को किसी भी हालत में रुकने नहीं दिया। परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है। राजवंती के पास केवल एक एकड़ जमीन है, जिससे होने वाली खेती के सहारे वह परिवार का पालन-पोषण करती हैं। आमदनी बढ़ाने के लिए वह दूसरों की जमीन बटाई पर लेकर खेती भी करती हैं और समय मिलने पर मजदूरी करने भी चली जाती हैं। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने बच्चों की जरूरतों को पूरा करने की कोशिश कभी नहीं छोड़ी। राजवंती को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना के तहत मात्र 600 रुपए मासिक पेंशन मिलती है। परिवार का कहना है कि इतने कम पैसों में स्कूल-कॉलेज की फीस और बच्चों की खेल गतिविधियों का खर्च उठाना बेहद मुश्किल हो जाता है। इसके बावजूद परिवार उम्मीद और मेहनत के सहारे आगे बढ़ रहा है। संघर्षों के बीच बच्चे भी अपनी मां का पूरा साथ देते हैं। छुट्टियों के दौरान वे खेती और घर के कामों में मां का हाथ बंटाते हैं। वहीं खेल और पढ़ाई में भी लगातार मेहनत करते हैं। बेटा स्वराजदीप क्रिकेट में स्टेट लेवल तक पहुंच चुका है और क्रिकेट, फुटबॉल, शॉटपुट तथा शतरंज जैसे खेलों में अपनी प्रतिभा दिखा चुका है। वहीं बेटी रानी धुर्वे ने क्रिकेट में नेशनल स्तर तक पहुंचकर पूरे जिले और परिवार का नाम रोशन किया है। अब वह भारत की मूक-बधिर टीम का हिस्सा बनने की ओर बढ़ रही है और आने वाले समय में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश का प्रतिनिधित्व कर सकती है। इसके लिए उसका पासपोर्ट भी तैयार कराया जा रहा है। पति की मौत के बाद मां ही बच्चों को प्रैक्टिस के लिए ले जाती है, उनका हौसला बढ़ाती है और हर कदम पर उनका सहारा बनकर खड़ी रहती है। आज जब उनके बच्चे अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर सफलता की ओर बढ़ रहे हैं, तब राजवंती धुर्वे का वर्षों का संघर्ष भी रंग लाता दिखाई दे रहा है। यह कहानी सिर्फ एक मां के संघर्ष की नहीं, बल्कि उन सपनों की भी है जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद टूटे नहीं और लगातार आगे बढ़ते रहे।

जिले में पहली बार आयोजित की गई अंतराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता

नेशनल इंटरनेशनल ग्रेड मास्टर सहित करीब 150 खिलाड़ी हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के सतपुड़ा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड पॉलीटेक्निक कालेज गर्रा बालाघाट के संरक्षण एवं अनुकरणीय सहयोग से 10 मई रविवार को जिले में पहली अंतराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया।स्व. नागेश्वरराम यादव व समाजसेवी स्व. राजकुमार खंडेलवाल की पुण्य स्मृति को चिरस्थायी बनाने एन आर मेमोरियल रैपिड रेटिंग एकदिवसीय अंतराष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता में जिले सहित प्रदेश व देश, विदेश के करीब 150 प्रतिभागीयों ने शामिल होकर अपने बौद्धिक प्रतिभा का जौहर दिखाया।इस संबंध में टूर्नामेंट के डायरेक्टर कार्तिक गिरी गोस्वामी व सतपुड़ा ग्रुप के डायरेक्टर अंशु जायसवाल ने बताया कि पहली बार जिले में इतनी बड़ी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।इस प्रतियोगिता में 8-10 नेशनल व इंटर नेशनल ग्रेड मास्टर भी शामिल हुए है

देश के अलावा विदेशी प्रतिभागी भी हुए शामिल

बता दें कि जिले में शतरंज को लेकर लोगों में काफी उत्साह दिखाई दिया। जिले में पहली बार इतने भव्य रूप में अंतर राष्ट्रीय शतरंज प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें मध्यप्रदेश के बालाघाट, भोपाल, जबलपुर, इन्दौर, रीवा, कटनी, छिंदवाड़ा, मंडला, सागर, ग्वालियर, उज्जैन, नरसिंहपुर, पन्ना सहित अन्य जिलों के खिलाड़ियों के साथ पश्चिम बंगाल, गुजरात, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली के अलावा विदेशी प्रतिभागी भी शामिल हुए। आयोजन समिति द्वारा खिलाड़ियों के लिए शतरंज के करीब 80 बोर्ड लगाए गए थे। इसमें एक साथ एक सैकड़ा से अधिक प्रतिभागी अलग-अलग बोर्ड पर अपनी चाल चल रहे थे।

1 लाख से अधिक के इनाम, देर रात होंगा समापन

आयोजकों द्वारा बताया गया कि यह आयोजन महज स्पर्धा नहीं बल्कि युवाओं में विश्लेषणात्मक चिंतन एवं धैर्य के गुणों का संवर्धन करने वाला बौद्धिक अनुष्ठान है। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार एक लाख रूपये प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा प्रतियोगिता में शीर्ष 10 स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों के अतिरिक्त, विभिन्न आयु वर्गों एवं रेटिंग श्रेणियों में उत्कृष्टता प्रदर्शित करने वाले प्रथम तीन विजेताओं को विशेष रूप से पुरस्कृत एवं सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता का समापन रात में पुरस्कार वितरण के साथ किया जाएगा।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बद्ध
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHI
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि
सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट